रांची, सोमवार
12.10.2026
वर्ष : 11, अंक : 310, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका
11 बिहान भारत

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

शारदीय नवरात्र

दूसरा दिनः मां ब्रह्मचारिणी

दधानां करपद्माभ्याम् अक्षमाला कमंडलु।
देवी प्रसिदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। उनका स्वरूप तपस्या, त्याग और संयम का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि मां ब्रह्मचारिणी की आराधना से व्यक्ति को धैर्य, आत्मबल और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने अपनी मां की स्मृति में पारंपरिक रीति-रिवाजों का किया निर्वहन

रामगढ़। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को पैतृक गांव नेमरा में अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन की स्मृति में पूरी श्रद्धा और सादगी पूर्वक सामाजिक एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री ने परंपरा के अनुरूप अपनी माता की आत्मा की शांति के लिए दातून, पानी एवं भोजन परोसने की रस्म पूरी की तथा नम आंखों से माता को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री के साथ उनके परिवार के सदस्य, सगे-संबंधी और नेमरा के ग्रामीण मौजूद रहे।

हर युवा को अपने भविष्य को बड़े परिदृश्य में देखना चाहिएः प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकसित भारत के नए विचार और समाधान से भारत सहित विश्व का भविष्य भी तय होगा। भारत में अनंत अवसर मौजूद हैं और हर युवा को अपने भविष्य को इस बड़े परिदृश्य में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही आपका समय है। यही आपका अवसर है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह सपना साकार होगा। साथ मिलकर, हम इसे कर दिखाएंगे!

प्रधानमंत्री ने आज चेन्नई स्थित जयगोपाल गारोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया और वहां उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से खेल, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, आज का युवा विकसित भारत की ताकत बनना चाहता है। विकसित भारत के लिए जो नए विचार चाहिए, जो नए समाधान चाहिए, हमारा भारत ही नहीं, विश्व का भविष्य भी तय होगा। आज भारत में जो अनंत अवसर हैं, मैं चाहता हूं कि हर युवा अपने भविष्य को उतने ही बड़े कैनवॉश पर देखे। क्योंकि यह आपका समय है, यह आपका अवसर है। ये मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा ये सपना पूरा रहेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में खेलों के लिए नई सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सहयोग मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। भारत वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही देश वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी का सपना लेकर भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश के युवा खेलों की दुनिया में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

विश्व हिंदू विद्या केंद्र की स्थापना के 50 वर्ष पर मोदी ने विद्यालय के भवन निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जयगोपाल गरोड़िया को याद किया। उन्होंने विद्यालय की यात्रा को सफल बनाने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और पूर्व विद्यार्थियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान शिक्षा के साथ राष्ट्रभक्त नागरिकों के निर्माण का भी उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने गिरिजा अम्मा की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों को प्रतिदिन एक रुपये बचाकर देश के सैनिकों को समर्पित करने का विचार दिया था। हजारों बच्चों के इस अभियान से जुड़ने पर लगभग 40 लाख रुपये जुटाए गए। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे योगदान भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। जरूरतमंदों की सहायता और स्वच्छता अभियानों में भागीदारी जैसे सेवा के मूल्य विद्यालय की समृद्ध परंपरा का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से देश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। भारतीय शिक्षण संस्थानों की वैश्विक पहचान भी मजबूत हुई है। वर्ष 2015 की क्यूएस रैंकिंग में भारत के 14 विश्वविद्यालय शामिल थे, जबकि नवीनतम रैंकिंग में यह संख्या बढ़कर 52 हो गई है। इससे विद्यार्थियों के लिए विकल्प और अवसर बढ़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में लगभग 750 विश्वविद्यालय थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,300 से अधिक हो गई है। इसी अवधि में कॉलेजों की संख्या लगभग 38 हजार से बढ़कर 52 हजार से अधिक हो गई है। बीते वर्षों में देश में कई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्थापित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने युवाओं से देश की विविधता को करीब से जानने और तमिल भाषा तथा संस्कृति को आगे बढ़ाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को देश के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करनी चाहिए, तमिल कविता, कहानियों और परंपराओं को दूसरों के साथ साझा करना चाहिए तथा अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों से मित्रता करनी चाहिए। ऐसी मित्रता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है।

उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तिरुक्कुरल का रूसी संस्करण भेंट करने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ग्रंथ जीवनभर सीखते रहने की प्रेरणा देता है। तिरुवल्लुवर ने अपनी एक प्रसिद्ध रचना के माध्यम से सिखाया है कि केवल नया ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे व्यवहार में उतारना भी जरूरी है।

उल्लेखनीय है कि जयगोपाल गारोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्वर्ण जयंती शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान के पांच दशकों के योगदान तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन, सांस्कृतिक मूल्यों और सर्वांगीण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों की पीढ़ियों को तैयार करने में इसकी भूमिका का प्रतीक है। अपने आदर्श वाक्य ह्सा विद्या या विमुक्तयेह्व (ज्ञान जो मुक्ति दिलाता है) से प्रेरित यह विद्यालय ऐसे विद्यार्थियों को तैयार करने का प्रयास करता है, जो समाज में सार्थक योगदान दें। समय के साथ, संस्थान ने बदलती शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढाला है। साथ ही, यह चरित्र निर्माण, ज्ञान और जिम्मेदार नागरिकता के मूल्यों पर निरंतर जोर देता रहा है।

मां सबकी रक्षा करें, सबका कल्याण करेः हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रामगढ़। मां का साया सिर से उठ जाना जीवन का ऐसा दुख है, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी मां रूपी सोरेन के निधन के बाद सोशल मीडिया पर भावनाएं व्यक्त करते हुए मां की ममता, आशीर्वाद और उनके प्रति अपनी श्रद्धा को शब्दों में पिरोया। उनके संदेश में मां के प्रति सम्मान के साथ सबके कल्याण की कामना भी झलकती है।

मां सबकी रक्षा करे, सबका कल्याण करे

इन शब्दों में केवल एक बेटे की भावना ही नहीं, बल्कि हर मां के प्रति श्रद्धा और समस्त समाज के सुख-शांति की कामना भी समाहित है। मां के निधन के गहरे दुख के बीच यह प्रार्थना उनके प्रति अटूट विश्वास और व्यापक मानवीय संवेदना का भाव प्रस्तुत करती है।

मां की ममता और आशीर्वाद की याद

मां जीवन की वह शक्ति होती है, जिसके स्नेह और आशीर्वाद से इंसान मुश्किल परिस्थितियों में भी हिम्मत जुटाता है। मां के जाने के बाद उनकी यादें, सीख और संस्कार ही जीवन की अमूल्य पूंजी बनकर रह जाते हैं। मुख्यमंत्री के संदेश के शब्द भी इसी भाव को सामने रखते हैं।

एक प्रार्थना, सबके कल्याण की कामना

रूपी सोरेन के निधन से जुड़े इस भावुक संदेश में मां के प्रति श्रद्धा के साथ सबकी रक्षा और कल्याण की कामना प्रमुखता से उभरती है। संदेश के ये शब्द मां के स्नेह और आशीर्वाद की उस भावना को व्यक्त करते हैं, जो परिवार की सीमाओं से आगे बढ़कर सबके सुख और शांति की प्रार्थना बन जाती है।

नेपाल में फिर कुदरत का कहरः अचानक आई बाढ़ में 35 से ज्यादा मकान और पुल बहे, कई इलाकों में अलर्ट

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार को अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। बूढ़ी गंडकी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण 35 से अधिक मकान और एक पुल बह गए। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, जबकि नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चुमनुब्री ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर तीन के अध्यक्ष राम कुमार गुरुंग ने बताया कि बाढ़ से सल्लेरी, पायूका और जगत में नदी किनारे बने मकान बह गए। बाढ़ की चपेट में आने से क्षेत्र को जोड़ने वाला एक पुल भी क्षतिग्रस्त होकर बह गया।

गोरखा के मुख्य जिला अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि शुरूआती सूचनाओं के अनुसार, सिउरीबास के ऊपरी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ था। हालांकि, नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

स्थानीय लोगों को आशंका है कि चुमनुब्री-6 क्षेत्र में लोकपा और चुमलिंग के बीच बूढ़ी गंडकी की सहायक नदी स्यार का प्रवाह बाधित हुआ होगा। इससे पानी का दबाव बढ़ा और अचानक बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, इस आशंका की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बूढ़ीगंडकी नदी में बाढ़ का कहरः नेपाली सेना ने 49 लोगों को सुरक्षित निकाला

काठमांडू। नेपाल की बूढ़ीगंडकी नदी में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में नेपाली सेना ने अब तक 49 लोगों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। नेपाली सेना ने रविवार दोपहर जारी बयान में यह जानकारी दी। सेना के मुताबिक, 11 अक्टूबर को बूढ़ीगंडकी नदी में आई बाढ़ के बाद राहत एवं बचाव कार्य के लिए एमआई-17 समेत चार हेलिकॉप्टर और जमीनी रास्ते से सैन्यकर्मियों को तैनात किया गया है। अब तक जगत से गोरखा तक 6 लोगों, फिलिम से हुल्चुक तक 4 लोगों (एक शिशु सहित), यारु से हुल्चुक तक 15 लोगों (दो बच्चों और एक विदेशी नागरिक सहित), हुल्चुक से फिलिम तक 1 व्यक्ति, नामरुंग से फिलिम तक 2 लोगों, न्याकफेदी से न्याकडाँडा तक 9 लोगों और पायु से सल्लेरी (नयांबस्ती) तक 12 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। नेपाली सेना ने बताया कि अन्य सुरक्षा एजेंसियों और संबंधित पक्षों के साथ समन्वय कर प्रभावित क्षेत्रों में खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादी कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में दो प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों पर जबरन वसूली तथा हथियारों के परिवहन में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मिली विशेष सूचना के आधार पर मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने 10 अक्टूबर को इंफाल पश्चिम जिले के लाम्बोइखोंगनांगखोंग इलाके में अभियान चलाया। इस दौरान रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ)/पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के कथित सक्रिय कैडर वांगखेम मलेमंगनबा (37) को गिरफ्तार किया गया। वह इसी इलाके की लेन नंबर 12 का निवासी है और उस पर जबरन वसूली में शामिल होने का आरोप है।

गैरकानूनी तरीके से हिरासत में न लिया जाए, रेल-मेट्रो व इंटरनेट सेवाएं बहाल रखेंः सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने रविवार को दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के दौरान 10 अक्टूबर को मेट्रो स्टेशन बंद करने के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर विशेष सुनवाई की। जस्टिस जॉयमाल्या बागची की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मेट्रो और रेल सेवाएं सामान्य रूप से चलेंगी, सिवाय तब के जब संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत सार्वजनिक व्यवस्था में खलल को ध्यान में रखते हुए नियम लागू करने की जरूरत हो। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के अधिकारियों से जवाब मांगा कि उनके खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए।

कोर्ट ने कहा कि ट्रैफिक नियमों के तहत शहर में लोगों की आवाजाही की अनुमति होगी। शहर में लोगों की सुचारू आवाजाही में कोई बाधा नहीं डाली जाएगी और कानून के अनुसार इसकी अनुमति होगी। कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था और ट्रैफि क की अन्य स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, बैरिकेड्स लगाने की जरूरत की तुरंत समीक्षा की जाए।

कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट सुविधाएं बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कानून द्वारा तय प्रक्रिया के बिना किसी को गैरकानूनी रूप से हिरासत में नहीं लिया जाएगा, खासकर उन इलाकों के बाहर जहां लोगों के जमा होने पर रोक लगाई गई है। कोर्ट ने कहा कि कानून के मुताबिक लोगों को इकट्ठा होने की अनुमति होगी, खासकर उन इलाकों के बाहर जहां धारा 163 लागू है, वहां शांतिपूर्ण ढंग से इकट्ठा होने की अनुमति कानून के मुताबिक दी जाएगी।

कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि उच्चतम न्यायालय के बाहर लगा वह बोर्ड हटा दिया जाए, जिस पर लिखा था कि धारा 163 लागू कर दी गई है, जिसके तहत पांच या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है। कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों को यह भी याद दिलाया कि विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से होने चाहिए और उनसे दूसरों को उकसावा नहीं मिलना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय में शलभमणि त्रिपाठी की अवमानना याचिका के अलावा तृणमूल कांग्रेस की सांसद और वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने भी याचिका दायर की थी। इसमें विरोध प्रदर्शनों के दौरान विपक्षी नेताओं (जिनमें चार पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल थे) और अन्य लोगों की एहतियाती हिरासत को चुनौती दी गई थी। याचिका में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार से जुड़े सवाल उठाए गए थे।

नामांकन संबंधी अपने विवरण अपडेट करें

उनकी सुरक्षा के लिए, जो आपके लिए सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं

- सभी बैंक जमा खातों और लॉकरों में नामांकन पंजीकृत करें।
- ऑनलाइन या ऑफ़लाइन माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया पूरी करें।
- नामांकन अपडेट रखें।

आप एक साथ अधिकतम 4 नॉमिनी को शामिल कर सकते है। बैंक जमा राशियों के लिए प्रत्येक नॉमिनी की हिस्सेदारी निर्दिष्ट करें।

या

अधिकतम 4 नॉमिनी को क्रमिक रूप से शामिल करें। बैंक जमा राशियों और साथ ही सुरक्षित जमा लॉकरों के लिए प्राथमिकता का क्रम निर्दिष्ट करें (पिछले नॉमिनी/यों की मृत्यु होने की स्थिति में)।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/nomination-and-settlement पर जाएं

आधिकारिक वॉट्सएप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारी समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए हरेलाल महतो, मंच पर जुटे दिग्गज

बिभा संवाददाता

चांडिल/ईचागढ़: ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की सियासत में रविवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। आजसू पार्टी के पूर्व प्रत्याशी हरेलाल महतो ने चांडिल प्रखंड के भादूडीह फुटबॉल मैदान में आयोजित विशाल मिलन समारोह में अपने हजारों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली। समारोह में उमड़े भारी जनसैलाब के जरिए हरेलाल महतो ने क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ का प्रदर्शन किया, जिससे मंच पर मौजूद भाजपा के शीर्ष नेता भी उत्साहित नजर आए। समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी और डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

भाजपा में शामिल होने के बाद हरेलाल महतो ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास नीतियों से प्रेरित होकर पार्टी में आए हैं और पूरे कोल्हान प्रमंडल में भाजपा को मजबूत कर 'कमल खिलाने' का काम करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों पर जनता का भरोसा बढ़ा है और आने वाले दिनों में कई अन्य नेता भी भाजपा से जुड़ेंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार, संसाधनों के दोहन और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर विफल रहने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और सांसद विद्युत वरण महतो ने विश्वास जताया कि हरेलाल के पार्टी में आने से ईचागढ़ समेत पूरे क्षेत्र में जनहित के मुद्दों को नई ताकत मिलेगी।

इस दौरान जिला परिषद सदस्य असित सिंह पात्र, चांडिल की पूर्व प्रमुख अमला मुर्मू और प्रोफेसर रविशंकर मौर्य समेत क्षेत्र के कई प्रमुख जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने भी भाजपा का दामन थामा।

बेड़ो में भव्य कलश यात्रा के साथ 10 दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव शुरू

बिभा संवाददाता

बेड़ो: के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध महादानी बाबा मंदिर परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में रविवार सुबह भव्य कलश यात्रा के साथ 10 दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा में बच्चियों, युवतियों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ढोल, ढाक, शहनाई और शंख की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

कलश यात्रा का आयोजन मुख्य पुजारी अशोक पंडा एवं सोनू पंडा के साथ डॉ. रमेश प्रसाद गुप्ता, दुर्गा पूजा आयोजन महासमिति के अध्यक्ष कैलाश कुमार, सचिव रवि सिंह, मुकेश कुमार साहू, राजेश कुमार महतो, अपूर्व लाल खन्ना, नित्यानंद मिश्रा और बजरंगी बाबा सहित अन्य लोगों के संयुक्त नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया।

कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने महादानी बाबा मंदिर की परिक्रमा की और मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। धार्मिक उत्साह और भक्ति के माहौल में निकली इस यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

कुएं में मिला 15 वर्षीय किशोर का शव, शाम से था लापता; गांव में पसरा मातम

बेड़ो(बिभा)। बेड़ो प्रखंड अंतर्गत दिघिया गाँव में रविवार सुबह कुएं से 17 वर्षीय किशोर का शव मिलने से गाँव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान दिघिया निवासी रोहित खेश पिता संदीप खेश के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, रोहित शनिवार शाम से ही घर से लापता था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। रविवार सुबह करीब छह बजे कुएं में शव दिखाई देने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल बेड़ो पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही बेड़ो थाना प्रभारी मो.कफिल अहमद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए राँची रिम्स भेज दिया। फिलहाल किशोर की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

दस्तावेजों में नाम की गड़बड़ी से परेशान वृद्ध महिला, नहीं निकाल पा रही वृद्धा पेंशन की राशि

बेड़ो(बिभा)। रांची जिले के बेड़ो प्रखंड अंतर्गत डोरंडा पंचायत के बिल्टी गांव में दस्तावेजों में नाम की गड़बड़ी का मामला सामने आया है। गांव की एक वृद्ध महिला शिवराइत देवी के पुराने दस्तावेजों में नाम शिवराइत देवी दर्ज है, जबकि वर्तमान दस्तावेजों में उनका नाम शिवराइत उरांव अंकित है। नाम में अंतर होने के कारण उन्हें बैंकिंग कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से वह अपनी वृद्धा पेंशन की राशि भी बैंक से नहीं निकाल पा रही हैं। महिला ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और वृद्धा पेंशन ही उनके जीवनयापन का मुख्य सहारा है। लेकिन दस्तावेजों में नाम अलग-अलग दर्ज होने के कारण उन्हें अपनी ही पेंशन की राशि निकालने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अकेली और वृद्ध होने के कारण यह समस्या उनके लिए और भी परेशानी का कारण बन गई है। महिला ने संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि उनके सभी जरूरी दस्तावेजों में नाम की त्रुटि की जांच कर उचित सुधार किया जाए, ताकि वह बिना किसी परेशानी के अपनी वृद्धा पेंशन की राशि प्राप्त कर सकें और सम्मानपूर्वक अपना जीवनयापन कर सकें।

नवरात्र के प्रथम दिन आशियाना अनंतारा में सामूहिक संकल्प के साथ आरंभ हुआ मां दुर्गा पाठ

जमशेदपुर(बिभा): मानगो एन एच 33 स्थित आशियाना अनंतारा सोसाइटी में नवरात्र के प्रथम दिन कलश स्थापना कर मां शैलपुत्री की पूजा के साथ दुर्गा पाठ का शुभारंभ दुगार्पुर से आए पंडित आचार्य तापस मुखर्जी के द्वारा आरंभ किया गया । सोसाइटी के अध्यक्ष विकास सिंह ने बताया की 394 फ्लैट धारको द्वारा सामूहिक रूप से संकल्प कर कलश स्थापना किया गया है पूरे दस दिन तक चलने वाले इस नवरात्र उत्सव में सोसाइटी की महिलाओं के द्वारा सामूहिक रूप से फलाहार रखते हुए मां की पूजाआराधना की जायेगी । महापंचमी के दिन पंडाल का विधिवत उद्घाटन होगा । पंचमी के दिन से ही सामूहिक रूप से सभी फ्लैट धारकों का प्रसाद रूपी भोजन करने की एक साथ व्यवस्था की गई है जो पूरे विजयदशमी तक चलेगी । विकास सिंह ने कहा महानवमी के दिन महिलाओं के द्वारा डांडिया नृत्य का भी प्रदर्शन किया जाएगा उसके लिए महिलाएं विगत एक महीना से शिक्षक के द्वारा प्रशिक्षण ले रही है । महाअष्टमी के दिन कोलकाता के स्टार बैंड का कार्यक्रम प्रस्तुत होगा। प्रत्येक दिन अलग-अलग कलाकारों के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं । बच्चों और बुजुर्गों के लिए खेलकूद के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है ।

ट्रक में मिला चालक का शव, मौत की वजह स्पष्ट नहीं

पूर्वी सिंहभूम(बिभा)। मानगो के पारडीह चौक के समीप रविवार सुबह एक खड़े ट्रक के अंदर चालक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान तमिलनाडु निवासी मरियप्पन एमके (46) रूप में हुई है। वह ट्रक संख्या टीएन 52 एसी 5655 का चालक था। घटना की सूचना मिलने पर मानगो थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, मरियप्पन शनिवार रात आदित्यपुर में ट्रक पर माल लोड करने के बाद बालिगुमा स्थित अपने कार्यालय के लिए रवाना हुआ था। रास्ते में पारडीह चौक के पास ट्रक का ब्रेक खराब हो गया। इसके बाद उसने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। आशंका जताई जा रही है कि रात होने के कारण चालक ट्रक के अंदर ही सो गया था। रविवार सुबह वह वाहन के अंदर अचेत अवस्था में मिला।

करम मिलन समारोह में गूंजा एकजुटता और संस्कृति संरक्षण का संदेश

आदिवासी समाज की पहचान है अखड़ा, इसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी : विकास मुंडा

बिभा संवाददाता

बुंडू। आदिवासी सेवा संस्था एवं समस्त आदिवासी समाज के संयुक्त तत्वावधान में ताऊ मैदान, बुंडू में टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से छठा अनुमंडल स्तरीय करम मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित स्वर कोकिला बुटन देवी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 50 गांवों से पहुंचे नृत्य दलों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर आदिवासी संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरी।

समारोह में आदिवासी समाज के बुद्धिजीवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। अतिथियों ने समाज को एकजुट रहने तथा अपनी भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाज एवं परंपराओं को संरक्षित रखने का आह्वान किया। साथ ही प्रत्येक गांव एवं टोला में अखड़ा को बचाने तथा इसके माध्यम से आदिवासी संस्कृति को समृद्ध बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अधनु सिंह मुंडा, गिरीश सिंह मुंडा, आदित्य नाग, महावीर मुंडा, दिलेश्वर उरांव, लक्ष्मीनारायण मुंडा, पूर्णचंद्र सिंह मुंडा, संतोष सिंह मुंडा, दिवेश्वर मुंडा, सहदेव मुंडा, प्रदीप सिंह मुंडा, अनिल लोहरा, बोध मुंडा, अनिल मुंडा, सनिका मुंडा, मंगल मुंडा सहित अन्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

मुरी में दुगार्पूजा की स्वर्ण जयंती की तैयारियां जोरों पर, 50वें वर्ष को भव्य बनाने में जुटी जन जागरण समिति

बिभा संवाददाता

मुरी : जन जागरण दुगार्पूजा समिति, बड़ा मुरी इस वर्ष दुगार्पूजा की 50वीं वर्षगांठ यानी स्वर्ण जयंती को भव्य और यादगार बनाने की तैयारी में जुटी है। स्वर्ण जयंती महोत्सव को लेकर पूजा पंडाल के निर्माण से लेकर आकर्षक विद्युत सजावट तक का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस बार श्रद्धालुओं को पंडाल में विशेष आकर्षण देखने को मिलेगा।पूजा पंडाल को आकर्षक और भव्य रूप देने के लिए पश्चिम बंगाल से कुशल कारीगरों को बुलाया गया है। वहीं, मां दुर्गा की 10 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण भी पश्चिम बंगाल के कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। समिति का प्रयास है कि स्वर्ण जयंती के अवसर पर पंडाल और मां दुर्गा की प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनें। दुगार्पूजा को लेकर मुरी बस स्टैंड से मुरी बाजार स्थित पूजा पंडाल तक सड़क के दोनों ओर आकर्षक विद्युत रोशनी से सजावट की जा रही है। रोशनी और साज-सज्जा के माध्यम से पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बनाने की तैयारी है। समिति द्वारा सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पंडाल और विद्युत सजावट का कार्य कराया जा रहा है।समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष जन जागरण दुगार्पूजा समिति, बड़ा मुरी अपनी 50वीं वर्षगांठ को स्वर्ण जयंती महोत्सव के रूप में भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया है। षष्ठी तिथि से श्रद्धालुओं के लिए मां का दरबार खोल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजन को यादगार बनाने के लिए समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हैं।

मुर्दा मैदान का कचरा, नगर निगम कार्यालय के सामने रखा गया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो के मुर्दा मैदान की दो साल से सफाई नहीं होने पर विधायक सरयू राय ने रविवार को खुद मोर्चा संभाल लिया। सात दिनों का अल्टीमेटम देने के बावजूद नगर निगम ने सफाई नहीं कराई तो सरयू राय तीन ट्रैक्टर, हाईवा और जेसीबी लेकर मैदान पहुंचे। वहां बस्ती वालों के सहयोग से कचरा उठवाया और रविवार शाम चार बजे मानगो नगर निगम कार्यालय के सामने खाली पड़ी जमीन पर डंप करवा दिया। सरयू राय ने कहा कि उन्होंने निगम के अपर नगर आयुक्त से कचरा डंप करने की जगह बताने को कहा था, लेकिन उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी। ऐसे में कचरा नगर निगम कार्यालय के सामने खाली जमीन पर गिरा दिया गया। अब निगम उसे जहां ले जाना चाहे, ले जाए।

सरयू राय ने बताया कि मुर्दा मैदान में पिछले दो वर्षों से सफाई नहीं हुई थी। लोग वहां कचरा डालते थे। बरसात खत्म होने के समय मैदान से उठने वाली दुर्गंध लोगों को परेशान करती थी। स्थानीय लोग और कुछ वार्ड पार्षद उनसे मिले तथा सफाई कराने की मांग की। इसके बाद उन्होंने मानगो नगर निगम से मैदान की सफाई कराने को कहा। सरयू राय ने बताया कि नगर निगम ने जमीन के मालिकाना हक का मामला उठाते हुए कहा कि यह आदिवासियों की जमीन है और वे साफ-सफाई का विरोध करते हैं। इसके बाद एक अक्टूबर को उन्होंने आदिवासी नेताओं से बात की। आदिवासी नेताओं ने आशंका जताई कि मैदान की सफाई होने के बाद लोग उस पर अतिक्रमण कर लेंगे। सरयू राय ने उन्हें बताया कि मैदान की घेराबंदी के लिए डेढ़ साल पहले ही कल्याण विभाग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। मई माह में सीओ ने अपनी रिपोर्ट भेज दी है। स्वीकृति मिलते ही पूरे मैदान की घेराबंदी कराई जाएगी। उन्होंने आदिवासी नेताओं से कहा कि घेराबंदी होने के बाद अतिक्रमण कैसे होगा? आदिवासी नेताओं ने उनसे लोगों से यह आश्वासन दिलाने को कहा कि जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया जाएगा। लोगों ने आश्वासन दिया, जिसके बाद आदिवासी नेता मैदान की सफाई के लिए तैयार हो गए। मानगो नगर निगम के अपर नगर आयुक्त को अल्टीमेटम दिया कि सात दिनों के भीतर मुर्दा मैदान की सफाई कराई जाए। ऐसा नहीं होने पर आठवें दिन वे खुद सफाई कराएंगे। रविवार को नौवां दिन था, लेकिन नगर निगम ने सफाई नहीं कराई। इसके बाद सरयू राय तीन ट्रैक्टर, हाईवा और जेसीबी लेकर मैदान पहुंचे। सफाई शुरू हुई। कचरे से वाहन भर गए सरयू राय ने मानगो नगर निगम की मेयर और अपर नगर आयुक्त की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन पर किसी बात का असर नहीं होता, जूं तक नहीं रेंगती। सरयू राय ने सफाई व्यवस्था, कचरा निस्तारण और निगम के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि निगम समय पर सफाई कराता और कचरा डंप करने की जगह बता देता, तो कार्यालय के सामने कचरा गिराने की नौबत नहीं आती।

कदमा में हथियारों के साथ चार पकड़े गए

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। आदित्यपुर निवासी विक्की नंदी की हत्या की कथित साजिश का जमशेदपुर पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने कदमा थाना क्षेत्र के फार्म एरिया रोड नंबर 14 के पास छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। आरोपियों के पास से दो देसी सेमी ऑटोमेटिक पिस्तौल, 19 जिंदा गोलियां और एक स्मार्टफोन बरामद किया गया है। रविवार को सिटी एसपी ललित मीणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी पुरानी रंजिश के कारण विक्की नंदी को निशाना बनाने की कथित योजना बना रहे थे। पुलिस की समय पर कार्रवाई से संभावित वारदात को टाल दिया गया।

सिटी एसपी के अनुसार, 10 अक्टूबर की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक कदमा के फार्म एरिया रोड नंबर 14 के पास हथियारों के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना का सत्यापन करने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया। पुलिस टीम जब फार्म एरिया स्थित मैदान के पास पहुंची, तो वहां चार युवक एक साथ बैठे मिले। पुलिस को देखते ही सभी भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और गोलियां बरामद हुईं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कदमा के शास्त्रीनगर निवासी शक्ति बिमर (25), सोनारी के मरारपाड़ा निवासी धीरज पटेल उर्फ बीरी (करीब 25) और चेतन ठाकुर (करीब 21) के रूप में हुई है। इनके साथ एक विधि-विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार, शक्ति बिमर के पास से एक देसी सेमी ऑटोमेटिक पिस्तौल और छह जिंदा गोलियां, धीरज पटेल के पास से एक पिस्तौल, छह गोलियां और एक स्मार्टफोन बरामद हुआ। वहीं, चेतन ठाकुर के पास से चार और नाबालिग के पास से तीन जिंदा गोलियां मिलीं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

जयप्रकाश नारायण के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : डॉ. जटाशंकर पांडे

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर चांडिल। नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह, चांडिल में आज महान स्वतंत्रता सेनानी, समाजवादी चिंतक एवं संपूर्ण क्रांति के प्रणेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे एवं भाजपा के प्रदेश मंत्री शैलेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जयप्रकाश नारायण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी का संपूर्ण जीवन देशसेवा, त्याग, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन का प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने अपना जीवन देश की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा समाज में व्याप्त अन्याय एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष के लिए समर्पित किया। उनकी संपूर्ण क्रांति की विचारधारा आज भी युवाओं को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रेरणा देती है।उन्होंने आगे कहा कि युवाओं को जयप्रकाश नारायण जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर ईमानदारी, अनुशासन, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। 1929 में अमेरिका से भारत लौटे और महात्मा गांधी के संपर्क में आकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े।

उन्होंने वर्ष 1932 के सविनय अवज्ञा आंदोलन और 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में सक्रिय भूमिका निभाई।वर्ष 1934 में उन्होंने कांग्रेस के भीतर रहकर कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की नींव रखी।1942 में वे हजारीबाग सेंट्रल जेल से फरार होकर 'आजाद दस्ता' का गठन किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौजूद रहे प्राचार्य जयदीप पांडे, शांति राम महतो, प्रकाश महतो, भगत लाल तेली, देवाशीष मंडल,शशि प्रकाश महतो, निकिता गोराई ,लक्ष्मी महतो, बड़ी संख्या में कार्यक्रम में लोग उपस्थित रहे ।

70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता: झारखंड की अंडर-17 वुशु टीम श्रीनगर रवाना

बिभा संवाददाता

रांची: स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् के नेतृत्व में राज्य के स्कूली खिलाड़ियों की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता की शुरूआत हो गई है। इसी क्रम में 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल (एसजीएफआई) प्रतियोगिता के लिए झारखंड की पहली टीम रविवार को बरकाकाना रेलवे स्टेशन से श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) के लिए रवाना हुई।

यह 16 सदस्यीय टीम 19 से 21 अक्टूबर तक श्रीनगर में आयोजित होने वाली 70वीं एसजीएफआई राष्ट्रीय वुशु प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। दल में 9 बालक और 7 बालिका खिलाड़ी शामिल हैं, जिनके मार्गदर्शन के लिए कोच व मैनेजर के रूप में सुशील कच्छप, इंदु मुंडा, बासुदेव टोप्पो और पल्लवी साथ गए हैं। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि राज्य के प्रतिभावान स्कूली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर मंच देना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। खिलाड़ियों के आवागमन, भोजन, किट और पंजीकरण शुल्क सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं विभाग द्वारा सुनिश्चित की गई हैं, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और राज्य खेल कोषांग के सदस्यों ने खिलाड़ियों को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं।

लालपुर में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, लाखों का नुकसान

बिभा संवाददाता

रॉंची। लालपुर थाना क्षेत्र की एनआईबीएम गली स्थित एक आवासीय मकान में रविवार को भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से घर में रखा कीमती सामान, जरूरी दस्तावेज और अन्य घरेलू वस्तुएं जलकर नष्ट हो गईं। घटना में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही लालपुर थाना की पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाने के लिए अभियान चलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने का प्रयास किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और संबंधित टीम नुकसान का आकलन करने में जुटी हैं। घटना के कारण मकान में रखे सामान को भारी नुकसान पहुंचा है।

सीसीएल ने चौथे फार्च्यून लीडरशिप अवॉर्ड्स 2026 में हासिल किए तीन सम्मान

बिभा संवाददाता

रांची/नई दिल्ली: कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने नई दिल्ली स्थित होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित 'द फोर्थ फॉर्च्यून लीडरशिप अवार्ड्स 2026' में तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। कंपनी को यह सम्मान कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर), ग्रामीण विकास और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया।

समारोह में सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र को सीएसआर के क्षेत्र में उनके प्रभावी नेतृत्व और दूरदर्शिता के लिए प्रतिष्ठित 'सीएसआर लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड' से नवाजा गया। इसके साथ ही सीसीएल को 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एक्सीलेंस अवार्ड' तथा उन्नत कृषि परियोजना के लिए 'रूरल डेवलपमेंट इम्पैक्ट अवार्ड - स्मार्ट एग्रीकल्चर अवार्ड' भी प्रदान किया गया। कंपनी की ओर से यह सम्मान प्रबंधक (सीएसआर) जॉन अमित बोदरा ने ग्रहण किया।

प्रबंधन ने इस उपलब्धि को कंपनी के समावेशी और सतत विकास के संकल्प का परिणाम बताया, जो ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

संक्षिप्त खबरें

लोकतंत्र व मताधिकार की रक्षा के लिए झारखंड कांग्रेस के शीर्ष नेता दिल्ली रवाना

रांची(बिभा): मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए कथित गड़बड़ियों और नागरिकों के मताधिकार पर हो रहे हमले के विरोध में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने के लिए झारखंड कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व रविवार को दिल्ली रवाना हो गया। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के लिए रवाना हुआ। इस दल में मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, कांके विधायक सुरेश बैठा, जगन्नाथपुर विधायक सह पश्चिमी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सोनाराम सिंकू सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, मंत्री व विधायक शामिल हैं। प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर सीधा निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनावी मशीनरी का दुरुपयोग कर करोड़ों नागरिकों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश रच रही है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड के सभी जिलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर संविधान, लोकतंत्र और ₹एक व्यक्तिझ्एक वोटर₹ के बुनियादी अधिकार की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करेंगे।

चोरी के मोबाइल के साथ एक आरोपित गिरफ्तार

रांची(बिभा)। रांची के लोअर बाजार थाना पुलिस ने चोरी के मोबाइल के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित का नाम आयुष गिरि (22) बताया गया। आरोपित राजस्थान का रहने वाला है। इसके पास से चोरी का एक मोबाईल, चोरी का एक लेडिस बैग, चोरी का तीन एटीएम कार्ड बरामद किया गया है। रविवार को पुलिस अवर निरीक्षक सुधीर वाडा ने बताया कि अंजुमन अस्पताल के आस पास लागातार मोबाइल चोरी की घटना हो रही थी। चोरी के घटनाओं को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देश पर अंजुमन अस्पताल के आस पास प्रतिनियुक्त टाईगर मोबाइल, पीसीआर एवं माइक को विशेष निगरानी रखे जाने का निर्देश दिया गया था । इसी क्रम में सूचना मिली कि अंजुमन इस्लामिया अस्पताल से एक मोबाइल चोर को पकड़ा गया है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए लोअर बाजार थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके पास से चोरी के सामान बरामद किये गये।

ट्रिपल आईटी के छात्र की मौत, हॉस्टल में हंगामा

रांची(बिभा)। खेलगांव थाना क्षेत्र स्थित ट्रिपल आईटी के हॉस्टल में एक छात्र की मौत से अफरा तफरी मच गई। मृत छात्र की पहचान आदित्य के रूप में हुई है। वह बिहार के पूर्णिया का रहने वाला था। रविवार रात लगभग 11:30 बजे तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर दोस्तों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि आदित्य कमरे में मृत पड़ा है। आनन-फानन में दोस्त उसे एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही हॉस्टल में छात्रों के बीच अफरा-तफरी मच गई। छात्र की मौत से आक्रोशित विद्यार्थियों ने हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को शांत कराने में जुट गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी है। फिलहाल, आदित्य की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। छात्र ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस हॉस्टल में रहने वाले अन्य छात्रों से भी पूछताछ कर सकती है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके। घटना के बाद हॉस्टल में तनाव का माहौल बना हुआ है। रांची ट्रिपल आईटी में सुविधाओं की कमी को लेकर छात्रों का विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। छात्रों का आरोप है कि छात्र ने आत्महत्या की कोशिश की। यदि समय पर एंबुलेंस उपलब्ध होती और उसमें ऑक्सीजन की सुविधा होती, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। रांची के सदर डीएसपी संजीव बेसरा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

झारखंड में फिलहाल तापमान रहेगा स्थिर, कई इलाकों में बारिश की संभावना

रांची(बिभा)। झारखंड में फिलहाल तापमान स्थिर रहेगा। इसके बाद तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि आने वाले तीन-चार दिनों में राज्य के कुछ इलाकों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। साथ ही इस दौरान वज्रपात भी होने की संभावना है। अभिषेक आनंद ने बताया कि इस वर्ष पूरे राज्य भर में ठंड कम पड़ेगी। उन्होंने कहा कि ठंड कम पड़ने का कारण झारखंड सहित पूरे देश भर में बढ़ा हुआ अलनीनों का प्रभाव है। उल्लेखनीय है कि अलनीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक मौसमी घटना है, जिसमें मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर की सतह का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश देवघर जिले के मोहनपुर में 4.6 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई।

दुर्गा पूजा पंडाल में तैनात होंगे युवा सुरक्षा वाहिनी के 200 स्वयंसेवक

बिभा संवाददाता

रांची : युवा सुरक्षा वाहिनी की बैठक रविवार को अध्यक्ष ओम वर्मा की अध्यक्षता में हुई. जहां इस बार के दुर्गा पूजा महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर चर्चा की गई. दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सहायता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया.

बैठक में निर्णय लिया गया कि युवा सुरक्षा वाहिनी जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर पूजा पंडालों के आयोजकों के सहयोग से कार्य करेगी. संगठन के सदस्य जिला प्रशासन के सहयोगी के रूप में दुर्गा पूजा के दौरान अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे.

दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सहायता के लिए युवा सुरक्षा वाहिनी के 200 स्वयंसेवक जिला प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करेंगे. इसके तहत फिरायालाल चौक पर सहायता शिविर लगाया जाएगा. शिविर के माध्यम से श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के साथ मेडिकल कैंप भी संचालित किया जाएगा. इसके अलावा, बिछड़े हुए लोगों और बच्चों को उनके परिजनों तक पहुंचाने में मदद के लिए खोया-पाया कार्ड का वितरण भी किया जाएगा.

बैठक में मुख्य रूप से ओम वर्मा, विक्की वर्मा, सुमित लोहरा, संजय वर्मा, सागर वर्मा, अमित, अजीत, ऋतुराज शाहदेव, शिवम, सागर लहरी, रिक्की, प्रतीक कुमार, हर्ष, अमन साहू, सक्षम झा, राजेश सिंह, रोशन नायक, रोहन, शुभम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

विधानसभा अध्यक्ष से मिला प्रणामी ट्रस्ट का प्रतिनिधिमंडल

बिभा संवाददाता

रांची : प्रणामी ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल के नेतृत्व में रविवार को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) रबिंन्द्र नाथ महतो से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ देकर और शॉल ओढ़ाकर स्पीकर का सम्मान किया।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने रांची के पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी। पदाधिकारियों ने बताया कि मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां पूजा-अर्चना, धार्मिक आयोजनों और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण का कार्य किया जाता है। प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर के ऊपरी तल पर संचालित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में निराश्रित, दिव्यांग और जरूरतमंद लोगों के लिए चलाए जा रहे सेवा कार्यों से भी स्पीकर को अवगत कराया। बताया गया कि आश्रम में जरूरतमंद निराश्रितों को भोजन, चिकित्सा, देखभाल और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास किया जाता है।

ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से विधानसभा अध्यक्ष को मंदिर एवं आश्रम में पधारने का सादर आमंत्रण दिया गया। उन्होंने आमंत्रण स्वीकार करते हुए वहां आने का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल में राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, संजय सर्राफ, अरविंद अग्रवाल, दीपेश निराला, पवन पोद्दार और उमाशंकर सिंह शामिल थे।

वाइल्डलाइफ ट्रस्ट के कार्यशाला में हाथी और ग्रामीणों में बेहतर समन्वय बनाने पर जोर

रांची(बिभा)। मानव-हाथी संघर्ष को कम करने और हाथियों के साथ ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात पर वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन सोसाइटी ऑफ झारखंड और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सिल्ली प्रखंड स्थित बड़ा चांगरू गांव में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिलौंग-कालीमाटी एलीफेंट कॉरिडोर क्षेत्र में आयोजित इस कार्यशाला में स्थानीय हाथी भगाओ दल के सदस्यों और ग्रामीणों को मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति में सतर्कता बरतने और सुरक्षित तरीके अपनाने की जानकारी दी गई। साथ ही हाथी भगाओ दल और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया, ताकि हाथियों की आवाजाही के दौरान समय पर सूचना और आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इस अवसर पर सोसायटी के सचिव अभिषेक चौबे ने कहा कि हाथियों का संरक्षण और ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और आपसी सहयोग से मानव एवं वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व को बढ़ावा दिया जा सकता है।उन्होंने बताया कि हाथियों का सामना होने पर बिना उन्हें नुकसान पहुंचाए सुरक्षित दूरी बनाए रखना और उन्हें जंगल की ओर जाने का अवसर देना जरूरी है। मौके पर ग्रामीणों को हाथियों से जान-माल की रक्षा, फसलों और घरों को होने वाले नुकसान को कम करने एवं आपात स्थिति में सुरक्षित कार्रवाई के कई व्यावहारिक उपाय बताए गए। कार्यशाला में ग्रामीणों और हाथी भगाओ दल के सदस्यों ने सुरक्षा नियमों का पालन करने और मानव-हाथी संघर्ष रोकने में सहयोग करने का संकल्प लिया। कार्यशाला में सोसायटी के सदस्य पदाधिकारी सहित ग्रामीण मौजूद थे।

राजनीतिक नौटंकी छोड़ अपने बीएलए को सक्रिय करे कांग्रेसः भाजपा

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस के आंदोलन पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कांग्रेस के विरोध को ₹राजनीतिक अवसरवाद का उत्कृष्ट उदाहरण₹ बताते हुए कहा कि यह पूरा आंदोलन विरोधाभासों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य में रक्क्र प्रक्रिया को लागू करने वाले बीएलओ, बीडीओ, सीओ और डीसी जैसे तमाम अधिकारी हेमंत सोरेन सरकार के प्रशासनिक तंत्र का हिस्सा हैं, और कांग्रेस-झामुमो कार्यकर्ता भी बीएलए के रूप में इसमें शामिल हैं। ऐसे में इस प्रक्रिया पर सवाल उठाकर कांग्रेस सीधे तौर पर अपनी ही सरकार और कार्यकताओं पर अविश्वास जता रही है।

अजय साह ने स्पष्ट किया कि बीएलओ घर-घर जाकर तीन-तीन बार परिवारों से संपर्क कर रहे हैं और छूटे लोगों को फॉर्म-6 व पता बदलने के लिए फॉर्म-8 का विकल्प दिया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि वह बताए कि उसके कितने बीएलए सक्रिय हैं और कितने पात्र लोगों के आवेदन खारिज हुए? केवल सड़कों पर प्रदर्शन करने के बजाय कांग्रेस को नाम कटने के ठोस आंकड़े और सबूत जनता के सामने रखने चाहिए।

इतिहास का हवाला देते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिस दल पर सोनिया गांधी के नागरिकता मिलने से पूर्व मतदाता सूची में नाम जुड़ने और बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने के आरोप रहे हों, उसे इस मुद्दे पर नौटंकी शोभा नहीं देती। कांग्रेस को सड़क पर राजनीति करने की जगह अपने बीएलए के जरिए पात्र नागरिकों के नाम जुड़वाने में सहयोग करना चाहिए।

एसआईआर पर भाजपा के बयान पर कांग्रेस का पलटवारः जवाबदेही से भागने के बजाय पारदर्शिता पर बात करे भाजपा

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भाजपा के बयानों पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति अब सवालों के जवाब देने के बजाय सवाल उठाने वालों को बदनाम करने तक सिमट कर रह गई है। जब भी कांग्रेस मतदाता सूची की पारदर्शिता और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा की बात करती है, भाजपा जवाबदेही से बचने के लिए इसे राजनीतिक अवसरवाद और नौटंकी करार देने लगती है।

राकेश सिन्हा ने कहा कि बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) का हवाला देकर भाजपा मूल मुद्दे को दबा नहीं सकती। निर्वाचन प्रक्रिया में सरकारी तंत्र का शामिल होना इस बात की गारंटी नहीं है कि व्यवस्था पूरी तरह त्रुटिरहित है। यदि सब कुछ पारदर्शी है, तो भाजपा को शिकायतों के निपटारे और मतदाता सूची सुधार से जुड़े तथ्य सार्वजनिक करने की मांग का समर्थन करना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सोनिया गांधी और पुराने मुद्दों को घसीटकर भाजपा वर्तमान समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। सिर्फ फॉर्म-6 और फॉर्म-8 का जिक्र करना काफी नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि पात्र मतदाताओं के आवेदन समय पर निपटाए जाएं और किसी का नाम गलत तरीके से न कटे। कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों और निष्पक्ष मतदाता सूची की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाती रहेगी।

महाराष्ट्र में झारखंड के प्रवासी मजदूरों के हित और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के मूल स्वरूप की बहाली को लेकर देवेंद्र नाथ महतो ने महाराष्ट्र के मंत्री को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

मुंबई/रांचीः झारखंड के युवा आंदोलनकारी व जेएलकेएम (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने अपने मुंबई प्रवास के दौरान महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप बाबूराव सरनाईक से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र में रह रहे झारखंड के प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं के समाधान तथा राज्य में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं के मूल ऐतिहासिक स्वरूप को बहाल करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। बैठक में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को भगवान बिरसा मुंडा और छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रतीक चिह्न भेंट किए।

इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2026 में शामिल होने पहुंचे देवेंद्र नाथ महतो ने मुंबई और आसपास के इलाकों में प्रवासी श्रमिकों से संवाद के बाद यह पहल की। उन्होंने मंत्री को अवगत कराया कि मुंबई, ठाणे और पालघर सहित पूरे महाराष्ट्र में झारखंड के करीब 10 लाख मजदूर कार्यरत हैं।

श्रमिकों की सहूलियत के लिए उन्होंने धनबाद से मुंबई के बीच प्रतिदिन विशेष ट्रेन चलाने की अनुशंसा करने, मुंबई में 'झारखंड भवन' की स्थापना करने और दोनों राज्यों के समन्वय से 'प्रवासी मजदूर कल्याण आयोग' गठित करने की मांग रखी। इसके साथ ही उन्होंने श्रमिकों को समय पर मजदूरी, आवास, स्वास्थ्य बीमा, कानूनी मदद और हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं मुहैया कराने पर जोर दिया।

देवेंद्र नाथ महतो ने ज्ञापन में महाराष्ट्र में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं के स्वरूप पर भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर उलगुलान के महानायक बिरसा मुंडा के हाथों से तीर-धनुष और मशाल हटाकर उन्हें तारपा वाद्य यंत्र बजाते हुए दिखाया गया है, जो उनके ऐतिहासिक स्वरूप से छेड़छाड़ है। उन्होंने मांग की कि भगवान बिरसा मुंडा के वास्तविक और ऐतिहासिक क्रांतिकारी स्वरूप को ही प्रतिमाओं में स्थापित किया जाए।

आईसीआईसीआई बैंक के कैंपस प्लेसमेंट में एसबीयू के 29 विद्यार्थियों का चयन

बिभा संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू), रांची में रविवार को आईसीआईसीआई बैंक के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के 29 विद्यार्थियों का चयन रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर हुआ है।

चयनित विद्यार्थियों को अधिकतम 5.50 लाख रुपये वार्षिक सीटीसी का अवसर मिलेगा। एसबीयू की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट विभाग की ओर से वर्ष 2027 में उत्तीर्ण होने वाले बीबीए, बीकॉम, बीसीए एवं बीए के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस ड्राइव में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। एप्टीट्यूड टेस्ट के बाद 86 विद्यार्थी साक्षात्कार के लिए चयनित हुए। साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी होने के बाद 29 विद्यार्थियों का अंतिम चयन किया गया।

मौके पर बताया गया कि वर्ष 2026 के प्लेसमेंट अभियान में भी ईवाई, टीसीएस, डेलॉइट, गोदरेज, आईटीसी होटल्स, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और डीमार्ट सहित कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया था।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रोफेसर गोपाल पाठक, कुलपति प्रोफेसर सी जगनाथन तथा राज्यसभा सांसद सह निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

ईएसएल स्टील प्लांट में गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत

सुरक्षा में लापरवाही का आरोप, पंचायत समिति सदस्य ने प्रबंधन को ठहराया जिम्मेदार

बिभा संवाददाता

बोकारो। वेदांता समूह की ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्लांट परिसर में गैस की चपेट में आने से दो श्रमिकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान हजारीबाग निवासी सोहन महतो और धनबाद निवासी समीर अंसारी के रूप में हुई है। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। गैस के संपर्क में आने के बाद दोनों श्रमिकों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। कंपनी के अनुसार, मृतकों में एक उसका कर्मचारी था, जबकि दूसरा बिजनेस पार्टनर के यहां कार्यरत श्रमिक था। घटना पर कंपनी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। साथ ही पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिया है। कंपनी ने हादसे की स्वतंत्र जांच कराने और उसके निष्कर्षों के आधार पर उचित कदम उठाने की बात कही है।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीओ रवीश कुमार से संबंधित विभाग के एचओडी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और जवाबदेही तय करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्लांट परिसर में बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं की गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

पंचायत समिति सदस्य रफीक आलम अंसारी ने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्लांट में शटडाउन के दौरान कामकाज के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है, जिसका खामियाजा मजदूरों और स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शटडाउन के दौरान बेयरिंग बदलने के बजाय पुरानी बेयरिंग की मरम्मत कर दोबारा इस्तेमाल की जाती है। उनके मुताबिक, बेयरिंग बदलने की मांग करने पर संबंधित एचओडी द्वारा पंचिंग लॉक करने की धमकी भी दी जाती है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में कंपनी प्रबंधन का पक्ष सामने नहीं आया है।

जेएलकेएम नेता अर्जुन रजवार ने हादसे के लिए कंपनी प्रबंधन की कथित सुरक्षा लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने झारखंड सरकार और बोकारो के उपायुक्त से मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्लांट में सुरक्षा मानकों की जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

जोधाडीह मोड़ पर हाइड्रा की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत, सड़क जाम

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास थाना क्षेत्र के जोधाडीह मोड़ स्थित राष्ट्रीय उच्च पथ-32 पर हाइड्रा की चपेट में आने से साइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बारपोखर गांव निवासी सुंदर लाल महतो के रूप में हुई है। वह गांव-गांव घूमकर मुड़ी बेचने का काम करता था।

जानकारी के अनुसार, सुंदर लाल महतो मुड़ी बेचकर साइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान जोधाडीह मोड़ के पास वह हाइड्रा की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और आक्रोशित होकर सड़क जाम कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। हालांकि, स्थानीय लोग मृतक के परिजनों के पहुंचने के बाद ही आगे का निर्णय लेने की बात कह रहे थे।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने जोधाडीह मोड़ पर यातायात व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि यह व्यस्त चौक है, इसके बावजूद यहां ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु नहीं है। आरोप लगाया कि यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के बजाय ट्रैफिक पुलिस चालान काटने और जुमार्ना वसूलने पर अधिक ध्यान देती है। लोगों ने चौक पर यातायात व्यवस्था में सुधार की मांग की।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर बोकारो में सत्याग्रह

बिभा संवाददाता

बोकारो। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर रविवार को बोकारो जिला सर्वोदय मंडल एवं बोकारो कर्मचारी पंचायत (एचएमएस) के संयुक्त बैनर तले सेक्टर-4 स्थित गांधी चौक पर एक दिवसीय सत्याग्रह का आयोजन किया गया। सत्याग्रह के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तथा लोकतंत्र की रक्षा की मांग उठाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वोदय मंडल के जिलाध्यक्ष अदीप कुमार ने की, जबकि संचालन जिला सचिव महावीर कुमार ने किया। सत्याग्रह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कथित वोट चोरी के मुद्दे पर देशभर में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन चलाया जा रहा है। वक्ताओं ने आंदोलन का समर्थन करते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के साथ उनकी गिरफ्तारी और उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बोकारो कर्मचारी पंचायत के महामंत्री रमाकांत वर्मा, मनोज भारतीय, हरेंद्र मिश्रा, जीवन जगन्नाथ, दिनेश आजाद, उमेश ऋषि, सुबोध सिंह पवार, अफजल अनीश, राजेश कुमार, महावीर महतो, गुरुदयाल महतो, पुण्यानंद दास, बंशीलाल साह, शंकर महतो, अनिल कुमार, सत्यनारायण राय, जयप्रकाश यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गोपाल चंद्र मुंशी अध्यक्ष और प्रणव मित्रा सचिव चुने गए

बोकारो(बिभा)। श्री रामकृष्ण विवेकानंद संघ, सेक्टर-1/बी, बोकारो स्टील सिटी की वार्षिक आम बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से एक बार फिर श्री गोपाल चंद्र मुंशी को संघ का अध्यक्ष तथा श्री प्रणव मित्रा को सचिव चुना गया। इस अवसर पर रांची रामकृष्ण मिशन के सचिव एवं बिहार-झारखंड रामकृष्ण विवेकानंद भाव प्रचार परिषद के उपाध्यक्ष श्रीमत स्वामी सत्संगानंदजी महाराज तथा परिषद के कन्वेनर श्री सुकुमार मुखर्जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संघ के सदस्यों ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का पुनः चयन संगठन में उनके प्रति सदस्यों के विश्वास और सहयोग को दशार्ता है। कार्यक्रम में संघ के सदस्यों की सहभागिता रही।

स्टेशन रोड तुपकाडीह दुगार्धाम में प्रथम दिन मां शैलपुत्री का पट खुला, हुई पूजा अर्चना

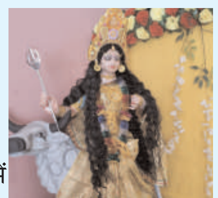

बोकारो(बिभा)। नवरात्र के पहले दिन तुपकाडीह स्टेशन रोड स्थित दुगार्धाम मंदिर में भगवती के प्रथम रूप मां शैलपुत्री का पट खोलकर विधिवत पूजा अर्चना की गई। पुरोहित विजय पांडेय और विकास पांडेय ने सप्तसती का पाठ करने के बाद हुए आरती में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बताते चलें कि इस मंदिर में मां गौरी के साथ साथ सरस्वती , लक्ष्मी , कार्तिकेय और गणेश की संगमरमरी प्रतिमा वर्ष 2003 से स्थापित है। विगत कई वर्षों से देवी की मिट्टी से बनी अलग अलग प्रतिमाएं लगा कर तथा रोज एक मूर्ति का पट खोलकर नवरात्र मनाया जाता है। इन प्रतिमाओं को देखने के लिए दूर दूर से लोग आते हैं। कमिटी के अध्यक्ष राजू महतो ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना वर्ष 1983 में हुई है। पहले यहां बलि पूजा होती थी जिसे ग्रामीणों के मांग पर वैष्णवी कर दिया गया। मेनरोड से रेलवे स्टेशन तक रोड के दोनों ओर लाइट , गेट सजाने के काम किया जा रहा है।

नवरात्रि पर मिथिला महिला समिति ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ की मां दुर्गा की आराधना

बोकारो(बिभा): प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति द्वारा नवरात्रि के अवसर पर परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 4 के विद्यापति सभागार में शनिवार की शाम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मां दुर्गा की आराधना की गई। इस अवसर पर मिथिला महिला समिति की ओर से मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल को 50 लीटर पानी की क्षमता वाला दो वाटर फिल्टर डोनेट किया गया। समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, नमीता झा, सीमा झा, रुबी ठाकुर, रंजना भगत, जयंती पाठक, बीना झा, आशा झा, बीनू चौधरी, पूनम झा, रितु मिश्रा, अलका झा, रुचि प्रेरणा, विनीता राय, बबीता झा, प्रेरणा ओझा, सुशीला यादव, उषा, राज कुमारी झा आदि ने मां दुर्गा की आरती की व भगवती वंदना जय जय भैरवि असुर भयाउनि पशुपति भामिनी माया.., जगदंब अहीं अवलंब हमर हे माय अहां बिनु आस ककर.. आदि भक्ति गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। समिति की सदस्याओं ने मिथिला का पारंपरिक झिझिया नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति के बाद गुजराती डांडिया नृत्य की भी सुंदर प्रस्तुति की। किरण मिश्रा, आशा झा, रंजना, पूनम, नमिता ने भक्ति गीत व बीनू चौधरी, बबीता झा, रुचि प्रेरणा व बिनीता राय ने मनोहारी नृत्य प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित किया। अध्यक्ष पूनम मिश्रा ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा समय-समय पर मिथिला की कला-संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों के अलावा समाज सेवा से जुड़े कार्य भी किए जाते हैं।

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू, मां शैलपुत्री की पूजा में उमड़े श्रद्धालु

बोकारो(बिभा)। बोकारो में रविवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र की शुरूआत हो गई। नवरात्र के पहले दिन प्रतिपदा तिथि पर मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। शहर के विभिन्न मंदिरों और दुर्गा पूजा पंडालों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। माता के जयकारों और ढोल-नगाड़ों से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु उपवास रखकर मां दुर्गा की आराधना में जुटे हैं। सेक्टर-1, सेक्टर-2, सेक्टर-4, सिटी सेंटर, सेक्टर-9 बी रोड, वैशाली फील्ड, आलोक मैदान और सेक्टर-12 सहित चास के विभिन्न पूजा पंडालों एवं मंदिरों में कलश स्थापना के साथ नौ दिवसीय पूजा शुरू हुई। पूजा समितियों की ओर से पंडालों को भव्य रूप देने की तैयारी भी अंतिम चरण में है। बंगाल से आए कारीगर पंडालों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

नगेन मोड़ पर मौत बनकर दौड़ा ट्रेलर, चाय पी रहे दो लोगों की मौत, चार घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो-पुरुलिया मुख्य मार्ग स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-32 पर पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के नगेन मोड़ के पास रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा के निकट एक अनियंत्रित ट्रेलर सड़क किनारे स्थित दुकानों में जा घुसा। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला समेत चार लोगों के घायल होने की शुरूआती जानकारी सामने आई है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो दुकानें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय कुछ लोग दुकान में बैठकर चाय पी रहे थे। इसी दौरान पिंड्राजोरा की ओर से पश्चिम बंगाल जा रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर दुकानों में घुस गया। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुकान के मलबे में लोग दब गए। इसके बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

हादसे में सरदाहा गांव निवासी गुई राम ओझा और शीदाम घटवाल की मौत हो गई। वहीं, एक महिला समेत चार लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दो घायलों को अपने वाहन से अस्पताल पहुंचाया, जबकि अन्य को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल ले जाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही पिंड्राजोरा थाना प्रभारी रवि कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य कराया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने सड़क जाम कर दिया, जिससे बोकारो-पुरुलिया मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ। मृतकों के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पिंड्राजोरा थाना प्रभारी रवि कुमार के अनुसार, हादसे में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

पोलकिरि पंचायत के छिपाबाद में जेएलकेएम की बैठक, संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी : जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव सह चंदनकियारी विधानसभा के पूर्व पार्टी प्रत्याशी अर्जुन रजवार के नेतृत्व में पोलकिरि पंचायत के ग्राम छिपाबाद में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार पर विस्तार से चर्चा हुई।

जहां वक्ताओं ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को जेएलकेएम से जोड़ना होगा। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, युवा और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। मौके पर पर अंबुज राय, जाकिर अंसारी, दिलीप ठाकुर, शिवपूजन महतो, रंजीत राय, मनभुल राय, किता राय, चण्डी राय, कार्तिक राय, दिलीप राय, लालू रजवार, भैरव रजवार, पटल रजवार, राखी देवी, अचला देवी, प्रमिला देवी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बैठक में उपस्थित लोगों ने पार्टी सुप्रीमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो के विचारों और झारखंड के हक-अधिकार की लड़ाई को गांव-गांव तक ले जाने का संकल्प लिया। इस दौरान विभिन्न गावों के सैकड़ों महिला व पुरुषों ने जेएलकेएम का दामन थामा।

छह प्रस्तावित पंचायतों के गठन की मांग को लेकर बेलडीह और गंझूडीह में बैठक

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के उत्तरी क्षेत्र में प्रस्तावित छह पंचायतों के गठन की मांग को लेकर पंचायत निर्माण समिति की ओर से रविवार को ग्राम बेलडीह और गंझूडीह में बैठक सह जागरूकता अभियान चलाया गया। बैठकों में पंचायतों के निर्माण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

ग्राम बेलडीह में आयोजित बैठक की अध्यक्षता गिरिधारी सिंह ने की, जबकि संचालन सृष्टिधर ने किया। वहीं, गंझूडीह में हुई बैठक की अध्यक्षता छत्रु सिंह और संचालन गणेश चंद्र डे ने किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित पंचायतों का गठन क्षेत्र के विकास और स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण है। इसके लिए जरूरत पड़ने पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करने की बात कही गई।

बैठक में पंचायत निर्माण की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करने के साथ आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। मांग को लेकर राजभवन या विधानसभा का घेराव करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके अलावा नक्शा और खतियान सुरक्षित रखने, प्रस्तावित पंचायतों के गठन से जुड़ी समस्याओं तथा आंदोलन को प्रभावी बनाने के उपायों पर विचार किया गया।

समिति की ओर से स्थानीय सांसद से मुलाकात कर क्षेत्र की स्थिति और पंचायत गठन की मांग से अवगत कराने पर भी चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित लोगों ने इस मांग को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया।

बैठक में संतोष मुर्मू, संतोष सिंह, विनोद राय, इस्तियाक अंसारी, गुलाम अंसारी, फुलेवर मांझी, वंशीधर सिंह, बुधु सिंह, टेकलाल सिंह, कोकिल सिंह, राम पद सिंह, रमेश सिंह, जानकी सिंह, दिनेश सिंह, राजकुमार, जेठ सिंह, नीलकमल सिंह, बाबूलाल सिंह, मूचीराम सिंह, खेलू सिंह, भूखल कर्मकार, अजय सिंह, शंकर सोरेन, सुभाष सिंह, बलेश्वर हेम्ब्रम और प्रतिम सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राज्यस्तरीय गीता पाठ प्रतियोगिता में 72 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय मिशन बोकारो की ओर से रविवार, 11 अक्टूबर को चिन्मय विद्यालय बोकारो में राज्यस्तरीय गीता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड के विभिन्न शहरों से चयनित 72 विद्यार्थियों ने श्रीमद्भगवद्गीता के 12वें अध्याय ह्यभक्ति योगह्व का सस्वर पाठ कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो सेल रिफ्रैक्ट्री यूनिट के कार्यकारी निदेशक पीके रथ एवं ईती रथ उपस्थित रहे। मौके पर चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव हरिहर राउत, विद्यालय के कोषाध्यक्ष आरएन मलिक, पूर्व प्राचार्य अशोक झा, प्रभारी प्राचार्य नरेंद्र कुमार, उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा तथा राज्य समन्वयक संजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता मनुष्य को जीवन के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देती है। जीवन में भक्ति का विशेष महत्व है और भक्ति के माध्यम से व्यक्ति अपने कार्यों को बेहतर ढंग से कर सकता है। उन्होंने बताया कि परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने वर्ष 1953 में चिन्मय मिशन की स्थापना गीता के ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की थी। प्रतियोगिता इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

प्रतियोगिता में शामिल होने वाले विद्यार्थियों का चयन पहले विद्यालय स्तर और फिर शहर स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के माध्यम से किया गया था। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में बोकारो के अलावा रांची, जमशेदपुर समेत झारखंड के विभिन्न शहरों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। निर्णायक मंडली ने विद्यार्थियों के पाठ, उच्चारण और प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।

विभिन्न समूहों में विजेताओं की घोषणा की गई। ग्रुप-ए में चास के एसवीएन पब्लिक स्कूल, बंसीडीह की नव्या झा ने प्रथम, डीपीएस सेल टाउनशिप की गरिमा टंडन ने द्वितीय और केपीएस गम्हरिया की आंशी पंडित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप-बी में विद्या भारती चिन्मय विद्यालय, टेलको की दृष्टि मंडल प्रथम, चिन्मय विद्यालय बोकारो के वंश राज द्वितीय और जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली की अनुबा आनंद तृतीय स्थान पर रहीं।

ग्रुप-सी में क्रीसेंट पब्लिक स्कूल, चास के सायन ने प्रथम, श्रेयसी ने द्वितीय और चिन्मय विद्यालय बोकारो के अद्विक वर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। ग्रुप-डी में विद्या भारती चिन्मय विद्यालय, टेलको की शताब्दी विश्वास प्रथम, डीपीएस बोकारो की राविका झा द्वितीय और विवेक विद्यालय के इपिल मुर्मू तृतीय स्थान पर रहे।

ग्रुप-ई में चिन्मय विद्यालय बोकारो की ज्ञाना श्री प्रथम, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, रांची के सौमिक चटर्जी द्वितीय और विद्या भारती चिन्मय विद्यालय, टेलको के मंत्रम मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, ग्रुप-एफ में विद्या भारती चिन्मय विद्यालय, टेलको की अजेता श्री कनौजिया ने प्रथम, केपीएस कदमा की सृष्टि मिश्रा ने द्वितीय और विद्या भारती चिन्मय विद्यालय, टेलको की जिज्ञांशा साहु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि पीके रथ ने सफल आयोजन के लिए आयोजकों और प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता का नियमित अध्ययन व्यक्ति के ज्ञान और विचारों को समृद्ध करता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में चिन्मय मिशन बोकारो, चिन्मय विद्यालय बोकारो और चिन्मय ट्रांसफॉर्मेशन सर्किल के विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जेपी के विचार आज भी प्रासंगिक: बहादुर सिंह यादव

बोकारो। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से रविवार को बाघरायबेड़ा में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाई गई। झारखंड प्रदेश राजद महासचिव बहादुर सिंह यादव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बहादुर सिंह यादव ने कहा कि जेपी ने 1974 में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कुशासन के खिलाफ संपूर्ण क्रांति का आंदोलन शुरू किया था। आज भी उनके विचार प्रासंगिक हैं। युवा राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष अरशद अली ने कहा कि जेपी ने जीवनभर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, मानवीय गरिमा और लोककल्याण को प्राथमिकता दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामलाल राम ने की। मौके पर धनजी सिंह यादव, विजय सिंह यादव, वशिष्ठ यादव, हरिशंकर सिंह, सुरेंद्र चौधरी, दिनेश कुमार सिंह, वसीर अंसारी, अबूल खैर, वीरेंद्र रजक, जितेंद्र सिंह और हाजी हसन इमाम सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, आकर्षक झांकियों ने मोहा मन

अग्रसेन भवन से शुरू होकर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरी शोभायात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत-अभिनंदन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। मारवाड़ी अग्रवाल समाज की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर रविवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ अग्रसेन भवन से हुआ, जो शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरते हुए पुनः अग्रसेन भवन पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में सबसे आगे ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच श्रद्धालु चल रहे थे, जबकि बीच मे महाराजा अग्रसेन जी की तस्वीर आकर्षण का केंद्र बनी रही। शोभायात्रा में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महाराजा अग्रसेन के जयकारे लगाए। मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाज के लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान प्रस्तुत आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। श्री रामलला के दरबार की झांकी तथा देश की प्रगति में अग्रवाल समाज के योगदान को दर्शाती झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। जयंती समारोह के तहत पूर्वाह्न 10:30 बजे महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण किया गया। वहीं, पूर्वाह्न 11 बजे समाज के बुजुर्ग अभिभावकों को सम्मानित कर उनके प्रति आदर व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 5:30 बजे सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए ह्यरन फॉर नेशनह्न मैराथन का आयोजन भी किया गया। वहीं, शाम में समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण निर्धारित किया गया। सीए विनीत अग्रवाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के आदर्श, सेवा भावना और सामाजिक समानता का सिद्धांत आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन के विचारों को आत्मसात कर जरूरतमंदों की सेवा, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूरे आयोजन के दौरान समाज के लोगों में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। यह जानकारी समाज के मीडिया प्रभारी अभिषेक चौधरी अग्रवाल ने दिया।

नाबालिग से यौन शोषण के आरोप में कोडरमा के सिविल सर्जन गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

कोडरमा। नाबालिग से कथित यौन शोषण के गंभीर मामले में कोडरमा के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने शनिवार की देर रात उन्हें उरवां स्थित फार्म हाउस से हिरासत में लिया था। कई घंटों की पूछताछ और मेडिकल जांच की प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया। मामले में आरोप लगाने वाली आदिवासी किशोरी हजारीबाग जिले की रहने वाली बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, किशोरी इलाज के सिलसिले में सिविल सर्जन के संपर्क में आई थी। आरोप है कि इसी दौरान उसे अपने प्रभाव में लेकर उसका यौन शोषण किया गया।

पीड़िता की शिकायत के आधार पर कोडरमा महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। महिला थाना की प्रारंभिक जांच के बाद मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गई। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार देर रात डॉ. अनिल कुमार को हिरासत में लिया। उनसे मामले को लेकर कई घंटे तक पूछताछ की गई।

सदर अस्पताल में मेडिकल जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रविवार को आरोपित सिविल सर्जन को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। कोडरमा के पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने बताया कि मामले की प्रारंभिक जांच और पूछताछ के बाद सिविल सर्जन को गिरफ्तार किया गया है। घटना सामने आने के बाद जिले के स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक महकमे में हलचल है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर, गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने के दौरान डॉ अनिल कुछ भी बोलने से बचते रहे। पत्रकारों के पूछे जाने पर भी उन्होंने मामले में कुछ नहीं कहा।

संक्षिप्त खबरें

नए कलेवर में खुला ज्योति बुटीक

रामगढ़(बिभा): मेन रोड स्थित प्रतिष्ठित 'ज्योति बुटीक' का नवीनीकरण के बाद रविवार को भव्य री-ओपनिंग हुआ। वर्ष 2007 से शहरवासियों की पहली पसंद रहे इस प्रतिष्ठान को अब आकर्षक इंटीरियर और आधुनिक साज-सज्जा के साथ पूरी तरह नया रूप दिया गया है। प्रतिष्ठान की संचालिका ज्योति पटवारी ने बताया कि ग्राहकों को बेहतर और सुविधाजनक शॉपिंग अनुभव देना ही इस नवीनीकरण का मुख्य उद्देश्य है। यहां एक ही छत के नीचे महिलाओं के लिए पारंपरिक व आधुनिक फैशन का विस्तृत कलेक्शन मौजूद है, जिसमें एथनिक वियर, डिजाइनर साड़ियां, सूट, लहंगे, फैशन एक्सेसरीज और मनपसंद फिटिंग के लिए कस्टम स्टिचिंग की विशेष सुविधा शामिल है। री-ओपनिंग के मौके पर ग्राहकों ने नए स्वरूप का स्वागत करते हुए जमकर खरीदारी की और शुभकामनाएं दीं। ग्राहकों का कहना है कि वाजिब दाम और बेहतरीन कलेक्शन की वजह से कोलकाता और पटना जैसे बड़े शहरों में रहने वाले उनके रिश्तेदार भी यहां के परिधान खूब पसंद करते हैं।

बीसीसीएल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: 11 महाप्रबंधकों का तबादला, कई एरिया को मिले नए जीएम

धनबाद(बिभा): भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) प्रबंधन ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए माइनिंग कैडर के 11 महाप्रबंधकों (जीएम) का तबादला कर दिया है। जारी आदेश के तहत कंपनी के कई प्रमुख क्षेत्रों और मुख्यालय स्तर पर अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। प्रशासनिक फेरबदल के तहत किशोर कुमार सिंह को बरोरा से गोविंदपुर एरिया, निर्झर चक्रवर्ती को सिजुआ से बरोरा एरिया, जबकि सत्यकाम आनंद को गोविंदपुर से जेआरडीए में निदेशक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) बनाया गया है। वहीं विष्णु कांत झा कतरास से सिजुआ एरिया, मणिकांत पांडे कतरास एरिया के नए जीएम, जयंत कुमार दास पीबी एरिया से ईस्टर्न झरिया और दीपक कुमार सिंह गोविंदपुर से पीबी एरिया भेजे गए हैं। इसके अलावा बस्ताकोला एरिया के जीएम एस. के. गायकवाड़ को मुख्यालय में जीएम (कोऑर्डिनेशन), अरिंदम मुस्तफी को मुख्यालय से बस्ताकोला एरिया का जीएम, टुनेश्वर पासवान को ईस्टर्न झरिया से मुख्यालय के आरएंडडी एवं जियोलॉजी विभाग में और काजल सरकार को कुसुंडा से सीवी एरिया में अतिरिक्त महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दो घायल

पलामू(बिभा)। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के पांकी-मेदिनीनगर मुख्य पथ स्थित बसौरा में रविवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जख्मी को इलाज के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के मुंदरिया गांव के रहने वाले तीन युवक अपाची बाइक से कपड़ा खरीदने लेस्लीगंज बाजार आ रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया। दुर्घटना में कुश सिंह, राकेश सिंह, गोलू सिंह घायल हो गए। इसी दौरान पांकी के पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ बिट्टू सिंह वहां से गुजर रहे थे। हादसा देखकर उन्होंने अपना वाहन रोका और एंबुलेंस से घायलों को मेदिनीनगर एमएमसीएच भेजने में मदद की। इलाज के दौरान गोलू सिंह, पिता सत्येंद्र सिंह को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही लेस्लीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार अज्ञात वाहन का पता लगाने में जुटी है। घटना के बाद दशहरा की खुशियां मातम में बदल गई है।

जरूरतमंद लोगों में जीवन वाटिका ने बांटे कपड़े और फल

रामगढ़(बिभा)। जरूरतमंदों की मदद ही सच्ची समाजसेवा है। इसी भावना के साथ जीवन वाटिका स्वयंसेवी संस्था विद्यानगर की ओर से रविवार को ओंकार मिशन अनाथ आश्रम में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आश्रम में रह रहे अनाथ बच्चों, असहाय महिलाओं और बेसहारा बुजुर्गों के बीच गर्म कपड़े, चादर, जैकेट सहित अन्य वस्त्र वितरित किए गए। साथ ही केला, सेब जैसे मौसमी फल और बिस्कुट के पैकेट भी सौंपे गए। संस्था के संरक्षक ओपी शर्मा ने बताया कि जीवन वाटिका कई वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। जरूरतमंदों की सहायता के साथ संस्था निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने, निर्धन विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने, पौधारोपण करने तथा राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता रैलियां निकालने जैसे कार्य करती रही है। सेवा कार्यक्रम में विद्यानगर के निवासियों ने सक्रिय सहयोग दिया। संस्था ने सहयोग के लिए आर प्रसाद, सरयू प्रसाद, सुरेश प्रसाद, अवनी साव, केके सिंह, अजय सिन्हा, मुस्कान, श्रुति, विभाष घोष, उमेश प्रसाद यादव एवं विजय साव सहित सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया।

लोहरदगा में धूमधाम से निकली महाराजाधिराज भगवान अग्रसेन की शोभायात्रा

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। अग्रवाल सभा, अग्रवाल महिला समिति व अग्रवाल यूथ सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को अग्रसेन जयंती की सुबह स्थानीय अग्रसेन धर्मशाला परिसर से महाराजाधिराज भगवान अग्रसेन की धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। सुसज्जित रथ में विराजमान महाराजा अग्रसेन की सुंदर झांकी के साथ निकली शोभायात्रा की आगे चलने वाली अग्र समाज के 18 गोत्र के प्रतीक स्वरूप पताका लहराते हुए शोभायात्रा की शोभा और भी बढ़ा रही थी। अग्र समाज के संस्थापक अग्रसेन महाराज की 5150 वीं जयंती को लेकर सुबह से ही अग्रसेन भवन में गहमागहमी का माहौल था। सुबह से ही अग्रवाल समाज के लोगों का यहां पहुंचना शुरू हो गया था।शोभायात्रा के साथ ही वाहनों पर महाराज अग्रसेन के भजन बजते रहे। इनकी धुन से शहर गूंजता रहा। अग्रसेन भवन परिसर में सबसे पहले झंडोत्तोलन कर इसकी शुरूआत किया गया। इसके बाद ढोल नगाड़ों के साथ महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा निकाली गई। महाराजा अग्रसेन की शोभा यात्रा अग्रसेन भवन से शुरू होकर राणा चौक, तिवारी दुरा, हटिया गार्डन, तेतरतर चंद्रशेखर आजाद चौक, गुदरी बाजार, अपर बाजार, महावीर चौक, ईस्ट गोला रोड, बरवाटोली, मिशन चौक होते हुए पुन अग्रसेन भवन पहुंचा। शोभा यात्रा के दौरान अग्रवाल सभा की महिलाएं, पुरुष, युवाओं, युवतियों और बच्चों ने महाराजा अग्रसेन पर आधारित कई नारे लगाएं। महाराजा अग्रसेन की जय, कुलदेवी माता महालक्ष्मी की जय, एक रुपया एक ईंट, अग्रवाल समाज अमर रहे, जय अग्रोहा जय अग्रसेन, भारत का सपूत कैसा हो, महाराजा अग्रसेन जैसा हो इत्यादि नारे लगाए। हाथों में तलवार लिए महिलाएं व युवतियां शोभायात्रा के आगे आगे चल रही थी। इधर अग्रसेन भवन में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के साथ महाआरती की गई और प्रसाद का वितरण किया गया। शोभा यात्रा की अगुवाई अग्रवाल सभा के वरिष्ठ लोग कर रहे थे।

छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिवार में मातम

बिभा संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के नोवामुंडी थाना क्षेत्र के फूलबगान में शनिवार रात आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा कल्पना पान की (१६) संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह कल्लू पान उर्फ विजय की पुत्री थी और पद्मावती शिशु विद्या मंदिर में पढ़ाई कर रही थी। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। छात्रा की मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

परिजनों के मुताबिक कल्पना के माता-पिता दूसरे टोले में आयोजित एक दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। रात करीब आठ बजे जब वे घर लौटे, तो घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद परिजनों ने दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया।

अंदर कल्पना अचेत अवस्था में मिली। आनन-फानन में उसे टाटा अस्पताल, नोवामुंडी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि हाल ही में विद्यालय में परीक्षा परिणाम वितरण के लिए अभिभावकों को बुलाया गया था। कल्पना का परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं आने पर विद्यालय की ओर से उसमें सुधार की बात कही गई थी। परिजनों के अनुसार, परीक्षा परिणाम को लेकर घर में कल्पना को डांट भी पड़ी थी। इसके बाद उसके माता-पिता दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दूसरे टोले चले गए थे। हालांकि, परीक्षा परिणाम को लेकर हुई डांट और छात्रा की मौत के बीच किसी तरह के संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जयकारों से गूंजा वैष्णो देवी मंदिर, कलश स्थापना के साथ नवरात्र शुरू

बिभा संवाददाता

रामगढ़। शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में रविवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र का नौ दिवसीय अनुष्ठान शुरू हुआ। नवरात्र के पहले दिन सुबह पांच बजे से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। माता रानी के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुजारी पंडित लीलाधर शर्मा ने नवरात्र पूजन के यजमान मोहित धमीजा और उनकी पत्नी चांदनी धमीजा से विधिवत कलश स्थापना कराई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना शुरू हुई। नौ दिवसीय अनुष्ठान को लेकर मंदिर और परिसर को फूलों और आकर्षक विद्युत सज्जा की गई। मंदिर की साज-सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पंजाबी हिंदू बिरादरी के तत्वावधान में माता वैष्णो देवी मंदिर ट्रस्ट की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। नवरात्र के दौरान भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए ट्रस्ट के सदस्य सक्रिय हैं।

नवरात्र महोत्सव के तहत 17 अक्टूबर को माता की चौकी और 19 अक्टूबर को भंडारा आयोजित किया जाएगा। इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पंजाबी हिंदू बिरादरी और मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरत चन्द्र वासुदेव, महासचिव महेश मारवाह सहित बिरादरी के सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हैं। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

हजारीबाग यूथ विंग ने पुष्पवर्षा कर किया महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा का स्वागत

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : महाराजा अग्रसेन जयंती के शुभ अवसर पर मारवाड़ी अग्रवाल समाज की ओर से रविवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का स्वागत हजारीबाग यूथ विंग की ओर से महेश सोनी चौक के समीप उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान लोगों के बीच पेयजल और जूस का वितरण किया गया। साथ ही मारवाड़ी अग्रवाल समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों को अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। मारवाड़ी अग्रवाल समाज ने हजारीबाग यूथ विंग के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज को एकता, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जनसेवा के कार्यों में आगे आना चाहिए। हजारीबाग यूथ विंग इसी भावना के साथ निरंतर समाज और धर्म की सेवा करती रहेगी। वहीं संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग की स्थापना का मुख्य उद्देश्य समाजसेवा और धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभाना है। महाराजा अग्रसेन जयंती जैसे पावन अवसर पर सेवा करने का मौका मिलना संस्था के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संस्था सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में और भी व्यापक स्तर पर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम में संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव रितेश खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष विकास तिवारी,मार्गदर्शक जय प्रकाश खण्डेलवाल एवं विकास केशरी, कार्यकारिणी सदस्य रोहित बजाज, राजेश जैन,गौरव कुमार सहित कई सदस्य उपस्थित थे। हजारीबाग यूथ विंग ने समाज और धर्म की सेवा के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

वृद्ध सम्मान, समाज का अभिमान विषय पर बच्चों ने प्रस्तुत किया नाटक

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ में नारनौलिया अग्रवाल संघ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को श्रद्धा, संस्कार और सामाजिक सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना से हुई।

संघ के अध्यक्ष रंजन अग्रवाल सपत्नीक मुख्य यजमान के रूप में पूजा में शामिल हुए। पूजा कार्यक्रम की संयोजक संध्या अग्रवाल एवं वीणा अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महोत्सव के दौरान बच्चों के लिए रंग भरो प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की संयोजक स्वांगी अग्रवाल, आयुषी अग्रवाल और साक्षी अग्रवाल रहीं।

इसके बाद आयोजित फन गेम्स ने माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में अंजली अग्रवाल, स्वाती अग्रवाल एवं शगुन अग्रवाल ने अहम भूमिका निभाई।

महोत्सव का सबसे भावुक क्षण वृद्ध सम्मान, समाज का अभिमान कार्यक्रम रहा। इसके तहत 72 वर्ष से अधिक आयु के समाज के वयोवृद्ध सदस्यों का पूजन कर उनका सम्मान किया गया और उनसे आशीर्वाद लिया गया।

कार्यक्रम में वयोवृद्धों, वयस्कों और बच्चों की सहभागिता ने पीढ़ियों के बीच आत्मीयता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। बच्चों ने नाटक के माध्यम से माता-पिता के प्रति संतान के कर्तव्यों, उनके सम्मान और जीवन में संस्कारों के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सलाहकार समिति के सदस्य अरुण अग्रवाल, मदन अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल एवं गौरीशंकर अग्रवाल सहित संघ के अध्यक्ष रंजन अग्रवाल, सचिव गुप्तेश्वर अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल सहित अन्य ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

अधिवक्ता बने अक्षय कुमार, झारखंड उच्च न्यायालय से जुड़कर की न्यायिक क्षेत्र में नई पारी की शुरूआत

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : ललपनिया क्षेत्र के निवासी अक्षय कुमार ने विधि की शिक्षा पूर्ण करने के बाद अधिवक्ता के रूप में अपने पेशेवर जीवन की नई शुरूआत की है। एलएल.बी. की पढ़ाई पूरी करने के उपरांत उन्होंने झारखंड स्टेट बार काउंसिल में नामांकन की प्रक्रिया पूरी की है साथ ही झारखंड उच्च न्यायालय मैं वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ जुड़कर अधिवक्ता के रूप में वे अब न्यायालय में विधिक कार्य एवं लोगों को कानूनी परामर्श उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अक्षय कुमार का कहना है कि कानून के क्षेत्र में आने का उनका उद्देश्य लोगों को न्याय दिलाने के साथ-साथ आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। उनका विशेष जोर ऐसे लोगों तक कानूनी जानकारी पहुंचाने पर रहेगा, जो कानूनी प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाते हैं। उनके अधिवक्ता के रूप में नई पारी शुरू करने पर क्षेत्र के लोगों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं परिचितों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चेन्नई से दौड़ेगी विकास की मिलेगी रफ्तार

विनोद सिंह 'तकियावाला'

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बबार्दी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे, बंदरगाह, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से तमिलनाडु के विकास, औद्योगिक विस्तार और आधुनिक कनेक्टिविटी को मिलेगी नई दिशा...

भारत की सांस्कृतिक विरासत, समुद्री व्यापार,औद्योगिक विकास और आधुनिक तकनीकी क्षमताओं में दक्षिण भारत का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।आज का यह दिन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई इन सभी विशेषताओं का संगम है। जहाँ एक ओर बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह महानगर समुद्री व्यापार और उद्योग का प्रमुख केंद्र है,तो दूसरी ओर वाहन निर्माण,सूचना प्रौद्योगिकी,उच्च शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।तेजी से बढ़ती आबादी, शहरीकरण और औद्योगिक गतिविधियों के बीच चेन्नई को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है।इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 अक्टूबर 2026 को चेन्नई दौरा महत्वपूर्ण रहा। पी एम नरेन्द्र मोदी ने इस दौरान तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन,शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया गया।प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार,ये परियोजनाएं मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे,बंदरगाह, पेट्रोलियम और शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं।इनका उद्देश्य परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने के साथ व्यापार,उद्योग,क्षेत्रीय संपर्क और तकनीकी अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।चेन्नई में विकास की इस नई पहल को केवल कुछ परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए।यह समझना भी आवश्यक है कि आधुनिक परिवहन, मजबूत औद्योगिक ढांचा,समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।इन क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं विकसित होने से रोजगार,निवेश और आर्थिक गतिविधियों के लिए नए अवसर तैयार हो सकते हैं।

मेट्रो रेल से महानगर को नई गति -प्रधानमंत्री के चेन्नई दौरे की प्रमुख उपलब्धियों में चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के पूनामल्ली-वडापलनी खंड का उद्घाटन शामिल रहा।लगभग 4,900 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस खंड में 3.7 किलो मीटर लंबी दोहरी संरचना विशेष आकर्षण है।इसमें उन्नत संकेत प्रणाली का उपयोग किया गया है,जिसे चालक रहित रेल परिचालन के अनुकूल बनाया गया है।

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बबार्दी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

चेन्नई की मेट्रो परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसमें सीमित शहरी भूमि का अधिक प्रभावी उपयोग करने के लिए दोहरी संरचना विकसित की गई है। हाँलाकि,किसी भी सार्वजनिक परिवहन परियोजना की वास्तविक सफलता यात्रियों की संख्या,नियमित परिचालन, स्टेशन तक पहुंच और सेवाओं की गुणवत्ता से तय होती है। इसलिए निर्माण के साथ यात्रियों की सुविधा और परिचालन की दक्षता पर भी निरंतर ध्यान देना आवश्यक होगा।

राष्ट्रीय राजमार्गों से मजबूत होगा क्षेत्रीय संपर्क - तमिलनाडु में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,700 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया।प्रधान मंत्री कार्यालय के अनुसार, इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744 पर वडुगपट्टी-थेकुवेंगनल्लूर के बीच 36 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744ए पर मदुरै रिंग रोड के 30 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड का उद्घाटन शामिल है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर तिरुवारूर बाईपास के निर्माण की आधारशिला रखी गई।इन परियोजनाओं का सीधा संबंध यात्रियों की सुविधा और माल परिवहन की गति से है।मदुरै जैसे महत्वपूर्ण शहरों में बेहतर बाईपास और राजमार्ग संपर्क से भारी वाहनों को शहर के भीतरी हिस्सों से गुजरने की आवश्यकता कम हो सकती है।इससे जाम में राहत मिलने और यात्रा समय घटने की संभावना है।राजमार्गों का विकास तीर्थस्थलों, औद्योगिक केंद्रों और व्यापारिक क्षेत्रों के बीच संपर्क को भी मजबूत करता है।किसानों के उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार वस्तुओं के परिवहन में बेहतर सड़क नेटवर्क सहायक होता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ नए व्यावसायिक अवसर भी विकसित हो सकते हैं।रेलवे आधुनिकीकरण से यात्रियों को सुविधा - भारतीय रेलवे देश की आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है।चेन्नई कार्यक्रम के अंतर्गत 750 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया और उनका उद्घाटन किया गया। इनमें कराईकलझपेरलम रेल लाइन, कोयंबटूर और आसपास के क्षेत्रों में तीन रेल ओवरब्रिज तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित पांच रेलवे स्टेशन शामिल हैं।इन स्टेशनों में पलानी,वेल्लोर कैंटोनमेंट, अंबासमुद्रम, परमाकुडी और नामक्कल प्रमुख हैं।

रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण केवल भवनों के सौंदर्यीकरण का विषय नहीं है।इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और अधिक व्यवस्थित स्टेशन परिसर उपलब्ध कराना भी है।छोटे शहरों और धार्मिक स्थलों के रेलवे स्टेशनों का विकास स्थानीय पर्यटन तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकता है।

कोयंबटूर क्षेत्र में रेल ओवरब्रिज का निर्माण सड़क और रेल यातायात के बीच होने वाले व्यवधान को कम करने में सहायक होगा। व्यस्त रेल क्रॉसिंग पर वाहनों के रुकने से समय की बबार्दी होती है और कई बार दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है।बेहतर रेल अवसंरचना इन समस्याओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

बंदरगाहों से समुद्री अर्थव्यवस्था को विस्तार - तमिलनाडु की भौगोलिक स्थिति उसे समुद्री व्यापार के क्षेत्र में विशेष महत्व प्रदान करती है।चेन्नई बंदरगाह, कामराजर बंदरगाह और वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह राज्य की औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों के प्रमुख आधार हैं।इनकी क्षमता बढ़ाना देश के आयात-निर्यात और वैश्विक आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। चेन्नई बंदरगाह पर चार प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।इनमें पक्का भंडारण क्षेत्र, चार निर्यात-आयात गोदाम, आधुनिक क्रूज टर्मिनल और नाविकों के लिए क्लब शामिल हैं। इन सुविधाओं से माल के भंडारण और प्रबंधन में सुधार के साथ क्रूज यात्रियों तथा समुद्री कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर आठ प्रमुख विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया।इनका उद्देश्य माल एवं कंटेनर प्रबंधन की क्षमता का विस्तार, स्वच्छ समुद्री ऊर्जा के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास और बंदरगाह परिसर में माल की आवाजाही को अधिक प्रभावी बनाना है।

कामराजर बंदरगाह पर कोयला बर्थ संख्या तीन का उद्घाटन किया गया।इसके साथ ही कंटेनर टर्मिनल के पहले चरण के दूसरे हिस्से से संबंधित पूंजीगत ड्रेजिंग कार्य की आधारशिला रखी गई।

बंदरगाहों की दक्षता बढ़ने से माल को जहाजों से उतारने,भंडारित करने और आगे परिवहन करने में लगने वाला समय कम किया जा सकता है।इससे उद्योगों की लॉजिस्टिक्स लागत घटाने और निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।समुद्री व्यापार का विस्तार स्थानीय रोजगार और संबंधित सेवाओं के विकास में भी योगदान दे सकता है।

पेट्रोलियम क्षेत्र में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन -चेन्नई के मनाली स्थित चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी में लगभग 1,620 करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रुप-द्वितीय एवं ग्रुप-तृतीय ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक्स परियोजना की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार, इसकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 2.70 लाख मीट्रिक टन है। इस परियोजना के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले स्नेहक तैयार करने के लिए आवश्यक आधारभूत तेल का उत्पादन किया जाएगा। ऐसे स्नेहकों का उपयोग वाहन उद्योग, मशीनों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में होता है।

घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ने से भारत के औद्योगिक क्षेत्र को आवश्यक सामग्री की उपलब्धता मजबूत करने में मदद मिल सकती है।यह परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में मूल्य संवर्धन और तकनीकी क्षमताओं के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हालांकि,इसके वास्तविक आर्थिक लाभ उत्पादन शुरू होने, बाजार की मांग और उद्योगों को मिलने वाली आपूर्ति पर निर्भर करेंगे।

आईआईटी मद्रास में विज्ञान की नई संभावनाएँ -चेन्नई की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैज्ञानिक अनुसंधान भी है। प्रधानमंत्री ने आईआईटी मद्रास स्थित सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र को राष्ट्र को समर्पित किया।इसके साथ मानव मस्तिष्क का विस्तृत अध्ययन करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहल भी शुरू की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक जानकारी के अनुसार,इस अभियान का लक्ष्य भ्रूण अवस्था से वृद्धावस्था तक जीवन के विभिन्न चरणों में 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों के त्रिआयामी एटलस तैयार करना है। यह अध्ययन कोशिकीय स्तर पर मस्तिष्क की संरचना को समझने में सहायता करेगा।

इस अवसर पर सी-स्ट्रोक नामक मानव इस्कीमिक स्ट्रोक एटलस भी जारी किया गया। इसमें स्ट्रोक से प्रभावित मस्तिष्क के एक हजार से अधिक चिह्नित सूक्ष्म ऊतक खंड शामिल हैं। इससे दुनिया भर के शोधकर्ताओं को मस्तिष्काघात से संबंधित नए उपचार लक्ष्यों की पहचान करने में सहायता मिल सकती है।

यह पहल इस बात का उदाहरण है कि विकास का अर्थ केवल सड़क, रेल और औद्योगिक ढांचे का निर्माण नहीं है।वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक तकनीक में निवेश भी देश की दीर्घकालिक प्रगति के लिए आवश्यक है।

विकास का लाभ आम नागरिक तक पहुँचे - चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का यह कार्यक्रम परिवहन,उद्योग, समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान को एक साथ आगे बढ़ाने की व्यापक पहल के रूप में देखा जा सकता है। मेट्रो रेल शहरी आवागमन को बेहतर बनाने में सहायक है, राजमार्ग क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करते हैं,रेलवे यात्रियों और व्यापार को सुविधा देता है तथा बंदरगाह देश को वैश्विक बाजारों से जोड़ते हैं।दूसरी ओर, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी परियोजनाएं घरेलू उत्पादन तथा तकनीकी क्षमताओं के विस्तार की संभावनाएं खोलती हैं।फिर भी, विकास की वास्तविक कसौटी केवल परियोजनाओं की लागत या उद्घाटन की संख्या नहीं होती। निर्धारित समय में निर्माण पूरा करना, गुणवत्ता बनाए रखना, सार्वजनिक धन का उचित उपयोग और आम लोगों तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है।शहरी विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित यातायात और समावेशी सुविधाओं पर ध्यान देना आवश्यक है।चेन्नई की इन परियोजनाओं का प्रभाव तमिलनाडु की सीमाओं से आगे भी दिखाई दे सकता है, क्योंकि दक्षिण भारत का औद्योगिक और समुद्री नेटवर्क राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा है।बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और निवेश को अवसर मिल सकते हैं तथा आधुनिक अनुसंधान से भारत की वैज्ञानिक क्षमता मजबूत हो सकती है।

अब इन परियोजनाओं की सफलता इस बात से निर्धारित होगी कि वे कितनी प्रभावी ढंग से धरातल पर उतरती हैं और नागरिकों के दैनिक जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाती हैं।विकास की सार्थकता तभी है,जब आधुनिक अवसंरचना के साथ रोजगार, सुविधा,सुरक्षा और आर्थिक अवसरों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचे।

संपादकीय

पर्यावरणीय नक्शे पर अतिक्रमण

एंटी हेलगन के इस्तेमाल पर लगी अदालती रोक के अर्थ समझने होंगे। यह बागबानी क्षेत्र के अनुसंधान तथा बचाव के सामने आया ऐसा आदेश है जो पर्यावरण संरक्षण की कुंडियां खोल रहा है। पर्यावरणीय संतुलन के खिलाफ विज्ञान का स्वार्थी रुख कई बार सामुदायिक मुसीबतें खड़ी कर देता है। इस मामले में भी गरजती हेलगन द्वारा खदेड़े गए बादलों ने कहीं अन्यत्र खिसक कर भारी बारिश कर दी। इस तरह कहीं की आद्रता कहीं पहुंच गई। बहरहाल आपदा के दुष्चक्र की निशानी में हेलगन का विकल्प रोका जा रहा है। करीब पंद्रह सालों से हेलगन एक उपाय बन कर सेब आर्थिकी के जख्म पौंछ रही थी, लेकिन विज्ञान आधारित उपकरण ने बादलों के सिर मूंड कर कहीं ओले बरसा दिए। विज्ञान के सामने प्रकृति का पारंपरिक स्वभाव अगर विचलित होता है, तो एक फसल बचाते-बचाते हम कई अन्य उजाड़ देंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में बागबानी विश्वविद्यालय को अपने अनुसंधान के तर्क में आगे बढ? की राह खोजनी होगी। हिमाचल में विकास के हर पहलू का असर पर्यावरण के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। यह शहरीकरण, परिवहन, पर्यटन तथा आवासीय बस्तियों के विस्तार में दर्ज हो रहा है। हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण का मुख्यालय जैसे ही धर्मशाला पहुंचा है, निर्माण की सुर्खियां बदलने लगी हैं। आवासीय मांग से प्लॉटिंग में आई तेजी ने बता दिया कि इस क्षेत्र के नुक्ते गैर कानूनी है।

पर्वतीय व भौगोलिक स्थिति के अन्वेषण के बिना जमीनें बिक रही हैं, तो पड़ताल जरूरी है। पहले ही खड्डों-नालों के करीब बसे लोग आपदाओं से दो चार हो रहे हैं, तो अब नई बस्तियों के नाम पर ऐसी कोताही रोकनी होगी। खैर रेरा की फाइलों ने नवनिर्माण के घातक चिन्ह खोजने में कड़ा रुख अख्तियार किया है, तो कुछ परियोजनाओं पर विराम लगा है। यहां रेरा की तर्ज पर शहरी विकास योजनाओं को विकास से सुदृढ़ कदम लेने में निकायों के हाथ मजबूत करने होंगे, जबकि हिमुडा के तहत हुए मांग सर्वेक्षणों के आधार पर नए विकल्प तैयार करने पड़ेंगे। पर्यावरण सुरक्षा का एक दबाव शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कूड़ा-कर्कट प्रबंधन से जुड़ा विषय भी है। पूरे प्रदेश की तस्वीर से रिसता टनों कचरा आज पर्यावरणीय दृष्टि से खतरनाक सिद्ध हो रहा है, जबकि शहरी परिवेश के करीब से बहती नदियों, नालों, खड्डों या कूहलों पर हुए अतिक्रमण ने स्थिति को और विकराल कर दिया है। प्रदेश में पर्यावरण के नक्शे पर विकास का अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, तो जेसीबी मशीनों ने नवनिर्माण की मान्यताएं ही तोड़ दी हैं। शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों की कैरिंग कैपेस्टी के खिलाफ निर्माण के अलावा बढ़ती जनसंख्या या पर्यटक आमद का विशखेषण करना पड़ेगा। अभी हाल ही में लंबे सप्ताहांत के कारण पर्यटन का एक रेला पहाड़ों की व्यवस्था के खिलाफ साबित हुआ। धर्मशाला के त्रियूंड तक इस दौरान ट्रैकिंग की भीड़ ने मकसद और सुकून दोनों ही धराशाई नहीं किए, बल्कि पर्यावरणीय ऊर्जा भी तहस नहस की। पर्यटन उद्योग के फैलते पंजों पर यदा कदा एनजीटी भी सख्त निर्देश देता है, लेकिन राज्य ने आज तक इस दृष्टि से स्पष्ट दिशा निर्देश और खाके नहीं बनाए।

यतायात के लिए साइकिल एक उत्तम दुपहिया वाहन

संजय गोस्वामी

आज खाड़ी देशों में अमेरिका ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्र में कच्चे तेल के आवाजाही अवरुद्ध होने के कारण पेट्रोल डीजल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है 7 महीने से युद्धके चलते इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का रेट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इसलिए अब दुपहिया या मोटर कार में चलना मुश्किल हो सकता है इसलिए आज ही साईकिल को इस्तेमाल करना शुरू कर दे ऐ कई बार राजनेताओ ने भी शिरकत की थी दरअसल साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढा व्यक्ति सभी चला सकते है।आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरो की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरूआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैन्युफैक्चरर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और ऐमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मार्सिले तक 800 किलोमीटर (500 मील) से ज्यादा वेलोसिपेड चलाई, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज बनने में मदद की। भाइयों ने मिचौक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फैक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विज़िटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नजारा बन गया था, और काफी ज्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचौक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कॉम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोस्टिंग की इजाजत देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरूआती वेलोसिपेड को ह्लबोनशेकरह्व का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर ह्लऑर्डिनरीह्व नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैन्युफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वजन आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18कि.ग्रा.) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वजन 16 पाउंड (7कि.ग्रा.) जितना कम हो सकता था। शुरूआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेज़िस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमेटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमेटिक टायर और टेंशन-स्पोक वाले पहिये ने क्रैंक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमेटिक टायर, चेन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज्यादातर साइकिलों का वजन सिर्फ.25 से 35 पाउंड (11 से 16कि.ग्रा.) था। स्टैंडर्ड डिजाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में ब्रिटेन में 800,000 से ज्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज्यादा साइकिलें बनीं। बहुत सारी महिलाओं ने साइकिल चलाना शुरू किया, और मार्केट बहुत बढ़ गया; साइकिल चलाना महिलाओं के आंदोलन की निशानी बन गया। लेकिन यह बूम जल्दी ही खत्म हो गया, और साइकिल की बिक्री बहुत कम हो गई, जिसके कारण कई बैंकरप्सी हुईं और साइकिल की कीमतें बहुत कम हो गईं। साइकिल बूम के खत्म होने का गलत दोष ऑटोमोबाइल को दिया जाता है, लेकिन ज्यादा मुमकिन वजह स्ट्रीटकार जैसे शुरूआती मास ट्रांज़िट सिस्टम की तेजी से बढ़ोतरी थी, जिसने साइकिल से यात्रा करने का एक अच्छा विकल्प दिया—खासकर खराब मौसम में। आज की साइकिल 1900 के बाद मटीरियल, फ्रेम डिजाइन और पार्ट्स में बहुत सारे सुधार किए गए, लेकिन साइकिल का बेसिक डिजाइन लगभग वैसा ही रहा। सबसे बड़ा टेक्निकल सुधार मल्टीपल-स्पीड गियरिंग था। 1896 में विलियम रेली को दो-स्पीड इंटरनल हब गियर के लिए पेटेंट मिलने के बाद, ये गियर ब्रिटेन में डीलक्स साइकिलों का एक फीचर बन गए। 1913 तक स्टर्मी-आर्चर कंपनी हर साल 100,000 तीन-स्पीड हब गियर बना रही थी। फ्रेंच साइकिल चलाने वालों ने कई तरह के मल्टीपल-स्पीड मैकेनिज्म के साथ एक्सपेरिमेंट किया, और 1920 के दशक तक फ्रांस में चेन को एक स्प्रोकेट से दूसरे स्प्रोकेट तक ले जाने वाले डिरेलियर गियर बन गए थे। बिकने वाली साइकिलों में से आधी 10-स्पीड वाली थीं। 1974 के तेल बैन से बड़ों की साइकिलिंग बढ़ी, और यूनाइटेड स्टेट्स अच्छी क्वालिटी वाली साइकिलों का बड़ा मार्केट बन गया। लेकिन, 1975 में सेल्स फिर से घटकर 7 मिलियन रह गईं, और कई साइकिल कंपनियाँ दिवालिया हो गईं। जापानी और ताइवानी कंपनियाँ बच गईं और उन्होंने यूरोपियन कंपनियों से एक्सपोर्ट मार्केट पर कब्जा कर लिया।साइकिलिंग में अगली वापसी तथाकथित माउंटेन बाइक की वजह से हुई। पहले इसके इन्वेंटर्स ने इसे ह्लक्लंकरह्व कहा था, माउंटेन बाइक 1970 के दशक में उत्तरी कैलिफोर्निया में डेवलप की गईं। 1980 के दशक में उन्होंने 10-स्पीड वाली बाइकों की जगह ले ली, ठीक वैसे ही जैसे 1880 के दशक में सेफ्टी साइकिलों ने आम साइकिलों की जगह ले ली थी। माउंटेन बाइक डेवलप्ड दुनिया में स्टैंडर्ड साइकिल बन गई और 1993 में यूनाइटेड स्टेट्स में साइकिल की सेल्स में इसका हिस्सा 95 परसेंट था। टूरिंग और रेसिंग साइकिलों को रोड बाइक के नाम से जाना जाने लगा।निश्चित रूप से आज जहाँ खाड़ी में युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं वहाँ यह साइकिल बिना पेट्रोल के तेज दौड़ेगी और स्वस्थ रहेंगे।

दलहन में भारत का आत्मनिर्भरता मिशन : 2030-31 तक दालों के उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की छह-वर्षीय योजना

आयात पर निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर

बिहान भारत

भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है; दालें दुनिया भर में महत्वपूर्ण और प्रोटीन से भरपूर खाद्य फसलें हैं। दालों में 20-25% प्रोटीन होता है, जो गेहूं से दोगुने से भी ज्यादा और चावल से लगभग तीन गुना ज्यादा है। दालें भारत के कृषि निर्यात में अहम भूमिका निभाती हैं और भारतीय आहार का एक जरूरी हिस्सा बनी हुई हैं, जिससे पोषण सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इसी महत्व को समझते हुए, सरकार ने 11 अक्टूबर, 2025 को 'दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन' शुरू किया। 11 अक्टूबर को जब राष्ट्र इस मिशन की शुरूआत की पहली वर्षगाँठ मना रहा है, तब यह महत्वपूर्ण पहल अपनी रफ़्तार से बढ़ रही है। इस मिशन के लिए 2025झ26 से 2030झ31 तक के लिए 11,440 करोड़ रुपये का वित्तीय आवंटन किया गया है। इस मिशन का उद्देश्य दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। यह एक व्यापक मूल्य-श्रृंखला दृष्टिकोण के माध्यम से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और किसानों की आय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

स्पष्ट लक्ष्य वाला एक मिशन

इस मिशन के तहत, 2030-31 तक उत्पादन के लगभग 350 लाख टन तक पहुँचने और प्रति हेक्टेयर पैदावार बढ़कर 1,130 किलोग्राम होने की उम्मीद है। इन लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करने वाले मुख्य रणनीतिक उपाय इस प्रकार हैं:

तूर (अरहर), उड़द और मसूर के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना

जलवायु-अनुकूल बीजों और बीजों की बेहतर गुणवत्ता को बढ़ावा देना

छह वर्षों में 87.5 लाख मुफ्त बीज किटों और 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का वितरण

2030-31 तक 310 लाख हेक्टेयर के कुल लक्ष्य तक पहुँचने के लिए दलहन की खेती के दायरे को 35 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाना।

उत्पादन बढ़ाने के लिए 489 ज़िलों को शामिल करते हुए क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण

1,000 प्रसंस्करण इकाइयों (दाल मिलों) की स्थापना

इच्छुक और पंजीकृत किसानों से एनसीसीएफ और नेफेड के माध्यम से तूर, उड़द और मसूर की सुनिश्चित खरीद

आयात पर निर्भरता कम होने और विदेशी मुद्रा की बचत होने की उम्मीद

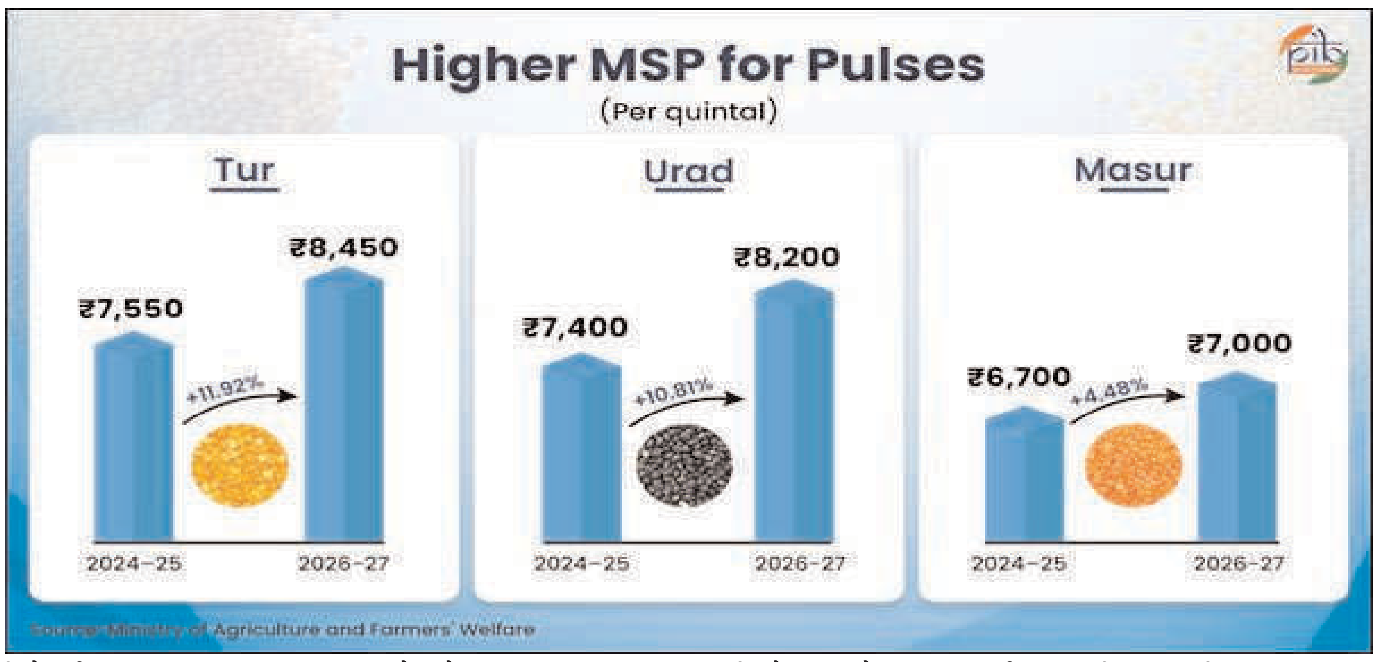

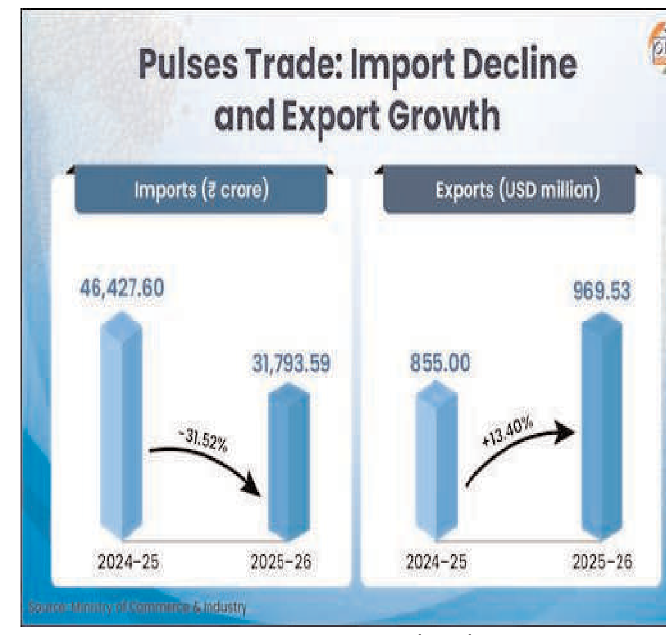

भारत का प्रमुख दाल उत्पादन केंद्र

वर्ष 2025-26 के दौरान भारत के दलहन क्षेत्र ने घरेलू उत्पादन, कृषि रकबे और फसल की उपज में मजबूत वृद्धि दर्ज की। कृषि में निरंतर हो रही प्रगति और मजबूत स्थानीय उत्पादन देश की दलहन अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं।

भारत का कुल दाल उत्पादन 2024-25 में 256.83 लाख टन से बढ़कर 2025-26 में 274.09 लाख टन (तृतीय अग्रिम अनुमान) हो गया।

भारत में दलहन की खेती का रकबा 2024-25 में 277.20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 2025-26 में 286.46 लाख हेक्टेयर हो गया।

दलहन उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर दालों की उत्पादकता में सुधार हुआ, क्योंकि कुल पैदावार 2024-25 के 926 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 2025-26 में 957 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई।

भारत में दालों का आयात 31.52% घटकर 2024-25 में 46,427.60 करोड़ रुपये से 2025-26 में 31,793.59 करोड़ रुपये हो गया।

भारत से दालों का निर्यात 13.40% बढ़कर 2024-25 में 855 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 969.53 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। 2025-26 के दौरान कुल निर्यात 10.01 लाख टन तक पहुंच गया।

2025-26 में, निर्यात के प्रमुख देशों में चीन, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, अमेरिका और श्रीलंका शामिल थे।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी और सुनिश्चित खरीद

सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्यों (एमएसपी) में पर्याप्त वृद्धि करके दाल की खेती करने वाले किसानों के लिए मूल्य सुरक्षा को लगातार मजबूत कर रही है। समर्थन मूल्य बढ़ने से किसानों को सही दाम मिलते हैं और दाल की मुख्य फसलों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।

विपणन सत्र 2024-25 के लिए उड़द का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 7,400 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया था, जिसे 800 रुपये (10.81%) बढ़ाकर 2026-27 के लिए 8,200 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया।

वर्ष 2024-25 के लिए तूर (अरहर) का एमएसपी 7,550 रुपये प्रति क्विंटल था, जिसमें 900 रुपये (11.92%) की वृद्धि हुई और यह 2026-27 में 8,450 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुँच गया।

वर्ष 2024-25 के लिए मसूर का एमएसपी 6,700 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया था, जिसे 2026-27 के लिए 300 रुपये (4.48%) बढ़ाकर 7,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया।

मिशन के तहत, भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारिता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नैफेड) को चार साल (2025-26 से 2028-29) की अवधि के लिए तूर, मसूर और उड़द की 100% खरीद के लिए अधिकृत किया गया है। 17 जून 2026 तक, एनसीसीएफ दाल खरीद डैशबोर्ड से मिली मुख्य उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

एनसीसीएफ ने 9 राज्यों में कुल 10.55 लाख टन दालों की खरीद की। किसानों को सीधे कुल 7,047 करोड़ रुपये मूल्य का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भुगतान जारी किया गया। इस पहल से कुल 7.74 लाख पंजीकृत किसानों में से 4.69 लाख किसानों को फायदा हुआ।

खरीफ 2025-26 के तहत, 6,431 करोड़ रुपये मूल्य की 7.89 लाख टन दालों की खरीद की गई, जिससे 3.66 लाख किसान लाभान्वित हुए।

रबी 2026-27 के तहत, दालों की खरीद 23.51 लाख टन तक पहुँच गई, जिसके तहत 14,217 करोड़ रुपये का एमएसपी जारी किया गया और इससे 10.20 लाख किसान लाभान्वित हुए।

दालों की खरीद 2024-25 के 18,39,504.77 टन से बढ़कर 2025-26 में 31,40,883.92 टन हो गई।

मिशन की शुरूआती प्रमुख प्रगति

मिशन की शुरूआती प्रगति अवसंरचना निर्माण और किसानों को सहायता देने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने को दशार्ती है। अब तक की मुख्य उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

मिशन के तहत 1,000 दाल प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने की योजना है, जिनमें से पहले चरण में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 528 इकाइयाँ पहले ही आवंटित की जा चुकी हैं।

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमताओं के सृजन एवं विस्तार (सीईएफपीपीसी) के लिए कुल 23 दाल प्रसंस्करण इकाइयों को मंजूरी दी गई है। इन स्वीकृत अवसंरचना परियोजनाओं में से 18 दाल प्रसंस्करण इकाइयों का काम सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

धान की फसल के बाद दालों की खेती को बढ़ावा देने के लिए, मिशन का लक्ष्य छह वर्षों में 87.5 लाख बीज किट वितरित करना है, जिसमें से 9.25 लाख किट रबी 2025-26 के दौरान वितरित किए गए हैं।

डिजिटल निगरानी एवं बीज का पता लगाने की क्षमता

सरकार सभी स्तरों पर निर्बाध निगरानी, ??वास्तविक समय निरीक्षण और लक्षित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करती है:

राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर योजना, कार्यान्वयन और प्रगति की निगरानी के लिए एक त्रि-स्तरीय संचालन समिति नेटवर्क बनाया गया है।

'कृषि मैपर' एप्लिकेशन बीज किस्मों के प्रदर्शन और उपज की सटीक जियो-फेंसिंग, भूमि की जियो-टैगिंग और वास्तविक समूह पर निगरानी को सक्षम बनाता है।

'साथी' (सीड ऑथेंटिकेशन, ट्रेसेबिलिटी एंड होलिस्टिक इन्वेंट्री) पोर्टल बीज के पूरे जीवन चक्र को शामिल करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह उपाय बीज उत्पादन से लेकर प्रमाणन और बीज की बिक्री तक, बीज आपूर्ति श्रृंखला के स्वचालन के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

एग्रीस्टैक और डिजिटल फसल सर्वेक्षण: लक्षित पोषक तत्व वितरण और सटीक फसल पूवार्नुमान सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत किसान आईडी को मृदा स्वास्थ्य कार्ड विश्लेषण और सत्यापित भूखंड सर्वेक्षणों के साथ जोड़ता है।

'ई-समृद्धि' और 'विस्तार' जैसे सत्यापन प्लेटफॉर्म सीधे भुगतान, रीयल-टाइम बाजार डेटा और घरेलू मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करते हैं।

आज की बुआई, कल की सुरक्षा

शुरूआती रुझान बताते हैं कि दलहन के मामले में 'आत्मनिर्भरता मिशन' नीतिगत इरादे और जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन के बीच सफलतापूर्वक तालमेल बिठा रहा है। गारंटीकृत मूल्य समर्थन ने उत्पादकों के विश्वास को पुनर्स्थापित किया है, जबकि 'साथी' और 'ई-समृद्धि' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। जैसे-जैसे भारत 2030-31 तक 350 लाख टन उत्पादन के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, यह एकीकृत मूल्य-श्रृंखला ढांचा न केवल दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्रोटीन सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत का वादा करता है, बल्कि पूरे व्यापक कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए एक अनुकरणीय मॉडल भी पेश करता है।

उदास मन और अवसाद को दूर करने के लिए अपनाएं ये प्राकृतिक उपचार

अवसाद और उदास रहने से आप असहाय महसूस कर सकते हैं। इससे लड़ने के लिए थेरेपी और कभी-कभी दवाए आपकी मदद कर सकती हैं। मगर आपको इससे निजात मिले ये जरूरी नहीं। अवसाद से आप अपने दम पर भी छुटकारा पा सकते हैं। अपने व्यवहार को बदलकर, आपकी शारीरिक गतिविधि, जीवनशैली और यहां तक कि आपके सोचने का तरीका ये सभी अवसाद से निपटने का प्राकृतिक उपचार हैं। यहां हम आपको कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं जो आपको बेहतर महसूस करने में मदद कर सकते हैं। इसे आप अभी से शुरू कर सकते हैं।

अपनी दिनचर्या बनाएं

यदि आप डिप्रेस्ड या उदास रहते हैं तो आपको अपनी एक दिनचर्या बनाने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिकों की मानें तो, जिन लोगों का कोई एक रूटीन नहीं होता है वह मानसिक रूप से खुद को स्वस्थ नहीं रख पाते हैं। अगर आप टाइम मैनेज करते हुए एक रूटीन बनाकर उसे फॉलो करेंगे तो काफी हद तक आप अवसाद को दूर कर पाएंगे। सुबह जागने, ब्रेकफास्ट, ऑफिस/कॉलेज, लंच, डिनर और सोने का समय निर्धारित करें। बेकार के कामों में मन लगाने के बजाए कुछ प्रोडक्टिव करें।

लक्ष्य निर्धारित करें

जब आप उदास होते हैं तो आपको जीवन में चारों तरह अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देता है। इसलिए जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। छोटे-छोटे लक्ष्य जीवन में आशा जगाते हैं और जब आप इन्हें पूरा करते हैं तो काफी हद तक खुद के लिए सुकून भरा होता है। इससे आपका अवसाद कहां चला जाता है, पता ही नहीं चलता। रोजाना कुछ नया और बेहतर करने की कोशिश करें। अपनी रुचि के अनुसार काम करें, जिसमें आपका मन लगता हो। ऐसा काम करें जिससे आपको खुशी मिलती हो।

स्वस्थ आहार चुनें

आहार में कोई जादू नहीं है, जो आपके उदास मन को ठीक कर देगा, मगर फिर भी आप क्या खाते हैं यह देखना बहुत जरूरी है, क्योंकि कुछ विटामिन और मिनरल्स हैं जो डिप्रेशन को कम करने में मददगार हो सकते हैं। एक शोध के मुताबिक ओमेगा-3 फैटी एसिड, फोलिक एसिड युक्त खाद्य पदार्थ अवसाद को कम करने में मदद करते हैं। बाहर की चीजों को अवाइड करें। जंक फूड का सेवन करने से बचें। इसके बदले अपने आहार में ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियों को शामिल करें।

नकारात्मक विचारों से दूर रहें

अवसाद के खिलाफ आपकी लड़ाई में सबसे बड़ी जिम्मेदारी आपकी मानसिकता का है- जैसेकि आप क्या सोचते हैं, उसे बदलना जरूरी है। जब आप उदास होते हैं, तो आपके दिमाग में नकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं। आपको ऐसा लग सकता है कि कोई भी आपको पसंद नहीं करता है, लेकिन क्या यह सही है आप खुद को ग्रह पर सबसे बेकार व्यक्ति की तरह महसूस कर सकते हैं, लेकिन क्या वास्तव में इसकी संभावना है ऐसा बिल्कुल नहीं है। यह सिर्फ आपके नकारात्मक विचार होते हैं, जिन्हें हराना संभव है।

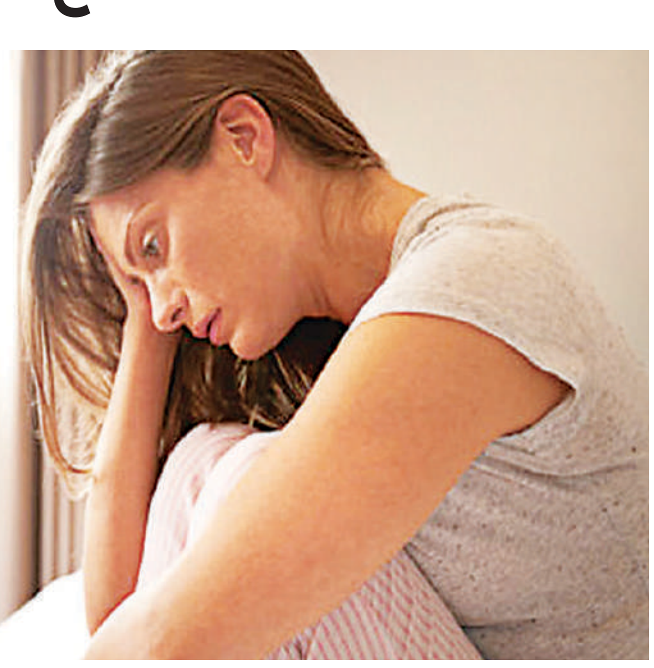

रोजाना एक्सरसाइज करें

नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से शरीर अस्थायी रूप से एंडोर्फिन नामक अच्छे हार्मोन को रिलीज करता है, डिप्रेशन से प्रभावित लोगों के लिए यह दीर्घकालिक लाभ हो सकता है। नियमित व्यायाम आपको सकारात्मक तरीके से प्रोत्साहित करेगा।

इसके लिए आपको मैराथन दौड़ या जिम ज्वाइन करने की भी जरूरत नहीं है, आपको सिर्फ रोजाना 30 से 60 मिनट किसी पार्क या घर की छत पर या किसी बाग में बिताना है, जहां आप वॉकिंग, रनिंग और स्ट्रेचिंग जैसी आसानी गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। मेडिटेशन काफी हद तक आपके अवसाद को दूर करने में मदद करता है। अवसाद के कारण कई बार नींद न आने की समस्या होने लगती है। ऐसी स्थिति में पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है, वरना अवसाद की स्थिति और बदतर हो जाती है। अच्छी नींद के लिए आपको वही सारी बातें फॉलो करने की जरूरत है, जो हमने आपको इस लेख में पहले बताया है, जैसे- सही समय पर जागना, एक्सरसाइज करना, स्वस्थ आहार लेना आदि। इसके अलावा उन चीजों से दूरी बनाएं जो आपकी नींद के लिए बाधक हैं, जैसे- मोबाइल, टीवी आदि।

जिम्मेदारियों को निभाएं

जब आप उदास होते हैं, तो आप अपनी तमाम जिम्मेदारियों से दूर भागने लगते हैं, ऐसा नहीं करें। इसमें शामिल रहना और दैनिक जिम्मेदारियों को निभाना आपको एक जीवनशैली बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो अवसाद से निपटने में मदद कर सकता है। ये आपको जीवन में आगे बढ़ने का मौका देते हैं। यदि आप पूर्ण रूप से अपने कामों के लिए तैयार नहीं है तो आंशिक रूप से ही सही मगर खुद की जिम्मेदारियों को निभाना न भूलें।

रेसिपी

इंस्टेंट चकली

सामग्री

- पानी: 1 कप
- रवा: 1/2 कप
- बटर/डालडा /तेल
- चावल का आटा: 1 कप
- अजवाइन: 1/2 tsp
- लालमिर्च: 1 tsp
- सफेद दाल: 2 tsp
- हींग: 1 चुटकी
- हल्दी: 1 चुटकी
- नमक:1tsp

विधि

एक पैन में पानी को एक उबाल आने दें। अब इसमें रवा डालकर थोड़ा पकायें। थोड़ा ठंडा करके इसमें चावल का आटा और सारे मसाले डालकर बिना पानी के आटा लगा लें, यदि जरूरत हो तो थोड़ा गिला हाथ लगायें। अब अच्छे से मसल लें। अब चकली बनाकर तलें। ठंडी होने पर डब्बे में बंद करके रखें और परोंसे।

बालूशाही

सामग्री

- मैदा:1कप
- दही:1/3 कप
- आवश्यकतानुसार घी
- शक्कर पानी:1 कप
- नींबू का रस/नींबू का सत /टारटरी:1/4 tsp
- तलने के लिए घी/तेल

विधि

एक बाउल में मैदा और घी अच्छे से मिक्स करें मुटठी बंद मोयन डालना है। अब दही भी अच्छे से मिक्स करें और आवश्यकतानुसार पानी से आटा लगायें। खूप ज्यादा मसलना नहीं है। इस आटे को 1 घंटे के लिए आराम दें। अब शक्कर में 1/4 कप पानी डालें और पक्की चाशनी बना लें 1/4 tsp नींबू का रस मिक्स करें। अब तैयार आटे से छोटी-छोटी लोई बनाकर हल्के हाथ से गोल आकार दें। अब एकदम गुनगुने घी में गोलियों को एकदम मध्यम आंच पर बादामी रंग में तल लें। इन गोलियों को चाशनी में डालकर 3 मिनट रखकर चलनी में रखें, जिससे अतिरिक्त चाशनी निकल जाएगी। अब तैयार बालूशाही को पिस्ते से सजाकर परोंसे।

हल्द्वानी नर्सिंग कॉलेज में फिर रैगिंग, छात्र दाखिले के अगले दिन ही घर लौटा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज में रैगिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उधमपुर (जम्मू-कश्मीर) के एक छात्र ने 5 अक्टूबर को दाखिला लिया और अगले ही दिन कॉलेज छोड़ दिया। उसने कॉलेज प्रशासन को सौंपे शिकायत पत्र में सीनियर्स पर बॉस कहलवाने, अभद्रता व गाली-गलौज का आरोप लगाया है। छात्र के अनुसार, सीनियर्स ने दाखिले वाले दिन ही उसे अपने कमरे में बुलाकर बॉस कहलवाया, अभद्रता की और गाली-गलौज भी की। इस घटना से आहत छात्र ने दाखिला रद्द करने का अनुरोध करते हुए शिकायती पत्र सौंपकर घर का रुख किया। प्राचार्य ने शिकायत की पुष्टि करते हुए मामले को गंभीरता से लेने और गहन जांच के बाद सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि जिस मेडिकल कॉलेज परिसर में नर्सिंग कॉलेज संचालित होता है, वह रैगिंग के लिए बदनाम रहा है। मार्च 2022 में सिर मुंडवाने, दिसंबर 2022 में मुर्गा बनाने और मार्च 2024 में पांच छात्रों के निष्कासन जैसे मामले सामने आ चुके हैं।

सेना पर आईएसआई की सेंध, दो सैन्यकर्मी समेत तीन गिरफ्तार

फरीदकोट (एजेंसी)। देश की सुरक्षा से जुड़े एक गंभीर मामले में इंटेलिजेंस विंग के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, फाजिल्का ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी सेना को गोपनीय सूचनाएं साझा करने का आरोप है। फाजिल्का के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल द्वारा 8 अक्टूबर को दर्ज एफआईआर के अनुसार, दिलप्रीत सिंह, राजबीर सिंह (दोनों सैन्यकर्मी) और गुरनूर सिद्धू (महिला) को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों सैन्यकर्मी भारत-चीन सीमा पर तैनात थे। इन पर ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 के तहत कार्रवाई की गई है। यह मामला देश की सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि इसमें भारतीय सेना के कर्मियों पर सीधे तौर पर दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने का आरोप है। जांच एजेंसियां अब उन गोपनीय सूचनाओं का पता लगा रही हैं जो कथित तौर पर साझा की गईं, साथ ही अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भी तलाश जारी है। फिलहाल, आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

शारदीय नवरात्रि पर रजनीकांत के फैन ने 230 तस्वीरों से सजाया मंदिर

-दिल्ली में पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई। 10 दिन तक चलने वाले इस उत्सव की सबसे ज्यादा धूम पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और मध्य भारत में रहती है। दिल्ली में नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में पूजा-अर्चना की। वहीं, तमिलनाडु के मदुरै में रजनीकांत के एक फैन ने मंदिर में खास सजावट की। इसमें रजनीकांत के 230 से ज्यादा किरदारों की तस्वीरें और प्रतिरूप लगाए गए हैं। फैन पिछले तीन साल से हर नवरात्रि पर यह सजावट कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ के बस्तर में नवरात्रि उत्सव की पारंपरिक 'काछन गादी' रस्म पूरी की। इस रस्म के बाद देवी ने बस्तर दशहरा उत्सव शुरू करने की अनुमति दी। यह परंपरा हर साल दशहरा उत्सव की शुरुआत से पहले निभाई जाती है। यूपी के मिर्जापुर में नवरात्रि के पहले दिन मां विंध्यवासिनी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ नजर आई। जम्मू और कश्मीर के कटरा में नवरात्रि के पहले दिन पूजा करने के लिए कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के मां शारदा मंदिर में श्रद्धालु दर्शन और प्रार्थना करने पहुंचे।

शराब से केंद्र और राज्यों को चार लाख करोड़ रुपये की आय, तेलंगाना सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। शराब उद्योग से केंद्र और राज्य सरकारों को सालाना करीब चार लाख करोड़ रुपये की कर आय प्राप्त होती है। राज्यों के कुल कर राजस्व में शराब की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में शराब से कर आय का हिस्सा सबसे अधिक 32 प्रतिशत है। इसके बाद तमिलनाडु 27 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश 25 प्रतिशत के साथ 3 प्रमुख राज्यों में शामिल हैं। केरल, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शराब से कर आय की हिस्सेदारी 23-23 प्रतिशत बताई गई है। आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में यह आय 21 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि कई राज्यों की आर्थिक व्यवस्था में शराब से मिलने वाला राजस्व अहम भूमिका निभाता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में शराब उद्योग से केंद्र और राज्यों को कुल चार लाख करोड़ रुपये की कर आय शराब से मिली. 2020-21 में यह लगभग 2.4 लाख करोड़ रुपये थी। इस अवधि में राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उद्योग की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 से 2025 के बीच महंगी श्रेणी की शराब की सालाना वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत रही। इससे शराब बाजार में प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग आय बढ़ने का प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

मणिपुर में ताजा झड़पों में अब तक 9 की मौत, सीएम ने की हत्या व हिंसा की निंदा

-सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे

इम्फाल, एजेंसी।
मणिपुर के हिंसा प्रभावित पहाड़ी जिलों में रविवार को भी तनाव बना रहा और दो समुदायों के बीच ताजा झड़पों में मरने वालों की संख्या अब 9 हो गई है। इस बीच सीएम वाई खेमचंद सिंह ने शांति और संयम बनाए रखने की अपील की और अधिकारियों से स्थिति को नियंत्रण में लाने को कहा। बता दें शुक्रवार-शनिवार को कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी जिलों में हिंसा की ताजा घटनाओं में कई लोगों की मौत की खबरें सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ने पोस्ट में कहा कि मैं निर्दोष नागरिकों की हत्या और हिंसा की निंदा करता हूं। मैंने संबंधित अधिकारियों को शांति और कानून-व्यवस्था बहाल करने तथा सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सभी समुदायों से स्थिति को शांत करने के लिए संयम बरतने

और शांति, संवाद तथा सद्भाव को प्राथमिकता देने की भी अपील की। सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक शनिवार को संदिग्ध उग्रवादी कामजोंग जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास तंगखुल नगा समुदाय की बस्ती निंगचौ गांव में भी घुस गए और गोलीबारी की। इस घटना में नगाचांसो निंगशेन और लेइशिशान लेइशादांग की मौत हो गई। घटना के बाद सुरक्षा बल गांव पहुंचे। स्थानीय लोगों का दावा है कि गोलीबारी करने के बाद हमलावर म्यांमा की ओर भाग गए। उखरुल जिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने चेपू याओलेन गांव के पास एक कार पर गोलीबारी की, जिसमें संदीप राय की मौत हो गई।

कांगपोकपी जिले के मकुई अशांग और तापन में भी सशस्त्र समूहों के बीच भारी गोलीबारी की सूचना है। इस साल फरवरी से कुकी और नगा जनजातीय समुदायों के बीच जारी हिंसा में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई मकानों को आग लगा दी गई है। इससे पहले राज्य में इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय और आसपास की पहाड़ियों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा हुई थी, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।

हवा में विमान के अंदर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से निकला धुआं

-हैदराबाद में इंडिगो फ्लाइट की कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6115 को एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से धुआं निकलने के बाद हैदराबाद की ओर डायवर्ट कर दिया गया। घटना के बाद विमान में मौजूद यात्रियों के बीच चिंता की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, केबिन क्रू ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पायलटों ने विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ने का फैसला किया। विमान की राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरलाइन के मुताबिक, घटना के दौरान यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाए गए। उपलब्ध जानकारी में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने का उल्लेख नहीं है।

यात्रियों को चेन्नई पहुंचाने की व्यवस्था

इंडिगो ने यात्रियों को उनके गंतव्य चेन्नई तक पहुंचाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की है। एयरलाइन के अनुसार, यात्रियों को रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराया जा रहा है और उन्हें स्थिति के बारे में समय-समय पर जानकारी दी जा रही है। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित घटना के कारण यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार, लेकिन कानूनों का पालन जरूरी

-बीजेपी सांसद ने सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर के विरोध पर विपक्ष को घेरा

कांगड़ा , एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर प्रक्रिया के विरोध को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए नियमों और कानूनों का पालन करना जरूरी है। ठाकुर ने कहा कि उन्होंने युवा मोर्चा से लेकर बीजेपी तक कई विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। ऐसे प्रदर्शनों के लिए अनुमति लेनी होती है और इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या भी बतानी पड़ती है। कोई भी व्यक्ति या संगठन कानून से ऊपर नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनुराग ने विपक्ष पर चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कुछ लोग यह सोचते हैं कि उन्हें किसी को जानकारी देने की जरूरत नहीं है और वे संस्थाओं, नियमों और कानून से ऊपर हैं, तो देश इस तरह नहीं चल सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को नियमों का पालन करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर ठाकुर ने कहा कि नियमों के मुताबिक कोई भी विरोध कर सकता है और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग विदेशी ताकतों के एजेंडे के मुताबिक भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस आधार के आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश सफल नहीं होगी। इस दौरान अनुराग ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

अब सीजेपी के साथ प्रदर्शन में उतरेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली , एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन प्रमुख नेताओं, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत में लिए जाने के बाद दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पार्टी ने अजिंक्य शिंदे को विरोध प्रदर्शन का नया कप्तान नियुक्त किया है, जिन्होंने ऐलान किया है कि रविवार को भी आंदोलन नहीं थमेगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस बार प्रदर्शन की आवाज़ पूरे देश में गूंजेगी और पहले से कहीं ज़्यादा जोरदार होगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, अमित शाह की दिल्ली पुलिस खुद तो गुंडागर्दी पर उतर ही आई।

गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधे चुनौती देते हुए कहा, अमित शाह, जितनी पुलिस लानी है, 10 हज़ार, 20 हज़ार, 40 हज़ार, ले आइए। भाजपा आरएसएस के जितने गुंडे बुलाने हैं, बुला लीजिए। हम डरने वाले नहीं हैं। पीछे हटने वाले नहीं हैं। ये लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है! उन्होंने यह भी घोषणा की कि सोमवार को वे मुख्य न्यायाधीश से भी मुलाकात करेंगे और मांग करेंगे कि जब दिल्ली की सड़कों पर संविधान को तार-तार किया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, तब कानून के संरक्षक आंखों पर पट्टी डाल कर नहीं बैठ सकते। उन्होंने जोर देकर कहा, संविधान की धज्जियां उड़ेंगी और हम चुप बैठेंगे? ऐसा हरगिज़ नहीं होगा। जवाबदेही तय करवाकर रहेंगे! राहुल गांधी ने अपने विरोधियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोगों के खिलाफ एक दशक से भी ज्यादा समय से लड़ रहे हैं और उन्हें अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि अब खलनायक धीरे-धीरे घिरते जा रहे हैं और इनका दायरा सिमट रहा है। यह गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी बुधवार से लेकर शुक्रवार तक दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रही थी। हालांकि, शनिवार को जब सीजेपी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश की और पूरी दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया गया, तब कांग्रेस ने इस आंदोलन से दूरी बनाए रखी। बयानों के जरिए कांग्रेस जरूर भाजपा और केंद्र सरकार पर वार करती रही। राहुल गांधी शनिवार को चेन्नई में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी, लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरे नहीं : राहुल गांधी

चेन्नई (एजेंसी)। राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा कि लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरने की जरूरत नहीं हैं। आइलैंड ग्राउंड्स में 30 मिनट के कार्यक्रम में राहुल ने कहा कि सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी है। सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोप रही है। तमिल कल्चर, भाषा इतिहास पर हमला किया जा रहा है। आपका वोट चोरी किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पहली बार दक्षिण भारत में आयोजित किया गया।

राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी इंटरनेशनल दबाव में हैं। अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं। देश का मूड जनता जान गई है। पूरी दिल्ली बंद है। पुलिस बच्चों को मार रही है, इंटरनेट बंद है। बीजेपी के गुंडे सड़क पर घूम रहे, बच्चों को पीट रहे हैं। पेरियार महान इंसान थे, क्योंकि वे सवाल करते थे। पेरियार ने स्टूडेंट को सिखाया कि बिना समझे किसी भी विचार को फॉलो न करें। सेंट्रलाइजेशन, 87फीसदी एमबीबीएस तमिल सीट कम की जा रही हैं। 70फीसदी यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर नहीं है, उसको आरएसएस के गर्वनर चला रहे हैं।

क्या पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है?

-बीजेपी सांसद ने जेएनयू प्रोफेसर पर लगे आरोपों पर राहुल से पूछा सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने रविवार को कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेएनयू की पूर्व प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम से जुड़े यौन उत्पीड़न के आरोपों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। स्वराज ने कहा कि हम सब जानते हैं कि 9 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सांसद बिमोल अकोइजम को यौन दुराचार के आरोपों के चलते जेएनयू ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। मई 2026 में एक-दो नहीं, बल्कि 11 छात्रों ने अकोइजम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जेएनयू ने पॉश एक्ट के तहत एक आंतरिक कमेटी गठित की। कमेटी ने तमाम साक्ष्यों, गवाहों और पीड़ितों की गवाही के आधार पर मामले की जांच की, जिसके बाद बिमोल अकोइजम को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। यह कार्रवाई गंभीर सवाल उठाती है। स्वराज ने कहा कि आरोप बेहद परेशान करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने स्टूडेंट्स को देर रात एकेडमिक असेसमेंट के लिए अपने घर बुलाया था, जिसमें एक वाइवा परीक्षा भी शामिल थी जो कथित तौर पर रात 11-40 बजे तक चली।

बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज मैं राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती हूं कि क्या पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है? इस घटना ने कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर किया है। कांग्रेस के लिए नारीवाद की शुरुआत सिर्फ एक हैशटैग से होती है और जवाबदेही के मोर्चे पर आते ही दम तोड़ देती है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, देश आपकी चुनिंदा नाराज़गी, आपके मकसद से प्रेरित रुख पर, झूठे नैरेटिव पर सवाल उठाता है। इस आरोपी सांसद के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने अब तक न कोई जांच बैठाई है, न ही उनसे जवाबदेही तय करने के लिए कोई शो-कॉज नोटिस जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से किसी भी प्रकार का कोई एक्शन नहीं लिया गया। राहुल गांधी क्या 11 छात्राओं की शिकायतों की गूंज आप तक नहीं पहुंची? या आप छात्रों की गूंज को सिर्फ एक छिछोरी कॉमेडी के लिए आवरण बना लिया है?

दिल्ली में इंटरनेट बंद पर उमर अब्दुल्ला का तंज, बोले- नए जेएंडके मॉडल में स्वागत है

नई दिल्ली , एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के एक प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले जंतर-मंतर के आसपास इंटरनेट सेवाओं को एहतियातन निलंबित करने पर जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेताओं ने इसे कश्मीर मॉडल करार देते हुए लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया है। खबर- जंतर-मंतर पर कॉजपा के शनिवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिल्ली में पांच किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट सेवाएं निलंबित किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इंटरनेट निलंबन पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कश्मीर मॉडल को दिल्ली में लागू कर दिया गया है और यह नए जम्मू-कश्मीर के मॉडल पर बनी नई दिल्ली का स्वागत है। उनके पिता और नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से निपटने का केंद्र का तरीका कश्मीर के लोगों के साथ वर्षों से किए जा रहे व्यवहार की याद दिलाता है। उन्होंने जोर दिया कि विपक्ष की आवाज दबाना और लोगों को जायज चिंताएं उठाने के अधिकार से वंचित करना लोकतंत्र की भावना को कमजोर करता है। अब्दुल्ला ने सुशासन के लिए सशक्त विपक्ष को जरूरी बताया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर में लगाई गई पाबंदियों से दिल्ली की स्थिति की तुलना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज की दिल्ली कश्मीर की भयावह याद दिलाती है, जहां लोगों को घरों में बंद कर दिया गया था और इंटरनेट बंद था। मुफ्ती ने सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान पर आरोप लगाया कि वह विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के बाद बेशर्मी से दावा करेगा कि कोई प्रदर्शन हुआ ही नहीं।

बीजेपी स्वतंत्रता सेनानी को नहीं मानती, ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है

-अखिलेश बोले- हमने जेपी की याद में स्मारक बनाया, सरकार इसे भी बेच रही है

लखनऊ, एजेंसी।
लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित जेपीएनआईसी का दौरा किया। वह जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस बीच उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अखिलेश पर निशाना साधा।

जेपीएनआईसी का दौरा करने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया और उनके मूवमेंट से परिवर्तन हुआ, वो समाजवाद की विचारधारा लेकर चले। जेपी ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने राष्ट्रपति महात्मा गांधी के साथ काम किया। हालांकि अब म्यूजियम में कुछ बचा नहीं क्योंकि आज की जो सरकार है वह किसी भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को नहीं मानती। ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है। हमने जयप्रकाशजी की याद में इतना बड़ा स्मारक बनाया लेकिन सरकार इसे भी बेच रही है।

अखिलेश ने कहा कि इस सरकार के लिए विचार बड़ा नहीं, उन्होंने रुपए में बेच दिया। पैसे के भार से उन्होंने विचार दबा दिए। सरकार में बैठे लोग पीड़ा देने वाले लोग हैं और ये जितना पीड़ा देंगे उतना पीडीए बढ़ेगा, परिवर्तन होना तय है। इस सरकार के पास 45 से 50 दिन ज्यादा नहीं बचे हैं।

इसके बाद प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव के प्रदर्शन को सिर्फ एक नाटक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी महापुरुषों और लोहिया-जेपी के नाम का इस्तेमाल सिर्फ अपने करतूतों को छिपाने के लिए कर रही है। पाठक ने सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश सरकार के कार्यकाल में जो प्रोजेक्ट शुरू में 17 करोड़ रुपए का था, उसकी लागत बढ़कर 850 करोड़ रुपए तक कैसे पहुंच गई? उन्होंने जेपीएनआईसी की लागत बार-बार बढ़ाने और उसमें फाइव स्टार सुविधाओं और स्विमिंग पूल बनाए जाने को लेकर भी सवाल खड़े किए।

पाठक ने जयप्रकाश नारायण को याद करते हुए कहा कि जेपी ने अपनी पूरी जिंदगी में भ्रष्टाचार, कदाचार और परिवारवाद के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि महापुरुषों का सम्मान करने और उनके बताए आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना है, न कि राजनीतिक रोटियां सेंकना। इससे पहले ओमप्रकाश राजभर ने भी जेपीएनआईसी को लेख अखिलेश यादव पर निशाना साधा था। उन्होंने पूछा कि जेपीएनआईसी पर 864 करोड़ रुपए खर्च कर दिए फिर भी परियोजना पूरी नहीं हुई। इतना पैसा आखिर गया कहां? आप जेपीएनआईसी के नाम पर राजनीति करने से पहले बताए कि जनता के 864 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी निर्माण पूरा क्यों नहीं हुआ? एक-एक रुपए का हिसाब दीजिए।

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू, आज मां ब्रह्मचारिणी की होगी पूजा

मंदिरों और पूजा पंडालों में भक्तिमय माहौल, नौ दिनों तक होगी मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिले में रविवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र का शुभारंभ हो गया। नवरात्र के पहले दिन घरों, मंदिरों और विभिन्न पूजा समितियों की ओर से विधि- विधान के साथ कलश स्थापना कर मां दुर्गा की आराधना शुरू की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। नवरात्र को लेकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। सोमवार को नवरात्र के दूसरे दिन मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां ब्रह्मचारिणी तप, त्याग, संयम और साधना की प्रतीक हैं। श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा कर मां से सुख-शांति और शक्ति का आशीर्वाद मांगेंगे। वहीं नवरात्र के पहले दिन सुबह से ही श्रद्धालुओं ने घरों में पूजा स्थल की साफ-सफाई कर मां दुर्गा की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित की। इसके बाद शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई। कई श्रद्धालुओं ने नवरात्र के दौरान उपवास रखने और नियमित रूप से दुर्गा सप्तशती का पाठ करने का संकल्प लिया। मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई है।

नौ दिनों तक होगी मां के नौ स्वरूपों की पूजा

शारदीय नवरात्र के दौरान नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। प्रत्येक दिन देवी के अलग-अलग स्वरूप की आराधना का विशेष महत्व है। नवरात्र के दौरान श्रद्धालु पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और दुर्गा सप्तशती के पाठ के माध्यम से मां की भक्ति में लीन रहते हैं। वहीं, विभिन्न पूजा समितियों की ओर से दुगार्पूजा की तैयारियां भी की जा रही हैं। पूजा पंडालों को आकर्षक रूप देने के साथ धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारी की जा रही है। नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। अगले नौ दिनों तक पूरा वातावरण मां दुर्गा की भक्ति और आराधना से सराबोर रहेगा। श्रद्धालुओं को अब दुगार्पूजा के आगमन और मां के दर्शन का इंतजार है।

मां दुर्गा के जयकारों से भक्तिमय हुआ राजमहल, कलश स्थापना के साथ नवरात्र शुरू

बिभा संवाददाता

राजमहल। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, रेलवे परिसर गुदाराघाट की ओर से भव्य कलश शोभायात्रा का आयोजन किया गया। गाजे-बाजे के साथ निकली इस यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु महिलाओं और भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मां दुर्गा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। वही शोभायात्रा रेलवे परिसर स्थित दुर्गा मंदिर से प्रारंभ हुई। श्रद्धालु कलश लेकर उत्तर वाहिनी मां गंगा नदी के सूर्यदेव घाट पहुंचे, जहां उन्होंने कलशों में गंगाजल भरा। इसके बाद कलश यात्रा गुदाराघाट, कासिम बाजार, तीनपहाड़ मोड़, नया बाजार और सुभाष चौक से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान मां दुर्गा की आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही मंदिर परिसर पहुंचने पर विधि-विधान से कलश स्थापना की गई। इसके साथ ही मां दुर्गा की पूजा-अर्चना तथा शारदीय नवरात्र के अनुष्ठान की शुरूआत हो गई। पूजा समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। वही इस अवसर पर पूजा समिति के अध्यक्ष पंकज घोष, सचिव अर्जुन कुमार, संतोष राम, राजू गुप्ता, पवन पटेल, प्रिंस साह, रितेश श्रीवास्तव, हीरालाल यादव, पवन घोष, राहुल राज, अंशु सेना, यशराज, आनंद गोस्वामी, सुमन गोस्वामी, काशीनाथ यादव, संजीव साह, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

राधानगर थाना में शांति समिति की बैठक आज

उधवा(बिभा) । शारदीय नवरात्र एवं दशहरा पर्व के मद्देनजर विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सोमवार को राधानगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि सोमवार की संध्या 4 : 30 बजे शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, गणमान्य व्यक्तियों,राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बंधुओं को आमंत्रित किया गया है।

आम्रेश्वर धाम में कलश स्थापना के साथ निकाली गई यात्रा

खूंटी(बिभा)। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर बाबा आम्रेश्वर धाम स्थित भव्य दुर्गा मंदिर में रविवार को विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई। इस दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। मुख्य यजमान के रूप में व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश अमित कुमार सिन्हा ने सपत्नीक पूजा-अर्चना की। पुरोहित सच्चिदानंद शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा संपन्न कराई। इस अवसर पर गम्हरिया गांव में नवनिर्मित अष्टभुजी मां दुर्गा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकाली गई भव्य कलश यात्रा बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंची। यहां मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से महामंत्री मनोज कुमार के नेतृत्व में कलश यात्रियों का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं को चुनरी भेंट कर सम्मानित किया गया और शरबत पिलाकर यात्रा के लिए विदा किया गया। मंदिर प्रबंधन समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने बताया कि दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना के साथ नौ दिवसीय विशेष अनुष्ठान और पूजा-अर्चना शुरू हो गई है। नवरात्र के पावन दिन गम्हरिया में नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकली कलश यात्रा श्रद्धालुओं की गहरी आस्था और भक्ति का प्रतीक है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए मां दुर्गा से क्षेत्र के लोगों की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। मौके पर समिति के संतोष पोद्दार, महेंद्र कश्यप, महेंद्र प्रसाद भगत, सत्यजीत कुंडू, जगदीश नाग, केशरी कश्यप, विजय राम, प्रकाश कुमार, प्रदीप कुमार, दिनेश महतो और ओम कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नवदुर्गा पाठ से भक्तिमय हुआ तोरपा, घर-घर हुई कलश स्थापना

खुटी(बिभा)। शारदीय नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही तोरपा क्षेत्र में मां दुर्गा की आराधना का माहौल बन गया है। रविवार को नवरात्र के प्रथम दिन विभिन्न मंदिरों, पूजा स्थलों और घरों में विधि-विधान के साथ कलश स्थापना कर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना शुरू की गई। दुर्गा सप्तशती और नवपारायण के पाठ से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। महिलाओं सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने उपवास रखकर मां की आराधना की। तोरपा के देवी मंडप हिल चौक में पुरोहित अनिल मिश्र ने विधि-विधान से कलश स्थापना कराई। वहीं, सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति मंदिर में पुरोहित कृष्णा पाढ़ी ने मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न कराई। प्रसिद्ध आम्रेश्वर धाम परिसर स्थित दुर्गा मंदिर में भी कलश स्थापना के साथ नवरात्र की पूजा शुरू हुई। इसके अलावा विभिन्न मुहल्लों और गांवों में श्रद्धालुओं ने अपने घरों में कलश स्थापित कर मां दुर्गा की उपासना की। नवरात्र को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। पूजा सामग्री, फल-फूल, चुनरी और अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए दुकानों पर लोगों की भीड़ देखी जा रही है। दूसरी ओर, दुर्गा पूजा को लेकर विभिन्न पूजा समितियों की तैयारियां तेज हो गई हैं। पंडालों को आकर्षक रूप देने के लिए सदस्य दिन-रात जुटे हैं, जबकि मूर्तिकार प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में लगे हैं। षष्ठी से पंडालों में पूजा-अर्चना शुरू होगी और सप्तमी को पंडालों के पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे। नवरात्र के दौरान भजन-कीर्तन, जागरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की भी तैयारी है। श्रद्धालुओं में पूजा पंडालों और मां दुर्गा की प्रतिमाओं को लेकर खासा उत्साह है। नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण उन्हें शैलपुत्री कहा जाता है। मां के एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल सुशोभित है एवं उनका वाहन वृषभ है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां शैलपुत्री की आराधना से सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां को सफेद फूल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की।

जय मां भवानी, जय मां दुर्गा के जयकारों से गूंजा शहर

2101 और 1101 कलश के साथ निकली भव्य यात्राएं, आस्था और परंपरा का दिखा अद्भुत संगम

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। शखनाद, ढोल-नगाड़ों की गूंज, भक्ति गीतों की मधुर धुन और मां दुर्गा के जयकारों के बीच रविवार को साहिबगंज में शारदीय नवरात्र का शुभारंभ हुआ। नवरात्र के पहले दिन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भक्तिमय माहौल देखने को मिला। विभिन्न दुर्गा मंदिरों और पूजा पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना कर मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान महादेवगंज और झरना कॉलोनी में निकाली गई भव्य कलश यात्राएं श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। महादेवगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से 2101 कलशों के साथ भव्य यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं कलश लेकर शामिल हुईं। यात्रा मुक्तेश्वरधाम बिजली सीढ़ी गंगा घाट से गंगाजल भरने के बाद गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली। विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरते हुए यात्रा महादेवगंज दुर्गा मंदिर पहुंची। रास्ते भर श्रद्धालु मां दुर्गा के जयकारे लगाते रहे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। वहीं, झरना कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति की ओर से 1101 कलशों के साथ आकर्षक कलश यात्रा निकाली गई। एक जैसे परिधान में सजी महिलाएं सिर पर कलश लेकर यात्रा में शामिल हुईं। ढोल-नगाड़ों, गाजे-बाजे और घोड़ों के साथ निकली इस यात्रा ने लोगों का ध्यान खींचा। मंदिर परिसर से शुरू हुई यात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए गंगा तट पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने जल भरा। इसके बाद यात्रा निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए पुनः मंदिर पहुंची। इसी क्रम में नया टोला स्थित जगदंबा मंदिर से मां की पालकी यात्रा निकाली गई। चौक बाजार दुर्गा मंदिर और बड़ी दुर्गा मंदिर की ओर से भी कलश यात्राओं का आयोजन किया गया। श्रद्धालु गंगा तट से जल लेकर मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना में शामिल हुए। मंदिरों में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना कर मां शैलपुत्री की विधिवत पूजा की। नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस वर्ष माता रानी का आगमन हाथी पर हुआ है, जिसे सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। नवरात्र के आगमन के साथ ही शहर के मंदिरों और पूजा पंडालों में रौनक बढ़ गई है। मां भवानी और मां दुर्गा के जयकारों से साहेबगंज का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है।

दुगार्पूजा को लेकर आज होगी शांति समिति की बैठक

तालझारी । दुगार्पूजा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर रविवार को तालझारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में दुगार्पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने को लेकर चर्चा की जाएगी। साथ ही पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में आम लोगों एवं पूजा समितियों की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

हँसडीहा में दर्दनाक सड़क हादसा, 22 वर्षीय युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बिभा संवाददाता

हँसडीहा : हँसडीहा-गोड्डा मुख्य मार्ग एनएच-133 पर गंगवारा के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया, वहीं इलाके में शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हँसडीहा के शीतला मंदिर रोड निवासी 22 वर्षीय रोशन कुमार अपनी स्कूटी से जा रहे थे। इसी दौरान गंगवारा के समीप सड़क किनारे खराब अवस्था में खड़े एक हाइवा से उनकी स्कूटी की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर पहुँचा और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया। पुलिस द्वारा घटना से संबंधित आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

इधर, युवक की असामयिक मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। महज 22 वर्ष की उम्र में रोशन कुमार की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सड़क किनारे खड़े खराब वाहनों से हादसे का खतरा

यह हादसा सड़क किनारे खराब अवस्था में खड़े भारी वाहनों से होने वाले संभावित खतरों की ओर भी ध्यान आकर्षित करता है। ऐसे वाहनों के कारण सड़क पर चलने वाले दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

राज्य स्तरीय अंडर-17 फुटबॉल में साहेबगंज की टीम उपविजेता, सुमित बास्की बने बेस्ट प्लेयर

पलामू, रांची, बोकारो और गिरिडीह को हराकर फाइनल में बनाई जगह, पाकुड़ से मिली हार

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। खेलो झारखंड राज्य स्तरीय अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता में साहेबगंज जिले की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। रांची के खेलगांव होटवार में 7 और 8 अक्टूबर को आयोजित प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर फाइनल तक का सफर तय किया। वहीं, साहिबगंज के खिलाड़ी सुमित बास्की को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बेस्ट प्लेयर चुना गया। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में साहिबगंज की टीम ने पलामू को 2-1, रांची को 1-0, बोकारो को 4-3 और गिरिडीह को 1-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, खिताबी मुकाबले में पाकुड़ की टीम ने साहिबगंज को 2-0 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इस तरह साहिबगंज की टीम को उपविजेता के खिताब से संतोष करना पड़ा।

इन खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

साहेबगंज जिला फुटबॉल टीम में विशनपुर उच्च विद्यालय और उत्क्रमित उच्च विद्यालय, लखीपुर के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। टीम में मंगल हेंब्रम, राहुल मुर्मू, टोनल सोरेन, राएस अंसारी, मरकुस सोरेन, निमाई मुर्मू, बाबूजी हेंब्रम, सुना छोड़े, सामियल टुडू, मरांग हांसदा, सुमित बास्की, मुत्तसिल हांसदा, बड़का टुडू, ईंधन किस्कू और सुशील हांसदा शामिल थे। टीम के बेहतर प्रदर्शन में शारीरिक शिक्षक नीतीश कुमार दास और सुजीत मल्लिक का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं जिले की टीम की इस उपलब्धि पर उपायुक्त दीपक कुमार दूबे, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक संजय कुमार दास, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा और एपीओ शबनम तबस्सुम सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ियों, कोच और मैनेजर को बधाई दी। उन्होंने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि खेलो झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के बालक अंडर-17 वर्ग में भी साहेबगंज जिले की टीम उपविजेता रही थी। लगातार दो प्रतियोगिताओं में जिले के खिलाड़ियों की उपलब्धि से खेल जगत में उत्साह का माहौल है।

देवघर के शौर्य संपर्क मेले में पहुंचे उपराष्ट्रपति और राज्यपाल, पूर्व सैनिकों के कल्याण व युवा प्रेरणा पर रहा जोर

बिभा संवाददाता

देवघरः भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने 10 अक्टूबर 2026 को देवघर, झारखंड में आयोजित शौर्य संपर्क मेले के दूसरे एवं समापन दिवस पर मेले का दौरा किया। इस अवसर पर झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार भी उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के ट्रिनिटी एरिया के तत्वावधान में झारखंड एवं बिहार सब एरिया द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय मेले में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, उनके आश्रितों, युवाओं तथा स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। आयोजन ने पूर्व सैनिकों एवं सैन्य परिवारों के कल्याण के प्रति भारतीय सेना की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा पूर्व सैनिकों, लाभार्थियों एवं अन्य उपस्थित लोगों से संवाद किया। उपराष्ट्रपति और राज्यपाल की उपस्थिति ने पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को निरंतर सहयोग और सहायता प्रदान करने के महत्व को उजागर किया।

मेले में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों और स्थानीय समुदाय की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। आयोजन ने कल्याणकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने, आवश्यक मार्गदर्शन लेने तथा सशस्त्र बलों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी हासिल करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया।

चिकित्सा जांच एवं रक्तदान शिविर कार्यक्रम के प्रमुख अंग रहे। विभिन्न रिकॉर्ड कार्यालयों तथा प्रधान रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), प्रयागराज के प्रतिनिधियों ने पेंशन संबंधी सहायता उपलब्ध कराई। पूर्व सैनिकों को पुनर्वास एवं पुनर्नियोजन संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

लघु शस्त्रों के प्रदर्शन तथा सैन्य बैंड की प्रस्तुति ने आगंतुकों को सैन्य सेवा एवं परंपराओं से परिचित कराया। युवाओं को सशस्त्र बलों में भर्ती और एनसीसी में प्रवेश संबंधी जानकारी दी गई, जिससे उन्हें देशसेवा के विभिन्न अवसरों को समझने में सहायता मिली।

मेले का शुभारंभ 9 अक्टूबर 2026 को एक वीर नारी, एक वीर माता तथा एक वरिष्ठ पूर्व सैनिक द्वारा किया गया था। यह पहल सैन्य परिवारों और उनके त्याग के प्रति सम्मान का प्रतीक रही।

कल्याणकारी सेवाओं और मार्गदर्शन को समुदाय तक पहुंचाने वाले इस दो दिवसीय आयोजन ने पूर्व सैनिकों के सम्मान, युवाओं की प्रेरणा तथा भारतीय सेना और झारखंड की जनता के बीच संबंधों को और सुदृढ़ किया।

बंग बंधु की प्रतिमा वंदन कार्यक्रम में भक्ति गीतों और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

बिभा संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। शारदीय दुर्गोत्सव के पावन अवसर पर सामाजिक संस्था बंग बंधु की ओर से रविवार सुबह बिष्टुपुर स्थित मिलनी क्लब में ह्यप्रतिमा वंदनह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मां दुर्गा की आराधना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजे इस आयोजन में भक्ति, परंपरा और सामाजिक सेवा का सुंदर संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ बंगाल क्लब के उपाध्यक्ष देवाशीष नाहा, महासचिव सोमो सेन, बंग बंधु की पैट्रन पूरबी घोष, अमित मैती, अध्यक्ष अपर्णा गुहा, महासचिव उत्तम गुहा, सेवाव्रती नील संघ क्लब के महासचिव ने मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें शहर की सुप्रसिद्ध नृत्यांगनाओं ने अपनी कला से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अन्वेषा बरुआ ने ह्यबाजलों तोमार आलोर बेनुह्ल और ह्यढाक बाजा, कसार बाजाह्ल गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दुर्गोत्सव की पारंपरिक छटा बिखेरी। वहीं, दिया महतो ने ह्यसाजो साजो देश बुजाह्ल और ह्यआइगिरी नंदिनीह्ल की धुन पर मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। सुब्रतो बिस्वास, प्रताप बनर्जी, निशित गिरी और राणा ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ सामाजिक सेवा को भी विशेष महत्व दिया गया। संस्था की ओर से वृद्धाश्रम में रहने वाली 20 महिलाओं के लिए नए वस्त्र, दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री और खाद्य सामग्री की व्यवस्था की गई। साथ ही सभी के लिए मध्यान्ह भोजन भी उपलब्ध कराया गया।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के 47 पुलों और 55 रस्ते पर वसूला जाएगा टोल टैक्स, राजस्थान मॉडल पर तैयार हो रही व्यवस्था

पटना (एजेंसी) बिहार में 250 मीटर से लंबे पुलों और स्टेट हाईवे पर टैक्स वसूली की तैयारी है. पिछले दिनों ही इसे लेकर बिहार कैबिनेट की ओर से 30 करोड़ से भी ज्यादा रुपये की मंजूरी दी गई थी. पूरे 47 पुलों और 55 स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स वसूल किए जाने की तैयारी है. बिहार के लोगों से जुड़ी जरूरी खबर है. राज्य में राजस्थान मॉडल पर टोल टैक्स वसूली की तैयारी है. बिहार में 250 मीटर से ज्यादा लंबे 47 महत्वपूर्ण पुलों और 55 स्टेट हाईवे (एसएच) को चिन्हित किया गया है. इन सड़कों पर व्यावसायिक गाड़ियों से टोल टैक्स वसूली की व्यवस्था लागू करने की तैयारी तेज हो गई है. बिहार सरकार ने गठित की अधिकारियों की टीम जानकारी के मुताबिक, इसके लिए राज्य सरकार कम लागत वाले टोल प्लाजा के निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन और संचालन और रखरखाव की व्यवस्था का अध्ययन कर रही है. इसी कड़ी में बिहार के अधिकारियों की एक टीम ने सितंबर, 2026 के अंतिम सप्ताह में राजस्थान के संबंधित कार्यालयों का दौरा किया. अधिकारियों ने राजस्थान मॉडल को जाना बताया जा रहा है कि टीम ने वहां टोल वसूली की तकनीकी व्यवस्था और कम खर्च में टोल प्लाजा संचालित करने के मॉडल को देखा. राजस्थान के अध्ययन दौरे के लिए बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पथ निर्माण विभाग और बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को अनुमति दी गई थी. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इलेक्ट्रॉनिक टोल की होगी व्यवस्था फिलहाल, राज्य सरकार की योजना के तहत चयनित पुलों और एसएच पर टोल प्लाजा बनाए जायेंगे. यहां इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन की व्यवस्था होगी, ताकि फास्टैग के माध्यम से शुल्क वसूली की जा सके. इस तरह से देखा जाए तो पुलों और स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स की वसूली को लेकर लगभग सभी योजना तैयार कर ली गई. कैबिनेट की बैठक में मिली थी मंजूरी इससे पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में 2 सितंबर को कैबिनेट की बैठक हुई थी. इस बैठक के दौरान टोल वसूली, निगरानी, फी स्ट्रक्चर तैयार करने और संबंधित परामर्श सेवाओं के लिए 30 करोड़ 94 लाख 71 हजार 500 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी. इसके तहत टोल वसूली की व्यवस्था विकसित करने, निगरानी की प्रक्रिया तय करने और जरुरत के अनुसार परियोजनाओं को इकट्ठा कर संचालन की व्यवस्था बनाने में सलाहकार की मदद ली जायेगी.

पटना में अब गर्दनीबाग के अलावा कहीं और नहीं कर सकेंगे धरना-प्रदर्श

पटना (एजेंसी) पटना में धरना-प्रदर्शन करने वालों के लिए गर्दनीबाग ही एकमात्र निर्धारित स्थल है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कहीं और प्रदर्शन करने पर सख्त कार्रवाई होगी। राजधानी पटना में अपनी मांगों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन करने वालों के लिए गर्दनीबाग स्थित निर्धारित धरनास्थल तय किया गया है. जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस स्थल से हटकर किसी अन्य जगह पर धरना-प्रदर्शन करने पर संबंधित लोगों या संगठनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी. इस संबंध में डीएम कुंदन कुमार और एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने आदेश जारी किया है. जिलाधिकारी कुंदन कुमार और वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा ने सभी लोगों और संगठनों से अपनी मांगों को लेकर निर्धारित स्थल पर ही शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन करने की अपील की है. अधिकारियों ने कहा है कि प्रशासन के निदेशों का उल्लंघन करने वाले लोगों और संगठनों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी. दूसरे स्थानों पर प्रदर्शन से यातायात और कामकाज प्रभावित डीएम और एसएसपी ने कहा कि आम लोगों की सुविधा, यातायात का सुचारू संचालन और विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है. निर्धारित धरनास्थल के अलावा अन्य जगहों पर प्रदर्शन होने से सड़कों पर जाम लग सकता है

मांझी के 'तिलचट्टे-झींगुर' वाले बयान पर चिराग पासवान बोले- राजनीति के लिए कुछ भी बोलते हैं

पटना (एजेंसी)देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर हुए हालिया विरोध-प्रदर्शन ने न केवल राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है, बल्कि इसका सीधा असर बिहार की भावी राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। इस प्रदर्शन और प्रदर्शनकारियों को लेकर सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के दो प्रमुख सहयोगी घटकों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दिए गए विवादित बयान के बाद, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सख्त आपत्ति जताते हुए उन पर जोरदार पलटवार किया है। इस राजनीतिक बयानबाजी ने एनडीए के अंदरूनी तालमेल पर

सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं विपक्षी दलों को भी सरकार पर हमला बोलने का एक नया जरिया दे दिया है। 1. विवाद की शुरूआतः जीतन राम मांझी का विवादित सोशल मीडिया पोस्ट पूरे विवाद की शुरूआत तब हुई जब हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के सुप्रीमो और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर जमा हुए प्रदर्शनकारी युवाओं और कार्यकताओं को लेकर अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक बेहद कड़ा और आक्रामक संदेश साझा किया। जीतन राम मांझी ने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नेतृत्व क्षमता की तुलना 'शेर' से करते हुए लिखाः ₹भारत की भूमि शेरों की धरती है। भारत माता ने नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शेर पैदा किए हैं। भारत की धरती पर ऐसे मजबूत नेता पैदा हुए हैं जो कॉकरोचों (तिलचट्टों) और झींगुरों से नहीं डरते।₹ इतना ही नहीं, मांझी ने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी भरे लहजे में यह भी लिखा कि सरकार और प्रशासन को ऐसे 'तिलचट्टों और झींगुरों' से निपटना बहुत अच्छी तरह आता है। मांझी के इस बयान के सामने आते ही राजनीतिक हलकों में हंगामा मच गया और युवाओं तथा राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे लोकतांत्रिक मयार्दा के खिलाफ माना। 2. चिराग पासवान का पलटवारः 'युवाओं के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल अनुचित'जीतन राम मांझी के इस विवादित पोस्ट पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कड़ा रुख अपनाया। चिराग पासवान, जो खुद को युवाओं का प्रतिनिधि मानते हैं, उन्होंने मांझी के बयान से साफ तौर पर असहमति जताई और इसे गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। चिराग पासवान ने मीडिया से बात करते हुए साफ शब्दों में कहाः ₹कुछ लोग अपनी निजी राजनीति चमकाने और राजनीतिक लाभ लेने के लिए कुछ भी बोल देते हैं। ऐसा बयान किसी भी परिदृश्य में नहीं दिया जाना चाहिए। युवाओं को तिलचट्टा और झींगुर जैसे शब्दों से संबोधित करना कहीं से भी जायज और स्वीकार्य नहीं है।₹ चिराग ने आगे कहा कि देश के युवा ही राष्ट्र की असली ताकत हैं। ऐतिहासिक रूप से जब-जब देश में बदलाव की आवश्यकता पड़ी है, इन्हीं युवाओं ने अपने संघर्ष और शक्ति के बल पर देश की दशा और दिशा बदलने का काम किया है। ऐसे में प्रदर्शन कर रहे युवाओं के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना सर्वथा अनुचित है। 3. प्रदर्शन का अधिकार और शांतिपूर्ण विरोध की अपील प्रदर्शनकारियों की मांगों और उनके विरोध प्रदर्शन के तरीके पर अपनी राय रखते हुए चिराग पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक और विशेषकर युवाओं को अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाने और विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि किसी भी विरोध-प्रदर्शन को कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्वक ही किया जाना चाहिए। हिंसा या अराजकता से किसी भी समस्या का समाधान संभव नहीं है।

पटना यूनिवर्सिटी के 37 शिक्षकों का रुका प्रमोशन मंजूर, 49 को भी मिली प्रोन्नति

पटना (एजेंसी) पटना यूनिवर्सिटी की सिंडिकेट बैठक में 37 शिक्षकों की रुकी प्रोन्नति मंजूर की गयी. इसके अलावा 49 शिक्षकों को लेवल 10 से 11 में प्रमोशन देने का निर्णय लिया गया. पटना विश्वविद्यालय में शनिवार को कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सिंडिकेट की बैठक हुई. इसमें शिक्षकों की प्रोन्नति से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लिये गये. लोक भवन के निर्देश पर जिन 37 शिक्षकों की प्रोन्नति रोक दी गयी थी, उन्हें संबंधित पत्र के आलोक में प्रोन्नति देने का निर्णय लिया गया. इसके अलावा 49 शिक्षकों को लेवल 10 से लेवल 11 में प्रोन्नत करने पर भी सहमति बनी. बैठक में वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट पर भी चर्चा की गयी. लोक भवन से मिले पत्र के बाद 37 शिक्षकों की प्रोन्नति मंजूर बैठक में लोक भवन से प्राप्त पत्र के अनुसार उन 37 शिक्षकों को प्रोन्नति देने का निर्णय लिया गया, जिनकी प्रोन्नति पर पहले रोक लगायी गयी थी. इस फैसले से लंबे समय से प्रोन्नति का इंतजार कर रहे संबंधित शिक्षकों को राहत मिली है. हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इन 37 शिक्षकों के नाम और उनके विभागों का अलग-अलग विवरण नहीं दिया गया है. 49 शिक्षकों को लेवल 10 से 11 में प्रमोशन सिंडिकेट की बैठक में

49 शिक्षकों को लेवल 10 से लेवल 11 में प्रोन्नति देने पर भी सहमति बनी. विभिन्न विभागों के शिक्षकों के नाम इस सूची में शामिल हैं. इनमें अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, उर्दू, वनस्पति विज्ञान, भूविज्ञान, भौतिकी, गणित, जूलॉजी और विधि विभाग के शिक्षक शामिल हैं. अर्थशास्त्र, इतिहास और राजनीति विज्ञान के शिक्षक शामिल अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. डाली भारती, श्वेता सिंह, डॉ. सिद्धार्थ भारद्वाज और डॉ. प्रीति कुमारी के नाम शामिल हैं. इतिहास विभाग से डॉ. अविनाश कुमार, डॉ. सिस्टर सेलीन क्रास्टा एसी और डॉ. दीप्ति तिवारी के नाम दिये गये हैं. राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. अमृता जायसवाल, डॉ. रिशु राज, डॉ. अर्चना और डॉ. विनीता प्रियदर्शी को प्रोन्नति देने पर सहमति बनी. अंग्रेजी, हिंदी और अन्य मानविकी विषयों के शिक्षक अंग्रेजी विभाग से डॉ. ऋचा और डॉ. निखिला नारायण के नाम शामिल हैं, जबकि हिंदी विभाग से डॉ. शिप्रा प्रभा और डॉ. कुमार धनंजय के नाम दिये गये हैं. अन्य मानविकी विषयों में मनोविज्ञान से निधि सिंह और मैथिली से डॉ. जीबछ राम का नाम शामिल है. संस्कृत विभाग से डॉ. सीएसआर लिंगा रेड्डी, दीपेंद्र किशोर आर्य और डॉ. हरीश दास के नाम सूची में हैं. उर्दू से डॉ. मोहम्मद जलालुद्दीन, डॉ. सोहेल अनवर, डॉ. वाल्मिकी राम और डॉ. अब्दुल बासित हमीदी के नाम दिये गये हैं. डॉ. राखी कुमारी का नाम भी सूची में शामिल है. बॉटनी और जियोलॉजी विभाग के शिक्षकों को भी प्रोन्नति बॉटनी और जियोलॉजी विभाग से धीरज गौतम, डॉ. पूनम रंजन, डॉ. सौम्या श्रीवास्तव, राज लक्ष्मी सिंह, शेखर, डॉ. प्रहलाद कुमार आर्य, डॉ. भावुक शर्मा और डॉ. सायेमा जमाल के नाम शामिल हैं. उपलब्ध विवरण में राज लक्ष्मी सिंह को बॉटनी और डॉ. सायेमा जमाल को जियोलॉजी विभाग से संबंधित बताया गया है. भौतिकी और गणित विभाग के नाम भी सूची में भौतिकी विभाग से मुकेश चंद्र बोस, डॉ. मनीष आनंद और डॉ. सोनू रानी के नाम दिये गये हैं. गणित विभाग से अविनाश कुमार को प्रोन्नति देने पर सहमति बनी. इसके अलावा भौतिकी विभाग की डॉ. अमृता और डॉ. मनीष कुमार वर्मा की प्रोन्नति की प्रभावी तिथि में बदलाव के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया. जूलॉजी और लॉ विभाग के शिक्षकों के नाम जूलॉजी विभाग से डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. सुजाता कुमारी, डॉ. रंजना, डॉ. बबिता शर्मा, डॉ. प्रियंका शर्मा, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. दिलीप कुमार और डॉ. गजेंद्र कुमार आजाद के नाम शामिल हैं. लॉ विभाग से डॉ. रुचि सिंह, सौरभ, सतीश कुमार और डॉ. गुरु प्रकाश को प्रोन्नति देने पर सहमति बनी. वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट पर भी चर्चा सिंडिकेट की बैठक में शिक्षकों की प्रोन्नति के साथ वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट पर भी चर्चा हुई. बैठक में लिये गये फैसलों के आगे की प्रक्रिया और संबंधित शिक्षकों की प्रोन्नति के क्रियान्वयन को लेकर विश्वविद्यालय की ओर से जारी होने वाले आधिकारिक विवरण पर नजर रहेगी.

नवरात्रि में देवी की पूजा, पर वृद्धाश्रम में मांएं अकेली, किसी का बेटा पुलिसकर्मी तो किसी के बेटे ने ही दी जान से मारने की धमकी

पटना (एजेंसी) नवरात्रि में देवी की उपासना के बीच वृद्धाश्रमों में रह रहीं बुजुर्ग मांओं की पीड़ा सामने आई है. किसी ने ताड़ी बेचकर बच्चों को पाला, तो कोई अपनों से दूर है. नवरात्रि पर जहां देवी की उपासना हो रही है, वहीं जन्मदात्री कुछ माताएं वृद्धाश्रम की चारदीवारी के भीतर घुट-घुटकर जिंदगी गुजार रही है. राज्य के वृद्धाश्रमों रह रहीं महिलाओं में करीब 90 प्रतिशत विधवा हैं. पति के चले जाने के बाद जिन संतानों को अपना सहारा समझा, उन्हीं बच्चों ने जरूरतों के पूरा होते ही इन माताओं को अपने जीवन और घरों से बेदखल कर दिया. ताड़ी बेचकर बच्चों को पाला बदले में मिली दुत्कार पटना के वृद्धाश्रम में पांच वर्षों से रह रहीं 01 शांति देवी पैरों से दिव्यांग है. बचपन में ही सिर से मां का साया उठ गया था और शादी के बाद पति भी साथ

छोड़ गये. संघर्ष की इंतहा यह रही कि शांति देवी ने ताड़ी बेचकर अपने एक बेटे और बेटी का पालन-पोषण किया, लेकिन बुढ़ापे में जब सहारे की जरूरत थी, तो बेटे और बहू ने गालियां देकर घर से निकाल दिया. आंखों में दर्द समेटे शांति देवी कहती है-'हम मां हैं, आज भी बच्चों की याद आती है.' एक बेटा पुलिसकर्मी, दूसरा शिक्षक फिर भी मां छह साल से है बेघर95 वर्ष की उम्र के उस पड़ाव पर, जहां सिर्फ अपनों का दुलार चाहिए, मुन्ना देवी पिछले छह सालों से वृद्धाश्रम में रह रही है. दूसरों के घरों में झाड़-पोछा और बर्तन करके उन्होंने तीन बेटों का भविष्य संवारा, उनका एक बेटा पुलिसकर्मी है और दूसरा शिक्षक, आज उनकी आवाज लड़खड़ाती है और याददाश्त धुंधली हो चुकी है, लेकिन कांपती आंखों में आज भी अपने घर और बच्चों को ढूंढने की बेचैन तड़प साफ दिखाई देती है. बेटे ने जान से मारने की धमकी दी, छिपकर काट रही हैं दिन पति के निधन के बाद 62 वर्षीय कलावती देवी को अपने ही सगे बेटे से जान का खतरा है. आरोप है कि बेटा उन्हें अपनी ही बेटी से बात करने पर प्रताड़ित और गाली-गलौज करता था. जब उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से की, तो बेटे ने जान से मारने की धमकी दे डाली. खौफजदा कलावती देवी ने अपना ही घर छोड़ दिया और अब पहचान छिपाकर वृद्धाश्रम की शरण में दिन काट रही है. पति के जाने के बाद बदल गया व्यवहार गिरजा देवी चार वर्षों से वृद्धाश्रम में है. 88 वर्षीया गिरजा देवी बताती हैं कि पति के जिंदा रहने तक सब ठीक था, लेकिन उनके गुजरते ही बेटे और बहू का मिजाज बदल गया, घर में सम्मान और अपनापन छीन जाने के बाद वे चुपचाप वृद्धाश्रम चली आयी.

पटना-प्रयागराज के बीच आज से चलेगी मेला स्पेशल ट्रेन, दानापुर-आरा सहित इन स्टेशनों पर होगा ठहराव

पटना (एजेंसी) पटना-प्रयागराज के बीच नवरात्र मेले के लिए स्पेशलट्रेन आज से शुरू हो रही है. 26 अक्टूबर तक प्रतिदिन चलने वाली इस ट्रेन का पूरा शेड्यूल जानें. विंध्याचल में शारदीय नवरात्र मेले के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पटना और प्रयागराज के बीच अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है. ट्रेन का परिचालन 11 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन किया जाएगा. इस व्यवस्था से नवरात्र मेले में आने-जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सेवा मिलेगी. रेलवे ने दोनों दिशाओं में ट्रेन के समय की जानकारी दी है. प्रतिदिन चलेगी ट्रेन विंध्याचल में लगने वाले शारदीय नवरात्र मेले के मद्देनजर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए पटना और प्रयागराज के बीच अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. यह ट्रेन 11 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन चलेगी. त्योहार के दौरान

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यह व्यवस्था की गयी है. प्रयागराज से पटना आने वाली ट्रेन का समय गाड़ी संख्या 04182 प्रयागराज-पटना मेला स्पेशल 11 से 26 अक्टूबर तक प्रतिदिन प्रयागराज से सुबह 11:15 बजे रवाना होगी. ट्रेन उसी दिन रात 20:15 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी. इस समय-सारिणी के अनुसार, प्रयागराज से पटना आने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सेवा का विकल्प मिलेगा. पटना से प्रयागराज जाने वाली ट्रेन कब खुलेगी वापसी में गाड़ी संख्या 04181 पटना-प्रयागराज मेला स्पेशल 11 से 26 अक्टूबर तक प्रतिदिन पटना जंक्शन से रात 21:00 बजे खुलेगी. ट्रेन अगले दिन सुबह 06:30 बजे प्रयागराज पहुंचेगी. यात्रियों को रात में सफर की योजना बनाते समय ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान और आगमन समय का ध्यान रखना होगा. 16 दिनों तक प्रतिदिन होगा परिचालन रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, दोनों अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन 11 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक निर्धारित है.

मसौढ़ी में आज 6 घंटे गुल रहेगी बिजली

पटना (एजेंसी) मसौढ़ी में 11 अक्टूबर को 6 घंटे बिजली गुल रहेगी। टाउन पश्चिम और ईस्ट फीडर से जुड़े कई इलाके प्रभावित होंगे। : मसौढ़ी शहर में रविवार, 11 अक्टूबर को 11 केवी बिजली तार की शिफ्टिंग के कारण कई मोहल्लों में छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक दो फीडरों से जुड़े इलाकों में बिजली नहीं रहेगी. विद्युत विभाग ने संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं से पहले से पानी का पर्याप्त भंडारण करने की अपील की है. टाउन पश्चिम फीडर के ये इलाके होंगे प्रभावित विद्युत विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, 11 केवी टाउन पश्चिम फीडर से जुड़े कपूरी चौक, व्यापार मंडल, पुरानी बाजार, सतीस्थान और मुख्य सड़क पर सिनेमाघर तक दक्षिण की ओर के

इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी. टाउन ईस्ट फीडर से जुड़े मोहल्लों में भी कटौती 11 केवी टाउन ईस्ट फीडर के मालमाचक, संगतपर, महाराजचक और जतीचक इलाके भी बिजली कटौती से प्रभावित रहेंगे. विभाग के अनुसार, 11 केवी तार की शिफ्टिंग का काम पूरा करने के लिए निर्धारित समय तक शटडाउन लिया जाएगा. पहले से पानी जमा करने की अपील सहायक विद्युत अभियंता, मसौढ़ी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिजली कटौती शुरू होने से पहले पीने और घरेलू जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी जमा कर लें. इससे आपूर्ति बाधित रहने के दौरान लोगों को परेशानी का

गंगा नदी पर 4250 करोड़ से बन रहा 6 लेन शेरपुर दीघवारा पुल

पटना (एजेंसी) पटना और सारण के बीच 14.5 किमी लंबा छह-लेन शेरपुर-दिगवारा मार्ग निर्माणधीन है. यह परियोजना यात्रा को आसान बनाएगी और शहर के जाम को कम करेगी. जानें क्या है पूरी योजना. : पटना और सारण जिलों के बीच आवागमन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से छह लेन वाले शेरपुर-दिगवारा मार्ग का निर्माण कार्य प्रगति पर है. इस परियोजना से दोनों जिलों के बीच यात्रा अधिक सुविधाजनक बनाने और सड़क परिवहन की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है. इस परियोजना के शुरू होने के बाद राजधानी में जाम से भी निजात मिलेगी. निर्माण कार्य को लेकर बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग की ओर से जानकारी दी गई है. पथ निर्माण विभाग ने अपने ऑफिशियल वेबसाइट पर ट्वीट कर

इसकी जानकारी दी है. 14.5 किलोमीटर लंबा होगा मार्ग जानकारी अनुसार शेरपुर-दिगवारा मार्ग की कुल लंबाई 14.5 किलोमीटर निर्धारित की गई है. परियोजना के लिए 4,250 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति राशि बतायी गयी है. छह लेन का यह मार्ग क्षेत्र में यातायात को सुगम बनाने और सड़क संपर्क को बेहतर करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. करीब 30 किलोमीटर तक कम हो सकती है दूरी परियोजना पूरी होने के बाद शेरपुर और दीघवारा के बीच यात्रा की दूरी लगभग 30 किलोमीटर तक कम होने का दावा किया जा रहा है. इससे यात्रियों को समय और ईंधन की बचत हो सकती है. हालांकि, वास्तविक बचत यात्रा के शुरूआती और अंतिम स्थान तथा चुने गए मार्ग पर निर्भर करेगी. पटना और सारण के बीच आवागमन को मिलेगा बढ़ावा इस सड़क परियोजना के पूरा होने के बाद पटना और सारण जिलों के बीच आने-जाने वाले लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने की उम्मीद है. सड़क की क्षमता बढ़ने से क्षेत्रीय संपर्क को मजबूती मिल सकती है. हालांकि, परियोजना की निर्धारित समयसीमा, निर्माण की मौजूदा स्थिति और यातायात शुरू होने की तारीख से संबंधित जानकारी उपलब्ध नहीं करायी गयी है. छपरा, सिवान और गोपालगंज जाने वालों को मिलेगा फायदा नई सड़क कनेक्टिविटी से छपरा, सिवान, गोपालगंज और हाजीपुर की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है. इस मार्ग से लंबी दूरी के कई वाहनों को पटना शहर के भीतरी हिस्सों से गुजरने की जरूरत कम हो सकती है. इससे शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव घटाने में मदद मिल सकती है. शेरपुर-दीघवारा संपर्क विकसित होने से लंबी दूरी के वाहनों को वैकल्पिक मार्ग मिल सकता है. इससे शहर के भीतर जाम कम करने की संभावना है, हालांकि इसका वास्तविक असर परियोजना के पूरा होने,इसके चालू होने पर पटना और आसपास के क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क में सुधार की उम्मीद है. इससे यात्रियों के साथ-साथ माल ढुलाई करने वाले वाहनों को भी लाभ मिल सकता है. परियोजना की समयसीमा, मौजूदा निर्माण प्रगति और पुल चालू होने की तारीख की आधिकारिक पुष्टि के बाद ही इसके शुरू होने से जुड़ी निश्चित जानकारी दी जा सकती है.

सुजलॉन 550 करोड़ से तीन एआई आधारित 'विंड ब्लेड' कारखाने लगाएगी

चेन्नई ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सुजलॉन समूह देश में पवन ऊर्जा उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अपने विशाल ऑर्डर बुक के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए 550 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश कर रहा है। कंपनी तीन नए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित पवन टर्बाइन ब्लेड (विंड ब्लेड) कारखाने स्थापित करेगी, जिससे विनिर्माण क्षमता बढ़ेगी और तेजी से ऑर्डर पूरे किए जा सकेंगे। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार, इनमें से दो संयंत्र गुजरात और कर्नाटक में, जबकि तीसरा तमिलनाडु में स्थापित किया जाएगा। कुल 550 करोड़ रुपए के निवेश में से तमिलनाडु इकाई पर 200 करोड़ रुपए और शेष 350 रुपए करोड़ गुजरात व कर्नाटक की परियोजनाओं पर खर्च होंगे। ये कारखाने 2027 तक तैयार होने की उम्मीद है और इनका वित्तपोषण कंपनी अपने आंतरिक स्त्रोतों से करेगी। ये नए संयंत्र स्मार्ट फैक्ट्रियों के रूप में विकसित होंगे, जहां एआई, रोबोटिक्स और डिजिटल प्रणालियों का व्यापक उपयोग होगा, जिससे उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता में सुधार आएगा। पवन ऊर्जा स्थलों के निकट होने से परिवहन भी सुधरेगा। इन इकाइयों से लगभग 3,000 प्रत्यक्ष और 12,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है, जिनमें से 80त्न ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। सुजलॉन के पास मार्च 2026 तक लगभग छह गीगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं के ऑर्डर हैं, जिन्हें पूरा करने में ये कारखाने अहम भूमिका निभाएंगे। सरकार भी देश में निर्मित कुशल पवन ऊर्जा उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

नए ऑर्डर और कोटक की रेटिंग अपग्रेड से केईसी इंटरनेशनल के शेयर उछले

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में भारी गिरावट झेलने के बाद केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में उछाल आया। 1,030 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिलने पर कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने इसकी रेटिंग ऐड में अपग्रेड की, हालांकि लक्ष्य मूल्य 470 से घटाकर 400 रुपये कर दिया। शुक्रवार को केईसी इंटरनेशनल का शेयर 5.67 फीसदी चढ़कर 369.70 रुपये पर बंद हुआ, हालांकि यह अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 893.95 रुपये से काफी नीचे है। कोटक के अनुसार, भारत में बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार (अगले 10 वर्षों में 7.9 लाख करोड़ निवेश संभावित) और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से कंपनी को लाभ होगा। ब्रोकरेज ने केबल और वायर कारोबार (अगले 3-4 वर्षों में 5,000 करोड़ राजस्व अनुमानित) तथा पश्चिमी एशियाई बाजारों में भी नए प्रोजेक्ट की उम्मीद जताई है। हालांकि, भुगतान में देरी, बढ़ती लागत और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि वित्त वर्ष 27-28 की पहली छमाही तक मुनाफे पर दबाव रह सकता है। नए ऑर्डर से उम्मीदें बढ़ी हैं, लेकिन शेयर में आगे की तेजी कंपनी की वास्तविक कमाई और मुनाफे में सुधार पर ही निर्भर करेगी।

एच-1बी विवाद पर माइक्रोसाफ्ट बोला- 80 फीसदी आवेदन मौजूदा कर्मचा रियों के लिए

ट्रंप-युग की पाबंदियों के बीच कंपनी ने वीजा नीति पर दी सफाई, आरोपों को किया खारिज

वाशिंगटन ।

अमेरिकी प्रशासन द्वारा दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ग्रीन कार्ड प्रायोजित करने की क्षमता पर रोक लगाने के बाद, कंपनी ने अपनी एच-1बी वीजा नीति का जोरदार बचाव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत एच-1बी आवेदन नए कर्मचारियों की भर्ती के बजाय पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति को बदलने या बढ़ाने के लिए थे। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में उसके 6,000 एच-1बी आवेदनों में से लगभग 80 प्रतिशत पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति बदलने के लिए थे, न कि नए कर्मचारियों की भर्ती के लिए। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, शेष आवेदन अमेरिका में पहले से कानूनी तौर पर रह रहे लोगों के लिए थे, जो कंपनी में शामिल हुए। ये आवेदन उसके अमेरिकी कार्यबल के लगभग एक प्रतिशत से संबंधित थे।

माइक्रोसॉफ्ट ने कम वेतन के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि एच-1बी कर्मचारियों को समान काम के लिए बराबर वेतन दिया जाता है। यह सफाई तब आई जब ट्रंप प्रशासन ने रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड प्रायोजन पर रोक लगाई। कंपनी ने अमेरिकी कार्यबल पर भरोसा जताते हुए प्रशासन को अतिरिक्त जानकारी देने की पेशकश की है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने प्रतिबंध के कानूनी आधार, अवधि और प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 तक 11 प्रतिशत टूटा निफ्टी, वैश्विक चुनौतियों ने बिगाड़ी बाजार की चाल

मुंबई।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण दौर रहा। मजबूत घरेलू आर्थिक वृद्धि और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के समर्थन के बावजूद वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों ने बाजार की रफ्तार पर असर डाला। इस अवधि में निफ्टी इंडेक्स 11 प्रतिशत गिर गया, जबकि इसके अधिकांश घटकों ने नकारात्मक रिटर्न दर्ज किए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस कमजोरी की प्रमुख वजहें बाहरी कारक रहे, जिनमें अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें, रुपए में कमजोरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 3.04 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले 2025 में भी एफपीआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। लगातार निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिया।

सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इंफोसिस, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल रहे। इन सभी में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयरों में 22 से 29 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। कुल मिलाकर निफ्टी के लगभग 20 शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी रही।

हालांकि बाजार में कुछ शेयरों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। श्रीराम फाइनेंस टॉप गेनर रहा और इस दौरान उसके शेयर में करीब 49 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसी दौरान टाइटन कंपनी, अदाणी पोर्ट्स और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 21 से 27 प्रतिशत तक चढ़े। वहीं नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एक्सिस बैंक ने भी 10 प्रतिशत से अधिक का सकारात्मक रिटर्न दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि निकट भविष्य में बाजार सीमित दायरे में रह सकता है।

निवेशकों की नजर अभी भी कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर बनी हुई है। हालांकि दूसरी तिमाही के कॉरपोरेट नतीजों के मजबूत रहने की उम्मीद है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक मैक्रो-आर्थिक चिंताएं किसी भी बड़ी और स्थायी तेजी को सीमित कर सकती हैं।

टाटा मोटर्स ने इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की बोली बढ़ाई

- अब 3.91 अरब यूरो तक पहुंच सकती है कीमत

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने इटली की कमर्शियल व्हीकल निर्माता इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए अपनी पेशकश को और बढ़ा दिया है। नियामक मंजूरियों में हो रही देरी को देखते हुए कंपनी ने प्रति शेयर ऑफर प्राइस में 0.30 यूरो का इजाफा किया है। इसके बाद अब नया ऑफर प्राइस 14.40 यूरो प्रति शेयर हो गया है। अगर सभी शेयरधारक इस संशोधित ऑफर को स्वीकार करते हैं, तो इस सौदे की कुल कीमत बढ़कर लगभग 3.91 बिलियन यूरो (लगभग 39,100 करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है। पहले टाटा मोटर्स ने 14.10 यूरो प्रति शेयर का ऑफर दिया था। टाटा मोटर्स अपनी सब्सिडियरी टीएमएल सीवी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए यह अधिग्रहण कर रही है। कंपनी ने 2025 में इवेको के डिफेंस कारोबार को छोड़कर बाकी पूरे बिजनेस को खरीदने की योजना बनाई थी, जिसकी अनुमानित कीमत पहले लगभग 3.8 बिलियन यूरो थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि नियामक मंजूरियों में लगने वाले अधिक समय के कारण उसने यह फैसला लिया है। हालांकि, टाटा मोटर्स ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अब इस कीमत में कोई और बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह नया ऑफर 17 जुलाई 2025 को इवेको के शेयर भाव से 33.47 फीसदी और 29 जुलाई 2025 को डील के आधिकारिक ऐलान से ठीक पहले के भाव से 6.77 फीसदी ज्यादा है।

अयोध्या के श्री राम मंदिर को 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' का प्रमाण पत्र

मंदिर परिसर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के अनुपालन पर मुहर, दो साल तक रहेगा मान्य

नई दिल्ली ।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रतिष्ठित ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप प्रमाण पत्र प्रदान किया है। यह सम्मान मंदिर परिसर में प्रसाद व अन्य खाद्य पदार्थों की तैयारी एवं वितरण में उच्च खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के सख्त अनुपालन के लिए दिया गया है। यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र 11 अक्टूबर, 2026 से 10 अक्टूबर, 2028 तक दो साल की अवधि के लिए मान्य होगा। शनिवार को अयोध्या में आयोजित एक विशेष समारोह में एफएसएसएआई के एक अधिकारी ने यह प्रमाणपत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंपा था। इसकी जानकारी एफएसएसएआई ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से दी।

एफएसएसएआई की ईट राइट प्लेसेज ऑफ वर्शिप पहल ईट राइट इंडिया अभियान का एक अभिन्न अंग है। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसाद या भोजन मिल सके। यह पहल धार्मिक संस्थानों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने, अनियमितताओं को रोकने और संबंधित नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। माणपत्र जारी करने से पहले एफएसएसएआई एक विस्तृत ऑडिट प्रक्रिया अपनाता है, जिसमें प्रारंभिक ऑडिट, संबंधित संस्थान को प्रशिक्षण और फिर तृतीय-पक्ष एजेंसियों द्वारा अंतिम ऑडिट शामिल है।

एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली का आंकड़ा तीन लाख करोड़ के पार

सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा, जिससे चालू वर्ष में उनकी कुल निकासी 3.04 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई है। अक्टूबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 44,166 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड पर बढ़ते प्रतिफल जैसे वैश्विक कारकों को इस निकासी का मुख्य कारण माना जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि, जुलाई और अगस्त के महीनों में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ और 29,631 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था, जो मौजूदा बिकवाली के उलट एक राहत भरी तस्वीर थी। इस वर्ष अब तक हुई 3.04 लाख करोड़ रुपये की कुल निकासी पिछले पूरे वर्ष 2025 की 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली के मुकाबले काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार से विदेशी पूंजी के लगातार पलायन को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बिकवाली को भारत की निवेश क्षमता पर अविश्वास के रूप में देखने के बजाय वैश्विक स्तर पर पूंजी के पुनर्वितरण के तौर पर समझा जाना चाहिए। बाजार के जानकारों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा, मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल निवेशकों को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित कर रहे हैं।

उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी तेजी भी विदेशी पूंजी को अपनी ओर खींच रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस भारी बिकवाली के कारण ही चालू वर्ष में निफ्टी में 13.87 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो भारतीय बाजार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की प्रमुख वजह रही है।

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध बिकवाली की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका रुझान फिलहाल भारतीय संपत्तियों से दूर बना हुआ है।

अदाणी डिफेंस को उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन पुरस्कार

रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) का प्रतिष्ठित चैंपियन अवॉर्ड-2026 प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में राजधानी में एसआईडीएम के आठवें वार्षिक सत्र में यह सम्मान दिया। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को उसके उल्लेखनीय निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन अवॉर्ड-2026 से नवाजा गया है। यह पुरस्कार कंपनी के भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर ले जाने के प्रयासों को मान्यता देता है। कंपनी उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित अपने अत्याधुनिक विनिर्माण परिसर में छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का उत्पादन करती है। इस सुविधा की वार्षिक उत्पादन क्षमता 30 करोड़

राउंड है, जिसमें स्वचालित तकनीक, एआई आधारित गुणवत्ता जांच और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि यह सम्मान भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

भारत में एआई शिक्षा व बच्चों की सुरक्षा पर डब्ल्यूईएफ का जोर

नई दिल्ली ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक एआई विशेषज्ञ ने भारत में शिक्षा प्रणाली में कृत्रिम मेधा (एआई) साक्षरता को एकीकृत करने और बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया है। उन्होंने आगाह किया कि जहां एआई बच्चों के लिए नए अवसर पैदा करता है, वहीं हानिकारक सामग्री और निजता के उल्लंघन जैसे गंभीर जोखिम भी लाता है। उन्होंने भारत की विविधता के अनुरूप स्थानीय भाषाओं और डिजिटल साक्षरता पर आधारित एआई सुरक्षा उपायों की वकालत की। उन्होंने एआई साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने और बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली एआई प्रणालियों में अनिवार्य सुरक्षा आकलन का सुझाव दिया। उन्होंने माडल परीक्षण में बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की भागीदारी पर जोर दिया, साथ ही बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को सरकारी प्रोत्साहन देने की बात कही। उनके अनुसार, सुरक्षा और नवोन्मेषण विरोधी नहीं, बल्कि पूरक लक्ष्य हैं। उन्होंने बच्चों की उम्र और विकास के अनुकूल मजबूत डिफ़ॉल्ट सुरक्षा उपायों, सरल निजता सेटिंग्स और अभिभावकीय नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया।

लागत के बढ़ते बोझ से प्रभावित हो सकता है एफएमसीजी का परिचालन मुनाफा

सितंबर तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत और ग्रामीण मांग में कमी से परिचालन मार्जिन पर असर

नई दिल्ली ।

सितंबर तिमाही में देश की रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और ग्रामीण मांग में संभावित सुस्ती के कारण उनके परिचालन मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है।

ब्रोकरेज रिपोर्टों के अनुसार, कच्चे तेल और अन्य प्रमुख जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी ने एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ाई है।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट की एक रिपोर्ट बताती है कि कम बारिश से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित होने की आशंका है, जो मुनाफे पर असर डाल सकती है।

खाद्य महंगाई आगे चलकर शहरी मांग को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे कंपनियों के ऐ बिटा मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। डाबर इंडिया और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियों ने लागत वृद्धि से मार्जिन पर दबाव स्वीकार किया है, हालांकि वे मजबूत राजस्व वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

डाबर ने लागत बचत और चरणबद्ध मूल्य वृद्धि से प्रभाव कम करने की बात कही है। वहीं, मैरिको ने खोपरा की कीमतों में कमी और अनुकूल उत्पाद मिश्रण के चलते बेहतर सकल मार्जिन का अनुमान लगाया है, जो बढ़ती लागत के प्रभाव को कुछ हद तक कम करेगा।

कुल मिलाकर, यह तिमाही एफएमसीजी कंपनियों के लिए राजस्व वृद्धि और मुनाफे में धीमी वृद्धि का मिला-जुला दौर साबित हो सकती है, जहां लागत नियंत्रण और उपभोक्ता मांग महत्वपूर्ण कारक होंगे।

कंपनियों के तिमाही परिणामों, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

एस बॉन्ड यील्ड और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद अब निवेशकों का ध्यान कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों और देश के प्रमुख महंगाई आंकड़ों पर केंद्रित हो गया है। आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा तय करने में ये घरेलू संकेतक अहम भूमिका निभाएंगे। अगले सप्ताह एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो जैसी आईटी दिग्गज, साथ ही एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे वित्तीय क्षेत्र के बड़े खिलाड़ी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगे। इन नतीजों से न केवल संबंधित कंपनियों के शेयरों की चाल तय होगी, बल्कि यह पूरे सेक्टर और समग्र बाजार की निवेश धारणा को भी प्रभावित करेगा।

तिमाही नतीजों के साथ, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होने हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और आगामी ब्याज दरों के फैसलों पर सीधा असर डाल सकते हैं, जिससे निवेशकों की उम्मीदें प्रभावित होंगी। घरेलू मोर्चे के अलावा, वैश्विक परिस्थितियां भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव एक प्रमुख चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से 3 लाख टन से अधिक डीजल की तत्काल आपूर्ति (जिसमें नवंबर में 5 लाख टन और उसके बाद 10 लाख टन अतिरिक्त शामिल है) की घोषणा कुछ हद तक ऊर्जा बाजार को स्थिरता प्रदान कर सकती है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बना रहना वैश्विक पूंजी प्रवाह और उभरते बाजारों पर दबाव बनाए रख सकता है।

नेटफ्लिक्स में फिर छंटनी की आशंका, सैकड़ों कर्मचारियों पर लटकी तलवार

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी अगले सप्ताह कर सकती है घोषणा

नई दिल्ली ।

वीडियो स्ट्रीमिंग की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कंपनी अगले सप्ताह की शुरुआत में अपने लगभग 5 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की आधिकारिक घोषणा कर सकती है, जिससे सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। यह कदम वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जारी व्यापक छंटनी के रुझान के बीच आया है, जहां कंपनियां परिचालन लागत और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी से कंपनी के मौजूदा कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। वर्ष 2025 के अंत तक नेटफ्लिक्स में लगभग 16,000 कर्मचारी कार्यरत थे, ऐसे में 5 प्रतिशत की कटौती का अर्थ सैकड़ों लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ सकती है। हालांकि, नेटफ्लिक्स ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कंपनी में इससे पहले वर्ष 2022 में भी बड़े स्तर पर छंटनी हुई थी, जब कारोबार की धीमी वृद्धि और ग्राहकों की संख्या में गिरावट के कारण सैकड़ों कर्मचारियों को हटाया गया था। यह संभावित फैसला स्ट्रीमिंग उद्योग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच आया है। गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब लगातार दर्शकों और विज्ञापन से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा, कई मीडिया कंपनियां अपने कारोबार को मजबूत करने के लिए विलय और एकीकरण जैसे कदम उठा रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, नेटफ्लिक्स ने पारंपरिक सदस्यता आधारित कारोबार से आगे बढ़कर विज्ञापन, लाइव कार्यक्रमों और गेमिंग जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार किया है। हालांकि, इन नई गतिविधियों के बावजूद कंपनी के सामने परिचालन लागत और कड़ी प्रतिस्पर्धा से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरियों में कटौती के व्यापक पैटर्न का हिस्सा है।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने लॉन्च किया कलर-कोटेड इस्पात

800 करोड़ की बोकारो विस्तार योजना का हिस्सा, घरेलू मांग व पीएलआई प्रोत्साहन से मिली ताकत

नई दिल्ली ।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने घरेलू बाजार में विशेष इस्पात की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए बोकारो में कलर-कोटेड इस्पात का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह नई उत्पादन लाइन कंपनी की 800 करोड़ रुपये की विस्तार योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया` कि यह उत्पाद बुनियादी ढांचे, वाहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केंद्र की पीएलआई योजना के तहत स्थापित है, जिससे मूल्यवर्धित इस्पात में कंपनी की स्थिति मजबूत होगी। कलर-कोटेड इस्पात अपनी बेहतर जंग प्रतिरोधक क्षमता के कारण कई उद्योगों के लिए उपयोगी है। अब तक इस्पात कॉइल, शीट, पाइप व टीएमटी सरिया बनाती रही बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज के लिए यह लाइन नए डाउनस्ट्रीम इस्पात परिसर का पहला चरण है। 5 लाख टन क्षमता वाले इस परिसर में भविष्य में कोटेड स्टील की अतिरिक्त लाइनें भी लगेंगी। कंपनी फिलहाल घरेलू बाजार पर केंद्रित है, पर भविष्य में

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी प्रवेश पर विचार करेगी। ऊर्जा आपूर्ति हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से पीएनजी आपूर्ति के लिए भी साझेदारी की गई है।

मोदी ने तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

चेन्नई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु की राजधानी में रेलवे, बंदरगाह, राजमार्ग, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास किया।
दिल्ली से यहां पहुंचे श्री मोदी का हवाई अड्डे पर राज्यपाल आर वी आर्लेकर, मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, राज्य के मंत्रियों, भाजपा नेताओं और राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रही अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेताओं ने स्वागत किया। स्वागत करने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी प्रमुख रूप से शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे की शुरूआत मुख्यमंत्री के साथ चेन्नई मेट्रो ट्रेन में सफर करके की। मई में मुख्यमंत्री बनने के बाद श्री विजय पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर रहे थे।
दोनों नेताओं ने चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के चरण-दो के पहले 14.64 किलोमीटर लंबे हिस्से के तहत आने वाले पोरूर बाइपास स्टेशन से पूनमल्ली बाइपास स्टेशन तक और वहां से वापस मेट्रो की सवारी की। इसके बाद उन्होंने करीब 4,900 करोड़ रुपये की लागत से बने मेट्रो परियोजना के चरण-दो के पूनमल्ली-वडपलनी हिस्से का उद्घाटन किया। इस पूरे मार्ग में 3.7 किलोमीटर लंबा एक अनोखा डबल-डेकर ढांचा शामिल है। इसके अलावा इसमें बिना ड्राइवर के ट्रेन परिचालन का समर्थन करने वाली अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली भी मौजूद है। इस नये मार्ग से दैनिक यात्रियों के समय की बचत होगी और तेजी से विकसित हो रहे चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों का मुख्य शहर से संपर्क और बेहतर होगा।मेट्रो सफर के बाद वे सड़क मार्ग से आईआईटी-मद्रास पहुंचे, जहां उन्होंने जलकंडेश्वर मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की।
इसके बाद उन्होंने आईआईटी-मद्रास के 'ब्रेन सेंटर' का दौरा किया, शीर्ष 10 स्टार्टअपों के संस्थापकों से बातचीत की और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले और दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की। बाद में आयोजित एक जनसभा में प्रधानमंत्री ने 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण किया। इनमें चेन्नई मेट्रो के चरण-दो का पहला हिस्सा, राष्ट्रीय राजमार्ग 744 (एनएच-744) और 744ए की फोर-लेन परियोजना, चेन्नई, वीओसी एवं कामराजर बंदरगाहों की प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएं और पलानी, नमक्कल, परमकुडी, अंबासमुद्रम तथा वेल्लोर छावनी में पुनर्विकसित किये गये पांच अमृत भारत रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने एनएच-83 पर फोर-लेन तिरुवारूर बाइपास के निर्माण, दक्षिणी तिरुनेलवेली जिले के ओट्टापिडारम, अनुप्पनकुलम और कयाथारू में 250 मेगावाट/500 मेगावाट की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीईएसएस) तथा चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की मनाली रिफाइनरी में ग्रुप दो/तीन ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक्स (एलओबीएस) परियोजना की आधारशिला रखी।
श्री मोदी ने कराईकल-पेरलम रेल लाइन और कोयंबटूर में तीन रेलवे ओवर ब्रिज भी देश को समर्पित किए और ब्रेन एटलस और '100 ह्यूमन ब्रेन्स' मिशन की घोषणा की, जिसका मकसद इंसानी ज़िंदगी और बीमारियों के बारे में 3डी ब्रेन एटलस का सेल-रिज़ॉल्यूशन आम जनता की पहुंच में लाना, तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान को आगे बढ़ाना और स्ट्रोक समेत ब्रेन डिसऑर्डर के बारे में नयी जानकारी देना है। आईआईटी मद्रास में सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर को समर्पित करने के साथ ही एक ग्लोबल साइंटिफिक मिशन की शुरूआत हुई, जिसके तहत 100 से ज्यादा इंसानी दिमागों को सेलुलर रिज़ॉल्यूशन पर थ्री-डायमेंशनल एटलस में मैप किया जाएगा, जिसमें भ्रूण से लेकर बुजुर्गावस्था तक की इंसानी ज़िंदगी शामिल होगी।
इस पहल का मकसद इंसानी दिमाग की वैज्ञानिक समझ को गहरा करना और तंत्रिका विज्ञान में अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री ने सी-स्ट्रोक भी रिलीज किया, जिसे एक पायनियरिंग ह्यूमन इस्केमिक स्ट्रोक एटलस बताया गया है, जिसमें स्ट्रोक से प्रभावित दिमाग के 1,000 से ज्यादा एनोटेटेड माइक्रोस्कोपिक सेक्शन हैं। उम्मीद है कि यह रिसोर्स दुनिया भर के अनुसंधानकताओं को स्ट्रोक के कार्यप्रणाली की जांच करने और संभावित नये थेराप्यूटिक टारगेट की पहचान करने में मदद करेगा। ब्रेन-मैपिंग मिशन और स्ट्रोक एटलस मिलकर एडवांस्ड रिसर्च रिसोर्स तक पहुंच बढ़ाएंगे और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर और संभावित इलाज पर स्टडीज में मदद करेंगे।
पूनमल्ली-पोरुर मेट्रो स्ट्रेच से यात्रा का समय सिर्फ.20 मिनट रह जाएगा, जबकि पोरुर से वडापलानी तक मेट्रो से 18 मिनट लगेंगे, जिससे समय बचेगा। मनाली रिफाइनरी में यह प्रोजेक्ट देश की वर्ल्ड-क्लास, हाई परफॉर्मेंस लुब्रिकेंट बनाने की क्षमता को बढ़ाएगा। रेलवे परियोजनाओं से रेलवे की क्षमता और संचालन क्षमता बढ़ेगी, साथ ही पर्यटन और स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनायें दक्षिणी तमिलनाडु में संपर्क को मजबूत करेंगे और पोर्ट इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का मकसद ट्रेड को बढ़ावा देना, कार्गो मूवमेंट और जन सुविधाओं को बेहतर बनाना है, साथ ही साफ, सुरक्षित और ज्यादा पर्यावरण अनुकूल बंदरगाह संचालन को बढ़ावा देना है।
लोगों को संबोधित करने के बाद, श्री मोदी ने नयी दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले नंदंबक्कम में चेन्नई ट्रेड सेंटर में जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के गोल्डन जुबली समारोह में शामिल होकर अपना दौरा खत्म किया।

संक्षिप्त खबरें

आद्रा मंडल: बेलियातोड़ हॉल्ट बनेगा ब्लॉक स्टेशन, नई लूप लाइन और फुट ओवर ब्रिज से सुधरेगा ट्रेनों का परिचालन

कोलकाता(बिभा): दक्षिण पूर्व रेलवे ने परिचालन दक्षता बढ़ाने और यात्री सुविधाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से आद्रा मंडल के अंतर्गत आने वाले बेलियातोड़ हॉल्ट स्टेशन (वर्तमान श्रेणी एचजी-2) को पूर्ण ब्लॉक स्टेशन के रूप में अपग्रेड करने का फैसला किया है। उन्नयन कार्य पूरा होने के बाद इसे एनएसजी-6 श्रेणी में शामिल करने पर विचार किया जाएगा। योजना के तहत स्टेशन पर नया भवन बनेगा, जिसमें प्रतीक्षालय और टिकट बुकिंग कार्यालय की सुविधा होगी। इसके साथ ही एक अतिरिक्त लूप लाइन बिछाई जाएगी और यात्रियों की सहूलियत के लिए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण किया जाएगा। बांकुड़ा-मसाग्राम एकल विद्युतीकृत रेलखंड पर वर्तमान में केवल तीन ब्लॉक स्टेशन (सोनामुखी, बौवाइचण्डी और रायनगर) मौजूद हैं, जहां 6 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनें चल रही हैं। ब्लॉक सेक्शन की दूरी अधिक होने के कारण क्षेत्र में नई ट्रेनें चलाने या फेरे बढ़ाने में तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं। बेलियातोड़ के ब्लॉक स्टेशन बनने से ट्रेनों के क्रॉसिंग और आवागमन प्रबंधन में आसानी होगी, जिससे अनावश्यक देरी घटेगी और भविष्य में अतिरिक्त ट्रेन सेवाएं शुरू करने की राह आसान होगी।

धनबाद रेल मंडल में चला विशेष स्वच्छता अभियान, हटाए गए अवैध पोस्टर

धनबाद(बिभा): पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' और 'SCDPM 6.0' के तहत रविवार को प्रमुख स्टेशनों पर सघन स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशनों के प्लेटफॉर्म, रेल पटरियों, प्रतीक्षालयों, सकुर्लेटिंग एरिया और यात्री सुविधा से जुड़े सभी क्षेत्रों की गहन साफ-सफाई की गई। स्टेशन परिसरों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देते हुए दीवारों और खंभों पर लगे अनधिकृत पोस्टरों को हटाया गया। इसके साथ ही रेल अधिकारियों व कर्मियों ने यात्रियों से सीधा संवाद कर उन्हें परिसर को साफ-सुथरा रखने और स्वच्छता में जनभागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। मंडल प्रशासन का कहना है कि यात्रियों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराने के लिए ऐसे प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

आचार्यश्री के 38वें दीक्षा दिवस पर भक्ति में डूबा जैन समाज

रामगढ़(बिभा)। दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में रांची रोड स्थित पारसनाथ जिनालय में रविवार को परम पूज्य आचार्य भगवंत वसुनंदी जी महाराज का 38वां संयम दीक्षा दिवस श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुनिश्री 108 प्रज्ञानंद जी एवं मुनिश्री 108 कुलानंद जी महाराज के सानिध्य में शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। इस दौरान जैन श्रद्धालुओं ने शामिल होकर आचार्यश्री के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की और धर्मलाभ प्राप्त किया। आचार्यश्री के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 प्रज्ञानंद जी एवं मुनिश्री 108 कुलानंद जी महाराज का चातुर्मास रामगढ़ में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में चल रहा है। मुनिसंघ के सानिध्य में पिछले चार महीनों से जैन समाज में धर्म, संयम और त्याग की भावना को बल मिल रहा है। इसी क्रम में आचार्यश्री के दीक्षा दिवस पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया।
कार्यक्रम को भक्तिमय बनाने के लिए रांची के प्रसिद्ध पार्श्व गायक उदित सेठी और उनकी टीम ने भजनों की प्रस्तुति दी। जैन समाज के सचिव योगेश सेठी ने कहा कि आचार्यश्री का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत और ज्ञान की अविरल धारा के समान है। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री की महिमा का वर्णन करना शब्दों से परे है। कार्यक्रम के दौरान प्रथम अभिषेक का सौभाग्य मानिकचंद पाटनी परिवार तथा शांतिधारा का सौभाग्य पदमचंद सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। विधान में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य सुभाष पाटनी और कुबेर बनने का सौभाग्य विनोद सेठी को मिला। इसके अलावा नितेश सेठी, राजू सेठी, सुरेश सेठी, प्रमोद सेठी, विमल सेठी, वीरेंद्र गंगवाल एवं राकेश पांड्या को विभिन्न इंद्र बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुख्य कलश स्थापना उषा अजमेरा ने की। धार्मिक आयोजन के समापन पर जैन समाज के युवा सदस्यों ने वृद्धाश्रम एवं अनाथाश्रम पहुंचकर जरूरतमंदों के बीच फलाहार वितरित किया। इस सेवा कार्य के माध्यम से समाज ने धर्म के साथ मानव सेवा का संदेश दिया।
कार्यक्रम को सफल बनाने में पदम सेठी, राजू सेठी, नितेश सेठी, निशांत सेठी, बबलू सेठी, नीरज सेठी सहित अन्य ने सराहनीय योगदान दिया। यह जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दिया।

94वें फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया

एजेंसी

वाराणसी। फिटनेस को बढ़ावा देने, युवाओं को सशक्त बनाने और नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार सुबह वाराणसी में फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 94वें संस्करण का आयोजन किया गया। विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा थीम पर आयोजित इस अभियान में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भाग लिया। उनके साथ एशियाई खेलों के पदक विजेता (2026 आइची-नागोया एशियाई खेल) प्राची चौधरी, पारुल चौधरी, जय कुमार, राज कुमार पाल, द्रोणाचार्य अवार्डी प्रमोद मिश्रा, राज्य मंत्री गिरीश यादव, राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने भी साइकिल चलाकर स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।
रविवार सुबह छह बजे नमोघाट से शुरू हुई साइकिल रैली संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षा मंडप तक निकाली गई। कार्यक्रम की शुरूआत में केंद्रीय मंत्री ने नमोघाट पर युवा प्रतिभागियों का स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने काशी की पारंपरिक जोड़ी को अपने कंधे पर रखकर भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के साथ फिटनेस और नशामुक्त भारत का संदेश भी दिया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज हम जिस उद्देश्य से कार्यक्रम कर रहे हैं, वह स्पष्ट है। साइकिलिंग फिटनेस का मंत्र है। यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। साइकिलिंग से प्रदूषण की समस्या का समाधान हो सकता है। इससे ईंधन की बचत होती है और देश की विदेशी मुद्रा भी बचती है। साइकिलिंग से ट्रैफिक का भी समाधान हो सकता है।
उन्होंने कहा कि ह्यसंडे ऑन साइकिलह्व के माध्यम से ह्यमाई भारतह्व के लाखों युवा फिटनेस का संदेश दे रहे हैं। वाराणसी में भी बड़ी संख्या में युवा इस अभियान से जुड़ने के लिए नमो घाट पर जुटे। उन्होंने युवाओं से अभियान में भागीदारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढ़ाने की अपील की।
आयोजकों के अनुसार, अभियान का मुख्य उद्देश्य साइकिलिंग को सक्रिय जीवनशैली अपनाने का सरल, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल माध्यम बनाकर प्रोत्साहित करना है। सामूहिक भागीदारी के जरिए लोगों को यह संदेश दिया जा रहा है कि शारीरिक गतिविधियों को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। नियमित व्यायाम, खेल और साइकिलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हैं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त और नशामुक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
कार्यक्रम के तहत नमोघाट पर योग सत्र, ऊजार्वान जुंबा, मनोरंजक खेलों और विभिन्न संवादात्मक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आयोजन के माध्यम से युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के साथ स्वस्थ आदतें अपनाने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

उत्तर रेलवे ने कई ट्रेनों का संचालन बहाल किया, कुछ रद्द और आंशिक रूप से निरस्त

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने रविवार को कई ट्रेनों के संचालन में बदलाव की सूचना जारी की है। इसके तहत कुछ ट्रेनों को बहाल किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को रद्द और कुछ को आंशिक रूप से निरस्त करते हुए उनका प्रारंभिक स्टेशन बदला गया है।
उत्तर रेलवे के अनुसार, 11 अक्टूबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 15308 सिरसा-तिलक ब्रिज को सिरसा से रेवाड़ी जंक्शन के बीच आंशिक रूप से निरस्त किया गया है। अब यह ट्रेन रेवाड़ी जंक्शन से चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 54310 हिसार-दिल्ली जंक्शन को हिसार से रेवाड़ी जंक्शन के बीच आंशिक रूप से निरस्त किया गया है। यह ट्रेन भी अब रेवाड़ी जंक्शन से चलेगी। इन दोनों ट्रेनों को पहले पूरी तरह रद्द किए जाने के बजाय आंशिक रूप से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।
रेलवे ने ट्रेन संख्या 01941/01942 आगरा कैंट-पलवल-आगरा कैंट और ट्रेन संख्या 74004 रेवाड़ी जंक्शन-दिल्ली जंक्शन को 11 अक्टूबर के लिए रद्द कर दिया है। इसके अलावा ट्रेन संख्या 54085 दिल्ली जंक्शन-सातरोद का संचालन भी रविवार को रद्द रहेगा।
वहीं, यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 64105 अलीगढ़ जंक्शन-नई दिल्ली और ट्रेन संख्या 64426 नई दिल्ली-गाजियाबाद का संचालन बहाल कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 54076 दिल्ली जंक्शन-बरेली को भी बहाल कर दिया गया है। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है। यात्री रेलवे की वेबसाइट या एनटीईएस के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

पूर्व रेलवे ने सभी मंडलों में तेज किया स्वच्छता व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अभियान, चारों मंडलों में दिखी सक्रियता

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय के नेतृत्व में, स्वच्छता पखवाड़ा 2026 एवं विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत पूर्व रेलवे के विभिन्न मंडलों में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित किया गया तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के कड़ाई से अनुपालन को बढ़ावा दिया गया।
सियालदह मंडल में रेलवे कर्मचारियों, ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सर्विसेज कर्मियों, खानपान सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों, स्टेशन विक्रेताओं तथा ठेकेदारों के लिए जागरूकता सत्र एवं ब्रीफिंग आयोजित की गईं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कचरे का चार श्रेणियों में पृथक्करण, उचित निस्तारण की विधियों तथा नियमों का पालन नहीं करने पर लगने वाले दंड के संबंध में जागरूकता बढ़ाना था। सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों एवं कार्यालयों में सूचना, शिक्षा एवं संचार संबंधी पोस्टर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही, सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।
हावड़ा मंडल ने अपशिष्ट प्रसंस्करण से संबंधित बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने तथा विभागीय जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना शुरू कर सतत परिचालन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। मंडल ने कचरा उत्पन्न होने के स्थान पर ही चार श्रेणियों—गीला, सूखा, सैनिटरी तथा विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट—में पृथक्करण की व्यवस्था लागू की। साथ ही, थोक अपशिष्ट उत्पादकों के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पोर्टल पर पंजीकरण तथा अधिकृत पुनर्चक्रण एजेंसियों के साथ समन्वय की प्रक्रिया को औपचारिक रूप दिया गया।
आसनसोल मंडल में आसनसोल, दुर्गापुर, अंडाल एवं पांडवेश्वर सहित प्रमुख स्टेशनों तथा जसीडीह रेलवे कॉलोनी में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाए गए। प्रमुख स्टेशनों पर चार श्रेणियों के कूड़ेदान पहले से ही उपयोग में हैं, जिन्हें आगे और अधिक स्थानों पर स्थापित किया जाएगा। पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग की कड़ी निगरानी में चार स्टेशनों, दो रेलवे कॉलोनियों, आसनसोल स्थित मंडलीय रेलवे अस्पताल तथा एमडीजेडटीआई, भूली के लिए थोक अपशिष्ट उत्पादक पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।
मालदा मंडल में विवेकानंद पार्क में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में स्टेशन परिसर, रेलवे ट्रैक, नालियों तथा आवागमन क्षेत्रों की व्यापक साफ-सफाई की गई।
पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा-पूर्व रेलवे सामुदायिक सहभागिता, अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी नियमों के कड़ाई से अनुपालन तथा हरित पहलों के माध्यम से पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ रेल परिचालन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आसनसोल मंडल ने स्क्रैप निस्तारण से रचा इतिहास: पहली छमाही में कमाए ?36.19 करोड़, राजस्व में 71.92% का उछाल

बिहान भारत

आसनसोल: रेलवे की पुरानी पटरियाँ, अनुपयोगी कल-पुर्जे तथा अन्य अप्रचलित धातु सामग्री भले ही अपनी परिचालन उपयोगिता पूरी कर चुकी हों, लेकिन उनका आर्थिक मूल्य समाप्त नहीं होता। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में ऐसी सामग्रियों का व्यवस्थित निस्तारण कर राजस्व अर्जित किया जा रहा है। यह पहल गैर-किराया राजस्व बढ़ाने की दिशा में मंडल के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
अप्रैल से सितंबर 2026 की अवधि के दौरान आसनसोल मंडल ने स्क्रैप की बिक्री से ?36.19 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में अर्जित ?21.05 करोड़ की तुलना में 71.92% की वृद्धि दशार्ता है। वित्त वर्ष 2026झ्र27 के लिए निर्धारित ?69 करोड़ के वार्षिक आंतरिक लक्ष्य के मुकाबले मंडल ने पहले छह महीनों में ही 52.45% उपलब्धि हासिल कर ली है।
इस उपलब्धि के पीछे भंडार विभाग के निरंतर प्रयासों तथा लोको अनुरक्षण शेडों, वैगन अनुरक्षण एवं ओवरहॉलिंग शेडों, इंजीनियरिंग विभाग की विभिन्न स्थायी पथ (ढ-हंट) इकाइयों और अन्य क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों के साथ प्रभावी समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
अनुपयोगी सामग्रियों की पहचान एवं पृथक्करण से लेकर उनके प्रलेखन, लेखांकन, रख-रखाव, परिवहन तथा समयबद्ध निस्तारण तक विभिन्न स्तरों पर समन्वित कार्यवाही की जाती है। इससे रेलवे परिचालन के लिए अनुपयोगी हो चुकी सामग्रियों का नियमानुसार एवं व्यवस्थित तरीके से निस्तारण सुनिश्चित होता है।
स्क्रैप निस्तारण की मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान मंडल ने कुल 4,550.063 मीट्रिक टन स्क्रैप का निस्तारण किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 91.43% अधिक है। इस दौरान लौह स्क्रैप का निस्तारण 935.792 मीट्रिक टन से बढ़कर 3,788.095 मीट्रिक टन हो गया।
राजस्व अर्जित करने के अतिरिक्त, समयबद्ध स्क्रैप निस्तारण से रेलवे प्रतिष्ठानों में बहुमूल्य स्थान खाली होता है तथा भंडार एवं सामग्री प्रबंधन को अधिक सुव्यवस्थित बनाने में सहायता मिलती है।
यात्रियों के लिए रेलवे की पहचान मुख्य रूप से ट्रेनों, स्टेशनों और यात्रा सुविधाओं से होती है। हालांकि, इस व्यवस्था के सुचारु संचालन के पीछे अनेक विभागों और कर्मचारियों की निरंतर मेहनत होती है, जो रेलवे परिसंपत्तियों एवं सामग्रियों के संपूर्ण उपयोगी जीवनचक्र के दौरान उनके कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं।
इस प्रकार, स्क्रैप बिक्री से अर्जित ?36.19 करोड़ की राशि केवल एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह गैर-किराया राजस्व सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान भी है। यह उपलब्धि दशार्ती है कि सुव्यवस्थित संसाधन प्रबंधन के माध्यम से अनुपयोगी रेलवे सामग्रियों को भी आर्थिक रूप से उपयोगी बनाया जा सकता है।
रेलवे के लिए अपनी उपयोगिता पूरी कर चुकी सामग्री भी मूल्यवान संसाधन बन सकती है। इस प्रकार, कल की अनुपयोगी रेलवे परिसंपत्तियाँ आज राजस्व सृजन और भविष्य के संसाधन प्रबंधन में योगदान दे रही हैं।

शारदीय नवरात्रि मेला: विंध्याचल स्टेशन पर रेलवे के पुख्ता इंतजाम, सीनियर डीसीएम ने लिया जायजा

बिहान भारत

प्रयागराज : विंध्याचल में 11 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले शारदीय नवरात्रि मेले को लेकर उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने व्यापक प्रबंध किए हैं। रविवार को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) हरि मोहन ने विंध्याचल स्टेशन का गहन निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया।
श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर तीन अनारक्षित टिकट काउंटर, एक पूछताछ केंद्र और दो शिफ्टों में आरक्षित टिकट काउंटर संचालित किए जा रहे हैं। टिकट वितरण व जांच के लिए 8 अतिरिक्त रेलकर्मी और 20 अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ तैनात किए गए हैं।
यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव, पर्याप्त पेयजल, पांच खानपान स्टॉल, अस्थायी यात्री शेड और 15-15 पुरुष व महिला शौचालयों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सकुर्लेटिंग एरिया में खोया-पाया केंद्र स्थापित किया गया है। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, नागरिक सुरक्षा, स्काउट-गाइड और प्राथमिक व आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र के साथ एम्बुलेंस की तैनाती की गई है। स्टेशन परिसर और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए आरपीएफ और जीआरपी के जवान लगातार निगरानी रख रहे हैं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com